

ԱՐԲԵՏԱՆ
ՔԱՂԱՔԱԿՐԹՈՒԹՅՈՒՆԻՒՅ
ԴՈՒՐ

АЗЕРБАЙДЖАН
ВНЕ ЦИВИЛИЗАЦИИ

AZERBAIJAN
OUT OF CIVILIZATION





**ԱԶԵՐԲԵՋԱՆ
ՔԱՂԱՔԱԿՐԹՈՒԹՅՈՒՆԻՑ ԴՈՒՐ**

**АЗЕРБАЙДЖАН
ВНЕ ЦИВИЛИЗАЦИИ**

**AZERBAIJAN
OUT OF CIVILIZATION**

ՀՏԴ 008
ԳՄԴ 71
Կ 294

Կարապետյան Ս.

Կ 294 Աղրբեջանը քաղաքակրթությունից դուրս /Ս. Կարապետյան.-Եր.: Յայկական
ճարտարապետությունն ուսումնասիրող հիմնադրամ, 2017.-172 էջ:

ՀՏԴ 008
ԳՄԴ 71

Նվիրվում է

Այսուհետական մշակույթի անհամար հուշարձաններով պերճացած
հայոց սրբազն Հայրենիքի մի անկյան՝ Արցախի՝
աղբեջանական գաղութատիրությունից ազատագրվելու և հայ
պետականության վերականգնման 25-ամյակին (1991-2016), ինչպես նաև հայոց
պատմության այս փառապանծ էջը կերտողներին

Посвящается

25-летию (1991-2016) восстановления армянской государственности
и освобождения от азербайджанской колонизации Арцаха — уголка
святой армянской Родины, богатого бесчисленными памятниками
материальной культуры, а также творцам этой доблестной страницы
армянской истории.

Dedicated

to the 25th anniversary (1991 to 2016) of the restoration of the Armenian statehood
and the liberation of Artsakh—a piece of the sacred Armenian Homeland abounding in
thousands of monuments of material culture—from Azerbaijan's occupation;
to all the Armenian fighters who added this triumphant page to the history
of the Armenian nation

Սույն հատորը լույս ընծայվեց ՀՀ կառավարության առընթեր քաղաքաշինության
պետական կոմիտեի և «Մոն-Արխ» ընկերության աջակցությամբ

Том издан при поддержке Государственного комитета по градостроительству при
правительстве РА и компании «Мон-Арх»

Publication sponsors: State Urban Development Committee Adjunct to the Government
of the RA and Mon-Arch Company

Բովանդակություն

| | |
|---|---|
| <p>ՆԱԽԱԲԱՆ7</p> <p>Բարձի Սք. Աստվածածին Եկեղեցի16</p> <p>Բարձի հայ-ռուսական գերեզմանոցը18</p> <p>Մատրասա գյուղի Սք. Աստվածածին Եկեղեցի22</p> <p>Սեյսարի գյուղի Սք. Աստվածածին վանք24</p> <p>Ղալակա գյուղի Սք. Աստվածածին Եկեղեցի26</p> <p>Նիժ գյուղի Սք. Եղիշե Եկեղեցի28</p> <p>Վարդաշեն քաղաքի Սք. Աստվածածին Եկեղեցի30</p> <p>Շաքի քաղաքի Գասպար Աջունցենցու տունը32</p> <p>Դաշրուադ գյուղի Սք. Գևորգ Եկեղեցի33</p> <p>Քիշ գյուղի Սք. Եղիշե Եկեղեցի34</p> <p>Գանձակի Սք. Գրիգոր Լուսավորիչ Եկեղեցի36</p> <p>Գանձակի Սք. Հովհաննես Եկեղեցի38</p> <p>Մարշալ Հովհաննեսի հուշահամար43</p> <p>Գանձակի հայոց գերեզմանոցը44</p> <p>Գազա Սք. Սարգիս վանք46</p> <p>Խաչակապ գյուղի Թարգմանչաց վանք48</p> <p>Խաչակապ գյուղի Սք. Աստվածածին Եկեղեցի50</p> <p>Փիր գյուղի գերեզմանոցը52</p> <p>Գետաբեկի Սք. Սարգիս վանք54</p> <p>Չարեք վանք56</p> <p>Շահիքեքարի վանք58</p> <p>Ուկանապատ գյուղի գերեզմանոցը60</p> <p>Գետաշեն գյուղի կենտրոնական քաղը և տեք Մեսրոպի տունը62</p> <p>Գետաշեն գյուղի Մրցունիս գյուղատեղիի Եկեղեցի64</p> <p>Սուլուք (Ազատ) գյուղի Սք. Հովհաննես Եկեղեցի68</p> <p>Սուլուք (Ազատ) գյուղի Պանդավանք70</p> <p>Բախչիք գյուղի Սք. Հարություն Եկեղեցի72</p> <p>Արլահ գյուղի Սք. Սիմաս Եկեղեցի74</p> <p>Մարտունի գյուղի ռուսական Եկեղեցի76</p> <p>Խրիստոնության գյուղի մոտ գտնվող Մանրուն հնավայրի Եկեղեցի77</p> <p>Գյուլիստան գյուղը78</p> <p>Գյուլիստան գյուղի Սք. Աստվածածին Եկեղեցի80</p> <p>Սք. Աստվածածին վանք82</p> <p>Ծար գյուղի հուշահամարներն ու աղբբեջանական դպրոցը84</p> <p>Ծար գյուղի Գետամիջոն վանքն ու Զքաղ գյուղի աղբբեջանական դպրոցը86</p> <p>Բանանց գյուղի Սք. Գրիգոր Լուսավորիչ Եկեղեցի88</p> | <p>Երից մամկանց վանք88</p> <p>Լալազարի կամուրջը89</p> <p>Կավաք վանք90</p> <p>Պարին Պիծ վանք94</p> <p>Առաքել գյուղի Սք. Աստվածածին Եկեղեցի98</p> <p>Հինշեն գյուղի ՀՄՊՁ հուշարձանը99</p> <p>Բանանց գյուղի ՀՄՊՁ հուշարձանը100</p> <p>Խճարերդ, Քարագլուխ, Մյուլքուդարա գյուղերի ՀՄՊՁ հուշարձանները100-101</p> <p>Ծիծեննավանքի դարպասի արձանագրությունը102</p> <p>Ծուշի Ղազանչեցոց Սք. Ամենափրկիչ Եկեղեցի104</p> <p>Ծուշի բնակելի տներից մեկը107</p> <p>Օծովի վանք108</p> <p>Փառակա գյուղի Սք. Հակոբ հայրապետ վանք110</p> <p>Ճահուկ գյուղի Սք. Հովհաննես Եկեղեցի112</p> <p>Ուամիս գյուղի Սք. Աստվածածին Եկեղեցի114</p> <p>Ալիապատ գյուղի Սք. Աստվածածին Եկեղեցի116</p> <p>Ցղնա գյուղի Սք. Աստվածածին Եկեղեցի118</p> <p>Նախիջևան քաղաքի Սք. Գևորգ Եկեղեցի122</p> <p>Արրակունիս գյուղի Սք. Կարապետ վանք124</p> <p>Ծոռոք գյուղի Սք. Հակոբ վանք128</p> <p>Ազուլիս գյուղի Ներքին քաղի Ամառային Եկեղեցի130</p> <p>Ազուլիս գյուղի Վերին քաղի Սք. Հովհաննես Մկրտիչ Եկեղեցի132</p> <p>Ազուլիս գյուղի Վերին քաղի Սք. Հակոբ հայրապետ Եկեղեցի133</p> <p>Ազուլիս գյուղի Վերին քաղի Սք. Շմավոն Եկեղեցի134</p> <p>Ազուլիս գյուղի Վերին քաղի Սք. Աստվածածին Մեծ անապատ136</p> <p>Ազուլիս գյուղի Վերին քաղի Սք. Վրիստավոր Եկեղեցի137</p> <p>Ազուլիս գյուղի Վերին քաղի Սք. Թովմա առաքյալ վանք138</p> <p>Ազուլիս գյուղի Վերին քաղի Սք. Ստեփանոս Եկեղեցի141</p> <p>Զուլա գյուղի Սք. Գևորգ Եկեղեցի142</p> <p>Զուլա գյուղի գերեզմանոցը143</p> <p>Զուլա քաղաքատեղիի Սք. Ամենափրկիչ վանք144</p> <p>Զուլա քաղաքատեղիի Պոմբլոզի Եկեղեցի146</p> <p>Զուլա քաղաքատեղիի գերեզմանոցը148</p> <p>Զուլա քաղաքատեղիի Հովհի Եկեղեցի164</p> <p>Ծիծեննավանք166</p> <p>Դաղիվանք168</p> <p>Տիգրանակերտ քաղաքատեղի171</p> |
|---|---|

СОДЕРЖАНИЕ

| | |
|--|---------|
| ПРЕДИСЛОВИЕ | 9 |
| Церковь Сурб Аствацацин (Пресв. Богородицы) | |
| города Баку..... | 16 |
| Армяно-русское кладбище города Баку | 18 |
| Церковь Сурб Аствацацин (Пресв. Богородицы) | |
| села Матраса | 22 |
| Церковь Сурб Аствацацин (Пресв. Богородицы) | |
| села Мейсари | 24 |
| Церковь Сурб Аствацацин (Пресв. Богородицы) | |
| села Галагах (Галака) | 26 |
| Церковь Сурб Егише (Св. Елисея) села Ниж | 28 |
| Церковь Сурб Аствацацин (Пресв. Богородицы) | |
| города Вардашен..... | 30 |
| Дом Гаспара Аджунца в городе Шаки | 32 |
| Церковь Сурб Геворк (Св. Георгия) села Дашибулаг.... | 33 |
| Церковь Сурб Егише (Св. Елисея) села Киш..... | 34 |
| Церковь Сурб Григор Лусаворич (Св. Григория | |
| Просветителя) города Гандзак..... | 36 |
| Церковь Сурб Ованнес (Св. Иоанна) города Гандзак | 38 |
| Памятник Маршала Ов. Баграмяна в городе Гандзак | 43 |
| Армянское кладбище города Гандзак..... | 44 |
| Монастырь Гага Сурб Саркис (Св. Саркиса)..... | 46 |
| Монастырь Таргманчац (Св. Переводчиков) села Хачакап | 48 |
| Церковь Сурб Аствацацин (Пресв. Богородицы) | |
| села Хачакап | 50 |
| Кладбище села Пиб | 52 |
| Монастырь Сурб Саркис (Св. Саркиса) | |
| города Гетабек..... | 54 |
| Монастырь Чарек | 56 |
| Монастырь Шахпекар..... | 58 |
| Кладбище села Восканапат | 60 |
| Центральный квартал села Геташен и дом Тер Месропа | 62 |
| Церковь селища Мрцунис села Геташен | 64 |
| Церковь Сурб Ованнес (Св. Иоанна) села Сулук (Азат) | 68 |
| Монастырь Пандаванк села Сулук (Азат) | 70 |
| Церковь Сурб Арутюн (Св. Воскресения) села Бахшик | 72 |
| Церковь Сурб Минас (Св. Минаса) села Аблах | 74 |
| Русская церковь села Мартуни | 76 |
| Церковь древней местности Мандур рядом с селом | |
| Храпор | 77 |
| Село Гюлистан..... | 78 |
| Церковь Сурб Аствацацин (Пресв. Богородицы) | |
| села Гюлистан..... | 80 |
| Монастырь Сурб Аствацацин (Пресв. Богородицы) ... | 82 |
| Армянские памятники и азербайджанская школа | |
| села Цар..... | 84 |
| Монастырь Гетамиджо села Цар и азербайджанская | |
| школа села Чраг | 86 |
| Церковь Сурб Григор Лусаворич (Св. Григория | |
| Просветителя) села Бананц..... | 88 |
| Монастырь Ериц Манканц (Трех отроков)..... | 88 |
| Мост Лалазара | 89 |
| Монастырь Кавак | 90 |
| Монастырь Парин Пиж..... | 94 |
| Церковь Сурб Аствацацин (Пресв. Богородицы) | |
| села Аракел | 98 |
| Памятник героям Великой Отечественной войны | |
| в селе Хиншен..... | 99 |
| Памятник героям Великой Отечественной войны | |
| в селе Бананц..... | 100 |
| Памятники героям Великой Отечественной войны | |
| в селах Хшаберд, Караглух, Мюлкудара | 100-101 |
| Строительная надпись на воротах монастыря | |
| Цицернаванк | 102 |
| Церковь Казанчеоц Сурб Аменапркич | |
| (Св. Христа Всеспасителя) города Шуши..... | 104 |
| Жилой дом в городе Шуши | 107 |
| Монастырь Оцопа | 108 |
| Монастырь Сурб Акоп Айрапет (Св. Иакова | |
| Низибийского) села Парака | 110 |
| Церковь Сурб Ованнес (Св. Иоанна) села Чахук..... | 112 |
| Церковь Сурб Аствацацин (Пресв. Богородицы) | |
| села Рамис | 114 |
| Церковь Сурб Аствацацин (Пресв. Богородицы) | |
| села Алиалат | 116 |
| Церковь Сурб Аствацацин (Пресв. Богородицы) села Щна | 118 |
| Церковь Сурб Геворк (Св. Геворка) города Нахичевань | 122 |
| Монастырь Сурб Карапет (Св. Предтечи) села | |
| Абрақунис..... | 124 |
| Монастырь Сурб Акоп (Св. Иакова) села Шорот | 128 |
| Церковь Амарайин (Летняя) квартала Неркин | |
| (Нижнего) села Агулис..... | 130 |
| Церковь Сурб Ованнес Мкртич (Св. Иоанна Крести- | |
| теля) квартала Верин (Верхнего) села Агулис..... | 132 |
| Церковь Сурб Акоп Айрапет (Св. Иакова Низибий- | |
| ского) квартала Верин (Верхнего) села Агулис..... | 133 |
| Церковь Сурб Шмавон (Св. Симона) квартала | |
| Верин (Верхнего) села Агулис..... | 134 |
| Церковь Сурб Аствацацин Мец Анапат | |
| (Большой Скит Святой Богородицы) | |
| квартала Верин (Верхнего) села Агулис..... | 136 |
| Церковь Сурб Кристапор (Св. Христофора) | |
| квартала Верин (Верхнего) села Агулис..... | 137 |
| Монастырь апостола Сурб Товма (Св. Фомы) | |
| квартала Верин (Верхнего) села Агулис..... | 138 |
| Церковь Сурб Степанос (Св. Стефана) квартала | |
| Верин (Верхнего) села Агулис..... | 141 |
| Церковь Сурб Геворк (Св. Георгия) села Джуга..... | 142 |
| Кладбище села Джуга..... | 143 |
| Монастырь Сурб Аменапркич (Св. Христа | |
| Всеспасителя) городища Джуга..... | 144 |
| Церковь Помблоза городища Джуга..... | 146 |
| Кладбище городища Джуга | 148 |
| Церковь Овви городища Джуга | 164 |
| Монастырь Цицернаванк..... | 166 |
| Монастырь Дадиванк | 168 |
| Городище Тигранакерт..... | 171 |

Contents

| | | | |
|--|----|---|---------|
| PREFACE | 11 | | |
| Sourb Astvatzatzin Church, Baku City | 16 | Yerits Mankants Monastery | 88 |
| Armeno-Russian Cemetery of Baku City | 18 | Bridge of Lalazar | 89 |
| Sourb Astvatzatzin Church, Matrasa Village | 22 | Kavak Monastery | 90 |
| Sourb Astvatzatzin Monastery, Meysari Village..... | 24 | Parin Pizh Monastery | 94 |
| Sourb Astvatzatzin Church, Ghalaka Village | 26 | Sourb Astvatzatzin Church, Arakel Village | 98 |
| St. Yeghishe Church, Nizh Village | 28 | Memorial Built in Honour of the Armenians Perished during the Great Patriotic War, Hinshen Village | 99 |
| Sourb Astvatzatzin Church, Vardashen City..... | 30 | Memorial Built in Honour of the Armenians Perished during the Great Patriotic War, Banants Village..... | 100 |
| Gaspar Ajuntsetsy's House, Shaki City | 32 | Memorials Built in Honour of the Armenians Perished during the Great Patriotic War, Khetzaberd, Karaglukh, Myulkudara Villages..... | 100-101 |
| St. Gevorg Church, Dashbulagh Village | 33 | Gate of Tzitzernavank Monastery | 102 |
| St. Yeghishe Church, Kish Village | 34 | Ghazanchetsots Sourb Amenaprkich Church, Shushi City . | 104 |
| St. Grigor Lusavorich Church, Gandzak City | 36 | A House in Shushi City..... | 107 |
| St. Hovhannes Church, Gandzak City | 38 | Otzop Monastery | 108 |
| Bust of Marshal Baghramian, Gandzak City | 43 | St. Hakob Hayrapet Monastery, Paraka Village..... | 110 |
| Armenian Cemetery of Gandzak City | 44 | St. Hovhannes Church, Jahuk Village..... | 112 |
| St. Sargis Monastery of Mount Gag | 46 | Sourb Astvatzatzin Church, Ramis Village..... | 114 |
| Targmanchats Monastery, Khachakap Village..... | 48 | Sourb Astvatzatzin Church, Aliapat Village | 116 |
| Sourb Astvatzatzin Church, Khachakap Village..... | 50 | Sourb Astvatzatzin Church, Tseghna Village | 118 |
| Cemetery of Pib Village | 52 | St. Gevorg Church, Nakhijevan City | 122 |
| St. Sargis Monastery, Getabek City | 54 | Sourb Karapet Monastery, Abrakunis Village | 124 |
| Charek Monastery | 56 | St. Hakob Monastery, Shorot Village | 128 |
| Shahpekar Monastery..... | 58 | Amarayin Church, Agulis Village..... | 130 |
| Cemetery of Voskanapat Village..... | 60 | St. Hovhannes Mkrtich Church, Agulis Village | 132 |
| Central Quarter of Getashen Village and Priest Mesrop's House | 62 | St. Hakob Hayrapet Church, Agulis Village | 133 |
| Church of Mertsunis Village Site..... | 64 | St. Shmavon Church, Agulis Village | 134 |
| St. Hovhannes Church, Suluk Village | 68 | Great Cloister of Sourb Astvatzatzin, Agulis Village | 136 |
| Pandavank Monastery, Suluk Village | 70 | St. Christapor Church, Agulis Village | 137 |
| Sourb Harutiun Church, Bakhshik Village | 72 | St. Tovma Arakyal Monastery, Agulis Village..... | 138 |
| St. Minas Church, Ablah Village | 74 | St. Stepanos Church, Agulis Village | 141 |
| Russian Church of Martuni Village | 76 | St. Gevorg Church, Jugha Village..... | 142 |
| Church of the Site of Mandur, Kherkhapor Village | 77 | Cemetery of Jugha Village | 143 |
| Gyulistan Village..... | 78 | Sourb Amenaprkich Monastery, Jugha City Site | 144 |
| Sourb Astvatzatzin Church, Gyulistan Village | 80 | Pombloz Church, Jugha City Site | 146 |
| Sourb Astvatzatzin Monastery, Dadivank Village | 82 | Cemetery of Jugha City Site | 148 |
| The Armenian Monuments and Azerbaijani School of Tzar Village | 84 | Hovvi Church, Jugha City Site | 164 |
| Getamijo Monastery, Tzar Village, and the Azerbaijani School of Chragh Village..... | 86 | Tzitzernavank Monastery..... | 166 |
| St. Grigor Lusavorich Church, Banants Village | 88 | Dadivank Monastery | 168 |
| | | Tigranakert City Site..... | 171 |

ՆԱԽԱԲԱՆ

Անհիշելի ժամանակներից հայերով բնակեցված և Մեծ ու Փոքր Հայրերի բազավորություններն ընդգրկած Հայկական լեռնաշխարհը չափազանց հարուստ է բազում դարերի ընթացքում երկրամասի բնիկներից արարված պատմական տարաբնույթ հուշարձաններով:

Ներկայիս Հայաստանի Հանրապետությունն ընդգրկում է Հայկական լեռնաշխարհի կամ Պատմական Հայաստանի տարածքի շուրջ 10%-ը (Արցախի Հանրապետության հետ՝ մոտ 14%-ը), իսկ լայնածավալ Հայրենիքի մնացյալ հատվածը տրոհված է հարեւան երկրների՝ Թուրքիայի, Աղրբեջանի (ներառյալ Վերջինիս ենթակայության ներքո գտնվող Նախիջևանի Ինքնավար Հանրապետությունը), Վրաստանի և Իրանի միջև:

Ի հետևանք այս ամենի՝ հայկական պատմական հուշարձանների մեծագույն մասն էլ ինքնարերաբար գտնվում է Հայաստանի Հանրապետության սահմաններից դուրս:

Անցած գրեթե մեկ դարի ընթացքում Հայաստանի հարեւան պետությունները հայկական պատմական հուշարձանների պահպանության հարցում դրսւորել են տարբեր մոտեցումներ: Ընդ որում, բացառությամբ մշտապես և բոլոր առումներով օրինակելի վերաբերմունք ցույց տված Իրանի Խալամական Հանրապետության՝ Հայաստանի Հանրապետության մյուս երեք հարեւանների տարածքներում հայկական պատմական հուշարձանները նշյալ ողջ ժամանակահատվածում ոչ միայն ենթակա չեն եղել պատշաճ պահպանության, այլև ծրագրված և միտումնավոր ոչնչացվել են:

1918 թ. կնքահայր Թուրքիայի գործուն մասնակցությամբ, հոգածությամբ և դիվանագիտական հաղթանակով, կիսով չափ հայոց բնօրբանի, կիսով չափ էլ հայ մշակույթով ներծծված պատմական թուն Աղվանիքի սահմաններում ստեղծվեց նորելուկ և ինքնահնար Աղրբեջանի¹ Հանրապետությունը: Փաստացի քեմալարուշիկյան քաղաքական շահերի համընկնմամբ պատմական Արցախ և Ուտիք նահանգների, Նախիջևանի երկրամասի, ինչպես նաև Սյունիք նահանգի Քաշարադ, Քաշունիք և Կովսական գավառների² Հայաստանից օտարելու հետևանքով 1920-ական թթ. սկզբներին արդեն հստակեցված սահմաններով գոյացվեց Աղրբեջանի Խորհրդային Հանրապետությունը (ի տարբերություն 1918 թ. ստեղծված մուսավարական Աղրբեջանի, որի շատ գավառներ Հայաստանի Հանրապետության հետ ունեն անորոշ և վիճելի սահմաններ): Նորելուկ այդ հանրապետության իշխանությունները հենց առաջին տարիներից ի վեր եթե ոչ թշնամաբար, ապա առնվազն խտրականորեն են վերաբերվել հայկական պատմական հուշարձանների նկատմամբ:

Աղրբեջանի կազմում հայտնված բնիկ հայկական պատմական լայնարձակ տարածքները ներկայացնում են մշակութորեն միանգամայն տարրեր երկու միջավայր:

Առաջին խմբում հազարամյակների ընթացքում երկրամասի բնիկների, այդ թվում՝ հայկական քաղաքակրությունը կրող, արդեն Դ դարից ի վեր հայ առաքելադավան, իսկ Ժ դարից հետո պատմության թատերաբեմը մեծագույն մասով լրած և այլևս որևէ սկզբնադրյուրով շվկայվող Կուրի ձախափնյակի աղվանական որոշ ցեղերի³ ստեղծած նյութական մշակույթի անհամբելի քանակությամբ հուշարձաններն են: Երկրորդում թյուրքական (նաև՝ թուրքմենական սպիտակոշխարավոր և սևոշխարավոր) և քրդական ծագմամբ զանազան ցեղերից⁴, պարսիկ տիրակալներից և բռնությամբ մահմեդականացած բնիկների մի մասից ժառանգված անհամեմատ ավելի սակավաթիվ և սահմանափակ տեսականիով հուշարձաններն են՝ առավելապես ԺԷ-ԺԸ դարերով թվագրվող խանական ապարանքներ, մզկիթներ, դամբարաններ և տապանաքարեր:

1 Մինչև 1935 թ. նորառու Աղրբեջան պետության անունը (քաղաքական հետահար նկատառություն այս գողացված է հարեւան Իրանի պատմական Ատրպատական նահանգի անունը) «աղրբեջանցիներ» էին կոչվում հանրապետության բոլոր ազգությունների ներկայացուցիչները, սակայն դրանից հետո «աղրբեջանցի» բառը մասնավորեցվեց և առանձ աղրբեջանցիների հանրապետության միայն թյուրքական (քարարազի) բնակչությանը:

2 Վերջին երեք զավաները, ի թիվս Պատմական Արցախի մի շարք այլ զավաների, ազգատարվել են Արցախյան ազգատամարտի ընթացքում (1992-1993 թթ.), իսկ ԼՂՀ Շահոմյանի շրջանը, ողջ Հյուսիսային Արցախը (ներկայիս Աղրբեջանի Գետարելի, Դաշկեսանի, Թոուզի, Խանլարի, Ղազախի, Շամշուրի և Կաստմանայիլովի շրջաններ) և Նախիջևանի երկրամասը դեռևս մնում են բռնազարֆաված:

3 Եզակի բացառություն են ուսիները, որոնք 1991 թ.-ից ի վեր հայրենիքը չլրելու դիմաց դատապարտվեցին ազգային ինքնությունն ու 1700-ամյա պատմությունն ուրանալ-Ժամանի (այդ են փաստում ուսինառնակ Նիժ գյուղի եկեղեցների հայերեն արձանագրությունների ոչնչացումը, ազգանունների հայկական վերջապարփառությունների փոփոխումը և այլն):

4 Այս ցեղերը երկրամաս են բափանցել արարական արշավանքներից ի վեր, բայց առավելաբար ոչ միջնադարում:

Հատկանշական է, որ 1920-1940-ական թվականներին, երբ ողջ Խորհրդային Միությունն ալեկոծվում էր հակակրոնական՝ արեխստական գաղափարախոսությամբ, Աղրբեջանում չբանդվեց ոչ մի մզկիթ, այլ նույնիսկ կառուցվեցին նորերը, մինչդեռ զուգահեռաբար ավերվեցին և հողին հավասարեցվեցին միջնադարյան տասնյակ վանքեր և եկեղեցիներ:

1950-1960-ական թվականներին, երբ Խորհրդային տերությունն այլևս հրաժարվել էր պաշտամունքային հուշարձանների դեմ իրականացված հակակրոնական կույր պայքարից, Աղրբեջանում պետական հովանափորությամբ շարունակվում էր հայկական միջնադարյան հուշարձանների (Վանքեր, եկեղեցիներ, մատուռներ և խաչքարերով գերեզմանոցներ) զանգվածային ջարդարարությունը:

Աղրբեջանի տարածքում հայտնի հայկական հուշարձանների ոչնչացման՝ պետականորեն գործադրվող քաղաքականությունը, ըստ Էռիքյան, ոչ միայն չդադարեց, այլև նույնիսկ չմեղմացավ անգամ 1960-ական թվականներից հետո, երբ քաղաքական պատվեր կատարող աղրբեջանցի պատմաբաններն ու ճարտարապետները հանկարծ և միահամուռ կերպով «աղվանական» հոչակեցին (իիմք է ընդունվել վերոհիշյալ աղվանական ցեղերի երեմնի գոյությունը Կուրի ճախափնյակում) մինչև Ի դարի սկզբները կառուցված հայկական բոլոր հուշարձանները:

Հարկ է նշել նաև, որ Կուրի աղափնյակում և Նախիջևանում գտնվող աղվանական պիտակավորված հայկական հուշարձանների համատարած ոչնչացման գործընթացն աննախադեպ ծավալներ ընդունեց Աղրբեջանի անկախացումից (1991 թ.) ի վեր և առկա տվյալների համաձայն՝ ցարդ շարունակվում է նույն թափով:

Ինչ վերաբերում է Արցախյան ազատամարտի լճաքցրում տուժած պատմական հուշարձաններին, ապա այստեղ հատկանշական է, որ ավերվել են ոչ միայն այն հուշարձանները, որոնք թեկուզ մի կարծ ժամանակահատված (1991-1992 թթ.) հայտնվել էին աղրբեջանական զինուժի վերահսկողության ներքո, այլև այնպիսիք, որոնք գտնվում էին ռազմական գործողություններն ընդգրկած տարածքներից շատ հեռու:

1994 թ. մայիսից հաստատված զինադադարից հետո և ցարդ հայկական հուշարձաններն ընդհանրապես, իսկ պաշտամունքային և գերեզմանական հուշարձանները մասնավորապես Աղրբեջանում շարունակում են ոչնչացնել արդեն պետական ամենաբարձր մակարդակով՝ անփառունակ այդ գործին մասնակից դարձնելով նույնիսկ երկրի ռազմական ուժերին:

Ներկայացնելով հայկական պատմական հուշարձանների նկատմամբ աղրբեջանական իշխանությունների վարած տևական ժխտողական քաղաքականության էությունը՝ դժվար չէ նկատել, որ տեղի ունեցածը նույնական է 1915 թ.-ից ցարդ՝ Արևմտյան Հայաստանում, 1974 թ.-ից ցարդ՝ Հյուսիսային Կիպրոսում, 1996-2001 թթ.՝ Աֆղանստանում (Բամիան), 2008 թ.-ից ցարդ՝ Կոսովոյում (օր.՝ Պետրիկ, Սուվարենկա, Պուլուկ, Մուշտիշտե), 2012 թ.-ից ցարդ՝ Սիրիայում (օր.՝ Ռազզա, Պալմիրա, Դեյր Էզ-զոր), 2014 թ.-ից ցարդ՝ Իրաքում (օր.՝ Մոսուլ, Նիմրուտ, Հաթրա) կատարված վանդալական գործողությունների հետ: Հստակ է նաև, որ այլոց հայրենիքներում ստեղծված թյուրքական պետությունների մոտեցումներն ու գործողությունները համաշխարհային քաղաքակրթական ժառանգության նկատմամբ միօրինակ են և, ըստ Էռիքյան, նպատակամդված պատմական իրականությունը մատնող բնիկ ժողովուրդների նյութական մշակույթի ժառանգությունից ձերբագատվելու:

ПРЕДИСЛОВИЕ

Армянское нагорье, с незапамятных времен населенное армянами и включающее в свои границы царства Великой и Малой Армении (на многих картах мира — Армения Мажор и Армения Минор), чрезвычайно богато разнообразными историческими памятниками, созданными за многие века коренным населением региона.

Современная Республика Армения (РА) включает в свои границы около 10% (вместе с Республикой Арцах — около 14%) территории Армянского нагорья или Исторической Армении, а остальная часть обширной Родины разделена между соседними государствами — Турцией, Азербайджаном (включая подвластную ему Нахичеванскую Автономную Республику), Грузией и Ираном.

Вследствие всего этого бо́льшая часть армянских исторических памятников находится за пределами РА.

На протяжении XX века соседние с Арменией страны проявили различные подходы к вопросу о сохранении армянских исторических памятников. За исключением Исламской Республики Иран, во всех аспектах оказывавшей образцовое бережное отношение к армянскому культурному наследию, на территориях остальных трех соседних государств армянские исторические памятники не только не охранялись, но планомерно и преднамеренно уничтожались.

В 1918 году в результате активного участия, попечительства и дипломатической победы, «крестного отца» — Турции, была создана Азербайджанская Республика¹, состоявшая наполовину из части исторической Армении, наполовину — из исторического Алуанка (Кавказской Албании), пронизанного армянской культурой. В ее состав вошли армянские исторические районы Арцаха, Утика, Нахичеванского края, а также районы Кашатаг, Кашуник и Ковсакан провинции Сюник² (вследствие отделения от Армении). Фактически, в начале 1920-х гг. в результате совпадения кемало-большевистских политических взглядов была образована Азербайджанская Республика уже с точно определенными границами (в отличие от созданного в 1918 г. мусаватистского Азербайджана, многие провинции которого имели спорные с Арменией границы). Власти этой новоявленной республики с первых же лет проявили если не враждебное, то, как минимум, предвзятое отношение к армянским историческим памятникам.

Вследствие того, что обширные исконно армянские исторические территории оказались в составе Азербайджана, культурное наследие в этой стране представляет собой две разные среды.

Первая — это бесчисленное множество памятников материальной культуры, созданных за тысячелетия коренным населением края, в том числе некоторыми албанскими (агванскими) племенами³, являвшимися носителями армянской цивилизации. Вторая — это памятники, несравненно более малочисленные и ограниченные по разновидности (главным образом: ханские дворцы (в осн. относ. к XVII-XVIII вв.), мечети и погребальные памятники — гробницы, надгробные камни), унаследованные от проникших в край различных тюркских (в том числе туркменских племен Ак-Коюнлу («Белые Бараны») и Кара-Коюнлу («Черные Бараны»)) и курд-

¹ До 1935 г. именем новоиспеченного государства Азербайджан (по дальновидным политическим соображениям название было взято от названия «Атрпatakан» — провинции соседнего Ирана) «азербайджанцами» назывались представители всех народностей республики. Однако, в дальнейшем азербайджанцами стало называться лишь тюркоязычное (татарское) население.

² Последние три провинции были освобождены во время Арцахской освободительной войны (1992-1993 гг.), а Шаумянский район НКР и весь Северный Арцах (ныне — Гетабекский, Дашкесанский, Тоузский, Ханларский, Казахский, Шамхорский и Касум-Исмаиловский районы), а также Нахичеванский край все еще остаются оккупированными Азербайджаном.

³ Единственным исключением являются удины, которые с 1991 г. и по сей день ценой проживания на своей родине были обречены на отрицание национальной принадлежности и предательство 1700-летней истории (об этом свидетельствуют уничтожение армянских надписей церквей села Ниж (населенного удинами), изменение окончаний армянских фамилий и т. д.).

ских племен⁴, персидских владык, части насильственно обращенного в магометанство коренно-го населения и кавказских татар.

Отношение азербайджанских властей к проблеме изучения и охраны вышеперечисленных памятников с самого начала было подчеркнуто предвзятое.

В то время как в 1920-1940-ых гг. весь Советский Союз был пронизан антирелигиозной (атеистической) идеологией, в Азербайджане не только не было снесено ни одной мечети, но и были построены новые, а в противовес этому десятки средневековых монастырей и церквей были разрушены и полностью уничтожены.

В 1950-1960-ых гг., когда советское правительство уже отказалось от слепой антирелигиозной борьбы против культовых памятников, в Азербайджане при государственном покровительстве продолжалось массовое уничтожение армянских средневековых христианских памятников (монастырей, церквей, часовен и кладбищ с хачкарами (хачкар — крест-камень)).

Государственная политика по уничтожению оказавшихся на территории Азербайджана армянских памятников, по сути, не только не уменьшилась, но и не смягчилась после 1960-ых гг., когда азербайджанские историки и архитекторы, выполнившие государственный заказ, неожиданно и единогласно объявили «албанскими» все армянские памятники, построенные до XX в. (за основу было принято существование на левобережье реки Куре некоторых албанских племен, которые с IV в. были adeptами Армянской Апостольской Церкви, но уже после X в. покинули историческую сцену и более не упоминались в каких-либо первоисточниках).

Следует отметить, что процесс широкомасштабного уничтожения армянских памятников, объявленных «албанскими», расположенных на правом берегу реки Куре и в Нахичевани, принял беспрецедентный размах сразу после провозглашения Азербайджаном независимости (1991 г.) и, согласно имеющимся данным, продолжается с той же силой по сей день.

Что касается исторических памятников, поврежденных во время Арцахской освободительной войны, то были разрушены не только те, которые оказались на короткое время (1991-1992 гг.) под контролем азербайджанских войск, но и памятники, расположенные очень далеко от театра военных действий.

После установления режима прекращения огня в мае 1994 г. и поныне, армянские памятники в целом, а религиозные и погребальные — в частности, в Азербайджане продолжают уничтожаться уже на высшем государственном уровне, при непосредственном участии в этом бесславном деле даже вооруженных сил этой страны.

Представляя суть продолжительной политики отрицания, проводимой азербайджанскими властями по отношению к армянским историческим памятникам, нетрудно заметить, что про-исходящее тождественно вандальным событиям в Западной Армении — начиная с 1915 г. по сей день, на Северном Кипре — с 1974 г. по сей день, в Афганистане (Бамиан) — в 1996-2001 гг., в Косово — с 2008 г. по сей день (Петрик, Сува-Река, Подуево, Муштиште), в Сирии — с 2012 г. по сей день (Рагга, Пальмира, Дайр-эз-Зор), в Ираке — с 2014 г. по сей день (Мосул, Нимруд, Хатра). Очевидно также, что подходы и действия тюркских государств, созданных на исторических землях других народов, по отношению к достоянию всемирной цивилизации одинаковы и по своей сути исходят из целеустремленного желания окончательного избавления от материального наследия культуры местных народов, являющегося доказательством исторической действительности.

⁴ Эти племена проникли в край со времен арабских нашествий, но преимущественно — в позднем средневековье.

PREFACE

The Armenian Highland, inhabited by Armenians since time immemorial and home to the kingdoms of Metz Hayk (Armenia Maior) and Pokr Hayk (Armenia Minor), abounds in a wide variety of centuries-old historical monuments created by its natives.

The present-day Republic of Armenia covers over 10 %—about 14 % together with the Republic of Artsakh (Nagorno Karabakh)—of the vast territory of the Armenian Highland or Historical Armenia, the rest of which is divided among the adjacent countries: Turkey, Azerbaijan (including the Autonomous Republic of Nakhijevan), Georgia and Iran. Due to this, a greater part of historical Armenian heritage is situated outside the borders of the present-day Republic of Armenia.

Throughout the 20th century, the historical Armenian heritage within the borders of Turkey, Azerbaijan and Georgia was doomed to neglect and destruction; moreover, the authorities of these countries implemented a state policy of pre-meditated annihilation against Armenian monuments, which continued into the 21st century. The only exception has been the Islamic Republic of Iran, which has always treated the Armenian monuments within its territory with care and proper attention, ensuring their protection and even restoration.

The year 1918 marked the foundation of the Republic of Azerbaijan¹—a diplomatic victory won by its “godfather” Turkey, which had actively contributed to its emergence into the political arena. In the very first years of its establishment, this state annexed vast Armenian lands—this being in the vital political interests of both the Turkish authorities and the Russian Bolsheviks—including the historical Armenian provinces of Artsakh and Utik, the region of Nakhijevan, as well as Kashatagh, Kashunik and Kovsakan Districts of Syunik Province.² Besides, half of its territory comprised the ancient land of Caucasian Albania Proper or *Boon Aghvank* stretching on the left bank of the river Kur and boasting an abundance of Armenian monuments. In the early 1920s the Republic of Soviet Azerbaijan was founded, its borders with Armenia, disputed in the Musavatists’ times, now finally and precisely established.

The cultural heritage in the historical Armenian lands annexed by Azerbaijan may be classified in two groups: a) a countless number of ancient monuments of material culture created by the natives of the region, including certain Caucasian Albanian tribes³ living on the left bank of the river Kur and known as carriers of Armenian civilization; b) monuments built by the members of various Turkic and Kurdish tribes,⁴ as well as by some Persian lords and part of the natives of the region who were forcedly converted to Islam. The monuments of this second group, which show but meagre variety (khans’ palaces, mosques, mausoleums and tombstones), are incomparably smaller in number and date from the 17th to 18th centuries.

From the very first years of their coming to power, the authorities of Azerbaijan showed a discriminatory attitude towards the study and protection of the monuments of these two groups: thus, between the 1920s and 1940s, when the entire USSR was pervaded with atheistic ideology, no mosques were pulled down in the country and even new ones were built. In contrast to this, tens of medieval Armenian churches and monasteries were destroyed without any vestiges left.

During the 1950s to 1960s, when the Soviet authorities had already terminated their blind struggle against religious monuments, the mass destruction of Christian Armenian monuments (churches, chapels, monasteries and cemeteries of cross-stones) of the Middle Ages still went on in Azerbaijan under state auspices.

¹ Until 1935, all the peoples living in Azerbaijan were called *Azerbaijanians* after the newly-founded republic, which had taken the name of the historical Iranian province of Azerbaijan—as a self-designation—out of far-reaching political considerations. Later the word *Azerbaijanian* started being used only with reference to the Turkic-speaking inhabitants of the republic who were of Tatar origin.

² These districts, as well as some others forming part of Historical Artsakh, were liberated between 1992 and 1993, during the war of Artsakh (Nagorno Karabakh). The rest of the historical Armenian lands mentioned above, including the district of Shahumian (Republic of Artsakh) and the region of Northern Artsakh (present-day Dashkesan, Touz, Khanlar, Shamkhor, Getabek, Ghazakh and Kasum-Ismayilov Districts of Azerbaijan), still remain under Azerbaijan’s occupation.

³ Adherents of the Armenian Apostolic Church from the 4th century onwards, these tribes disappeared from the historical arena after the 10th century, the subsequent sources containing no references to them. The only exception are the Uti who continued living in their homeland after Azerbaijan declared independence (1991), although at the cost of renouncing their ethnic identity and history of 1,700 years (some of them were obliged to move away to find new places of residence): the annihilation of the Armenian inscriptions of the churches in the Uti-inhabited village of Nizh and the changing of the Armenian ending of their family names are just two of the numerous examples proving this.

⁴ These tribes, including the Turkoman Ak Koyunlu and Kara Koyunlu, penetrated into the region in the times of the Arab invasions, their raids becoming more frequent in the Late Middle Ages.

The implementation of the state policy of annihilation against the Armenian monuments in Azerbaijan neither ceased nor abated after the 1960s, when all of a sudden, all the Armenian monuments built prior to the 20th century—including those located in Nakhijevan and on the right bank of the river Kur—were labelled as Albanian by certain Azerbaijani historians and architects (indeed, they were thus obeying an order received from the authorities of the country). Their allegation was based on the fact that the lands on the left bank of the river Kur were once inhabited by the aforementioned Albanian tribes.

After Azerbaijan declared independence (1991), the cultural genocide against the Armenian monuments located in Nakhijevan and on the right bank of the river Kur continued on a larger scale, and as attested by the available evidence, still goes on nowadays.

During the liberation war of Artsakh (Nagorno Karabakh), a great number of historical Armenian monuments were destroyed, burnt away and exploded even where they remained under Azerbaijani occupation for only a very short period of time (1991 to 1992). It is noteworthy that even monuments situated very far from the zone of military operations suffered damage and destruction.

The annihilation of the monuments (particularly, religious and funerary ones) located in the historical Armenian lands still occupied by Azerbaijan did not cease even after the armistice of May 1994, the armed forces of the country being directly involved in these barbaric actions.

It is evident that the cultural genocide against the historical Armenian monuments in Azerbaijan represents just another example of the implementation of the same policy in Western Armenia since 1915, in Northern Cyprus since 1974, in Afghanistan (Bamyan) in 1996 to 2001, in Kosovo (Petrik, Suva Reka, Puduyevo, Mushtishtë) since 2008, in Syria (Raqqa, Palmyra, Deir ez-Zor) since 2012, and in Iraq (Mosul, Nimrud, Hatra) since 2014. All this shows that the authorities of the Turkic states established in the homelands of other peoples do not differ at all in their approaches to, and actions against, the heritage of world civilization. They aim at getting rid of the cultural legacy of the native peoples as it exposes the historical truth.

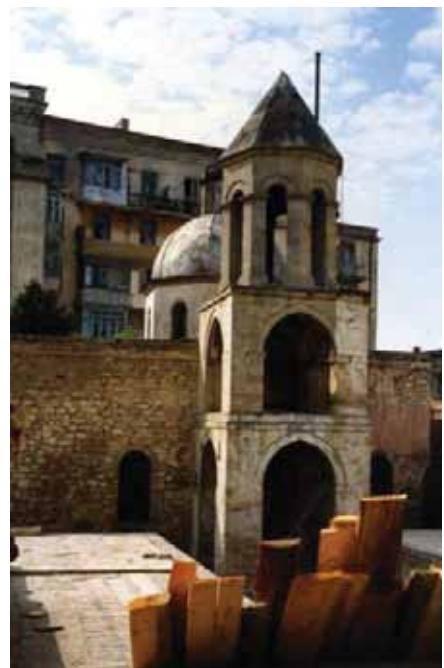
ԵՐԶԱՆԻԿ ԵՆ,
ՍԱԿԱՅՆ ԴԱ ԶԵՆ ԳԻՏԱԿՑՈՒ
ԱԾԽԱՐՅԻՍ ԲՈԼՈՐ ԱՅՆ ԱԶԳԵՐԸ,
ՈՐՈՆՔ ՉՈՒՆԵՆ ՔԱՂԱՔԿՐԹՈՒԹՅՈՒՆՆԵՐ
ԿՈՐԾԱՌՈՂ ՀԱՐԵՎԱՆՆԵՐ

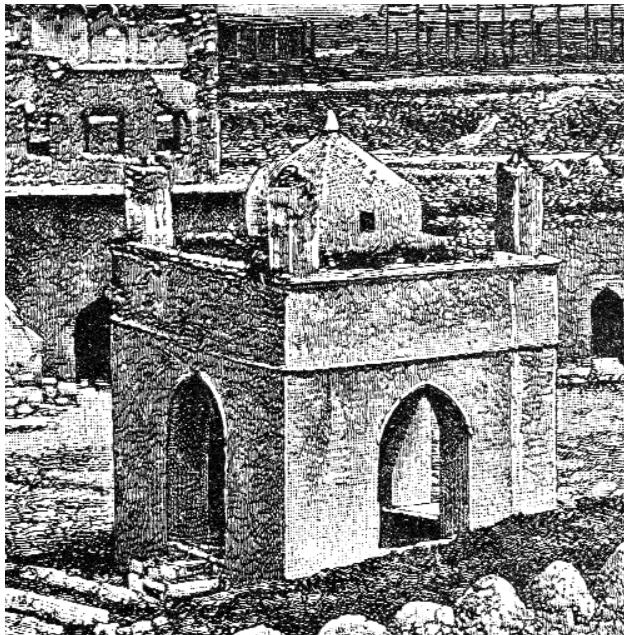
СЧАСТЛИВЫ,
ТОГО НЕ СОЗНАВАЯ,
ВСЕ ТЕ НАЦИИ,
У КОТОРЫХ НЕТ СОСЕДЕЙ,
УНИЧТОЖАЮЩИХ ЦИВИЛИЗАЦИИ

FORTUNATE,
THOUGH UNAWARE OF IT,
ARE THOSE NATIONS
WHOSE NEIGHBOURS
DO NOT DESTROY CIVILIZATIONS







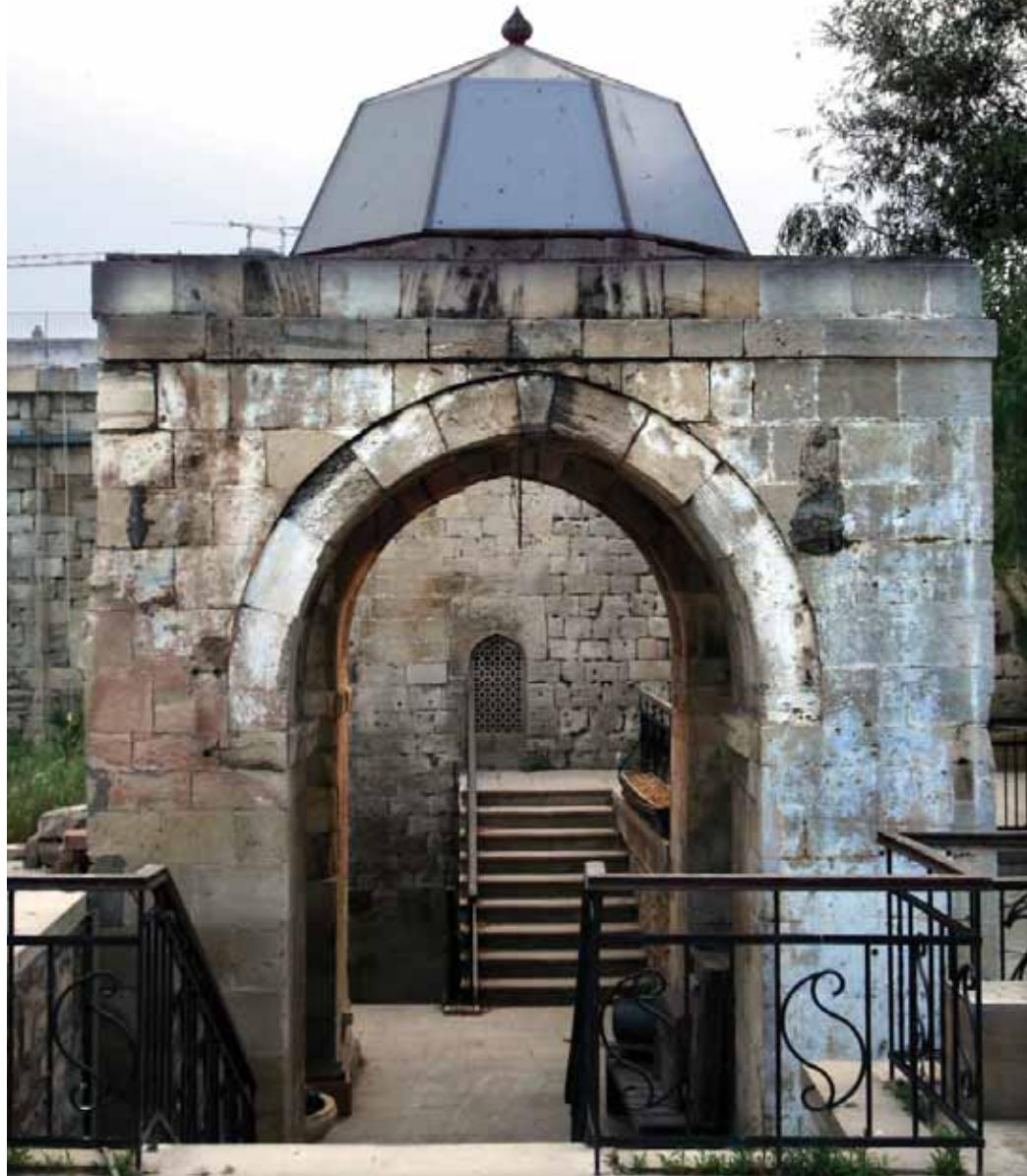


ԲԱՐԵՎԱՆԴԻՐ. Սր. Աստվածածին եկեղեցին, արևմուտքից կից եկեղեցապատկան իջևանատունը (ԺՄ դար) և եռահարկ զանգակատունը (ԺԹ դար) հյուսիս-արևելքից, արևելքից և հյուսիսից (լուս.՝ Հ. Բադալյանի, 1980-ական թթ.)

ГОРОД БАКУ. Вид церкви Сурб Аствацацин (Пресв. Богородицы) и прилегающего к ней с запада караван-сарайя (XVIII в.); вид трехэтажной колокольни (XIX в.) с северо-востока, востока и севера (фот. — О. Бадаляна, 1980-ые гг.)

1990-ական թթ. վերջերին Բաքվի քաղաքային իշխանությունների որոշմամբ Սր. Աստվածածին եկեղեցին հիմնահատակ, իսկ զանգակատան միայն վերին երկու հարկերը քանդելուց հետո նոր խնայված առաջին հարկից վերաձևվեց մի նոր կառույց Ապշերոնյան թերակղզում՝ Սուրախանի բնակավայրից 3,3 կմ հյուսիս գտնվող կրակապաշտական տաճարի նմանողությամբ:

В конце 1990-х гг. решением городских властей Баку были основательно разрушены церковь Сурб Аствацацин и два верхних этажа колокольни, после чего сохранившийся первый этаж был преобразован в новый огнепоклоннический храм на подобие другого храма, расположенного на Апшеронском полуострове на расстоянии 3,3 км от населенного пункта Сураханы.



BAKU CITY. Sourb Astvatzatzin (Holy Virgin) Church, its caravanserai (both dating from the 18th century) adjoining it from the west and its three-floor belfry (19th century) from the northeast, east and north (photos by H. Badalian, 1980s)

In the late 1990s, on the decision of the municipal authorities of Baku, the church was totally annihilated together with the second and third floors of its belfry. The latter's first floor was spared only to be "cut out" into a fire temple after one located on Absheeron Peninsula, 3.3 km north of the settlement of Surakhan.



ԲԱԿՈՒ ՔԱՂՎԱ. հարավ-արևելքից դեպի հյուսիս-արևմուտք ուղղվածությամբ, նոտավորապես $1,4 \times 0,6$ կմ չափերով և շուրջ 60 հա մակերեսու զբաղեցնող հայ-ռուսական (քրիստոնյաների) գերեզմանոցը գտնվում էր քաղաքի գրեթե կենտրոնում և պարունակում ժմերին վերաբերող տասնյակ հազարավոր գերեզմանական հուշարձաններ: Այն, սկսած 2004 թ.-ից և մինչև 2016 թ., փուլ առ փուլ շարունակաբար ոչնչացվել է: Այդ են փաստում ԽՄՀՍ գլխավոր գինվորական շտաբի՝ 1976 թ. հրատարակած քարտեզն ու Google Earth-ի՝ տիեզերքից կատարված 31.05.2006, 20.02.2007, 27.04.2008, 6.04.2010, 9.10.2013 և 6.04.2016 թթ. լուսանկարները:

ГОРОД БАКУ. Армяно-русское (христианское) кладбище по направлению с юго-востока на северо-запад, размерами около $1,4 \times 0,6$ км и занимавшее территорию около 60 га, было расположено почти в центре города. Здесь находились десятки тысяч могильных памятников, относившихся к XIX-XX вв. С 2004 г. до 2016 г., кладбище поэтапно подвергалось уничтожению. Об этом свидетельствуют карта, изданная Генштабом ВС СССР в 1976 г., и фотографии Google Earth, сделанные из космоса 31.05.2006, 20.02.2007, 27.04.2008, 6.04.2010, 9.10.2013 и 6.04.2016 гг.

BAKU CITY. An Armeno-Russian (Christian) cemetery, located almost in the heart of the city and extending from the south-east to the north-west, preserved tens of thousands of funerary memorials dating from the 19th to the 20th centuries. The cemetery, occupying an area of around 60 hectares (dimensions: 1.4×0.6 km), was gradually levelled to the ground between 2004 and 2016: this becomes evident from the comparison of the 1976 map of the USSR General Military Headquarters and Google Earth photos dated 31 May 2006, 20 February 2007, 27 April 2008, 6 April 2010, 9 October 2013 and on 6 April 2016.





ԲԱԿՈՒ ՔԱՂՎԱՐ. հատվածներ գերեզմանոցից (լուս.՝ 1986 թ.)
Վերևի լուսանկարում ԽՍՀՄ հնգակի (1950-1954 թթ.) և
աշխարհի (1953 թ.) չեմպիոն, օլիմպիական խաղերի
մրցանակակիր (1952 թ.) ըմբիշ Արտեմ Տերյանի հու-
շարձանն է (լուսանկարներ՝ 1986 թ.):
Գերեզմանոցը ոչնչացնան պահին (լուս.՝ սեպտեմբեր,
2007 թ., www.nr2.ru/incidents/139859.html)

ГОРОД БАКУ. Фрагменты кладбища (фот. 1986 г.)
На верхнем снимке — памятник борца Артема Теряна —
пятикратного чемпиона СССР (1950-1954 гг.),
чемпиона мира (1953 г.), призера олимпийских игр
(1952 г.) (фот. — 1986 г.)
Кладбище во время уничтожения (фот. — сентябрь,
2007 г., www.nr2.ru/incidents/139859.html)

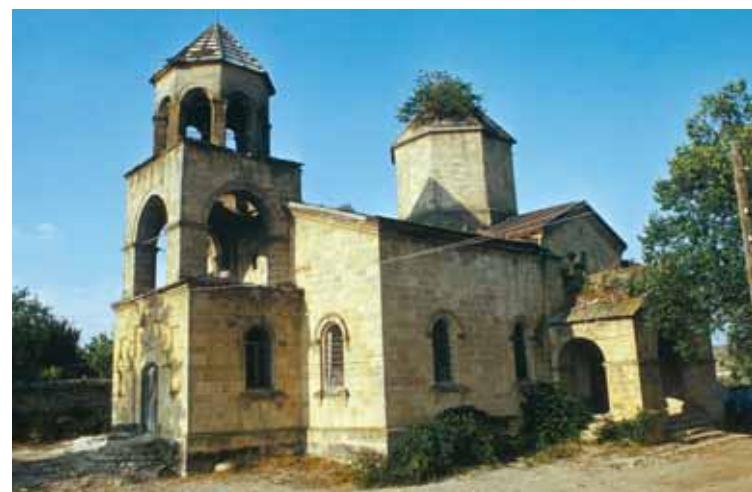
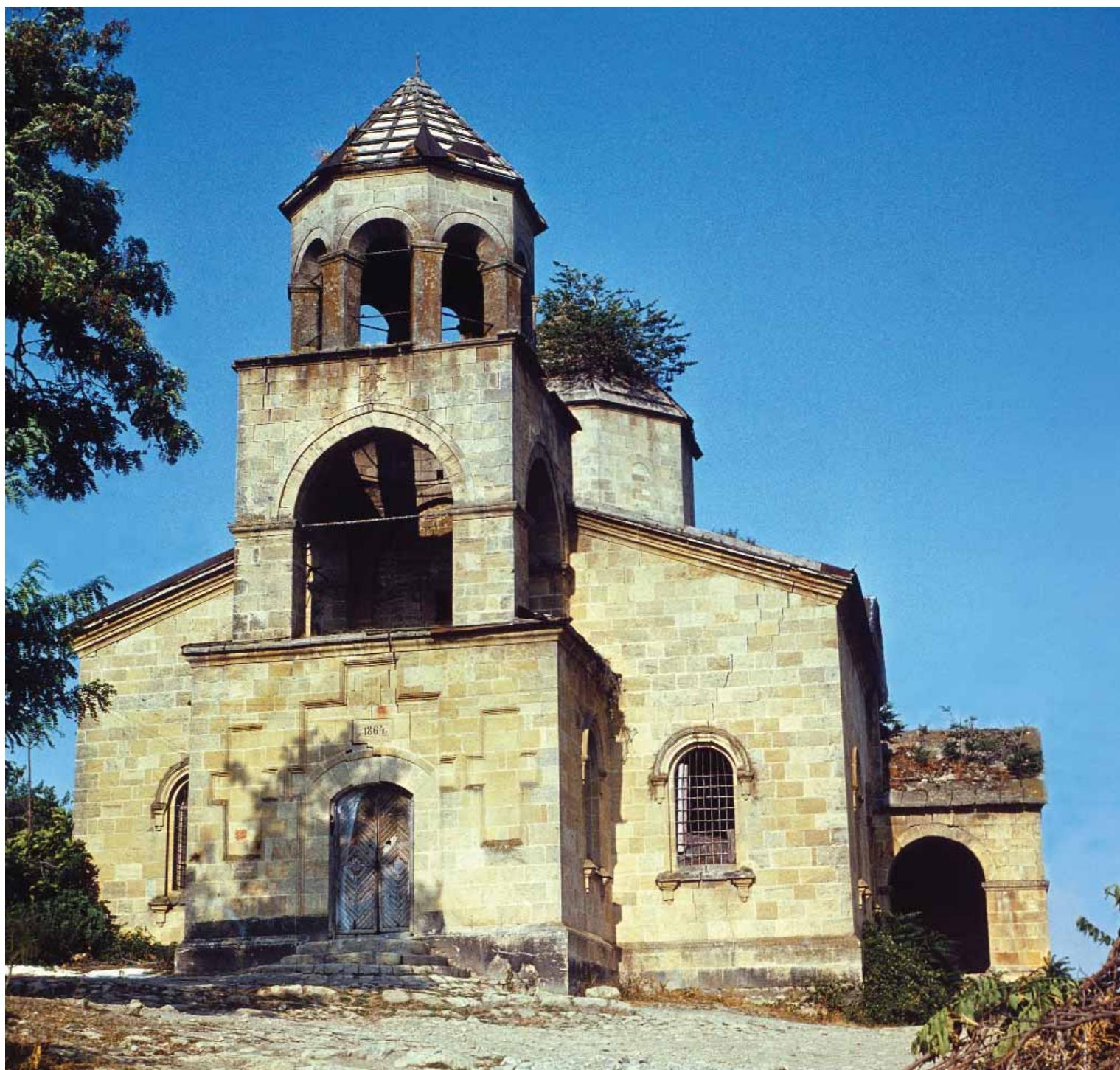
BAKU CITY. Partial views of the cemetery of the city
(photos 1986)

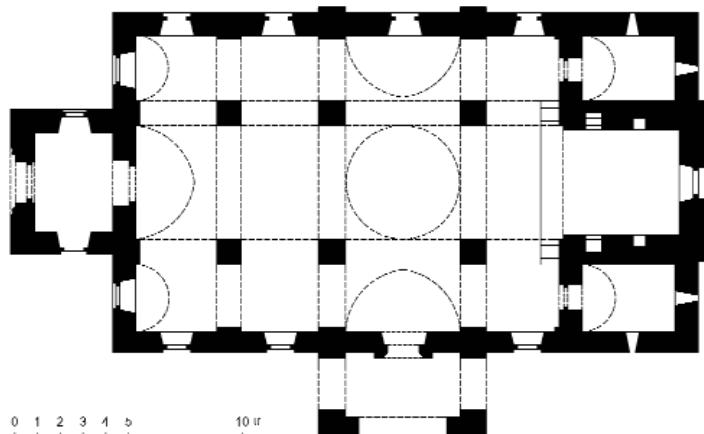
The photo above (on the right) shows the memorial of Artem Terian, a five times wrestling champion of the USSR from 1950 until 1954, a world champion in 1953 and a prize winner of the 1952 Olympic Games.

The cemetery in process of destruction (photos September 2007, from: www.nr2.ru/incidents/139859.html)



040°24'38.99"E, 49°51'29.26"N





ՄԱՏՐԱՍԱ ԳՅՈՒՂ (Շամախու շըռ-ջան). Արք. Աստվածածին Եկեղեցին (1864 թ.) արևմուտքից, հյուսիսի-արևմուտքից, հարավ-արևմուտքից և հատակագիծը (լուս. և չափ.՝ Ս. Կարապետյանի, 1984 թ.)

Կիսավեր զանգակատնով Եկեղեցին հարավ-արևմուտքից, ներքին տեսքը դեպի հյուսիս (լուս.՝ Թ. Միրալյահի, 2013 թ.)

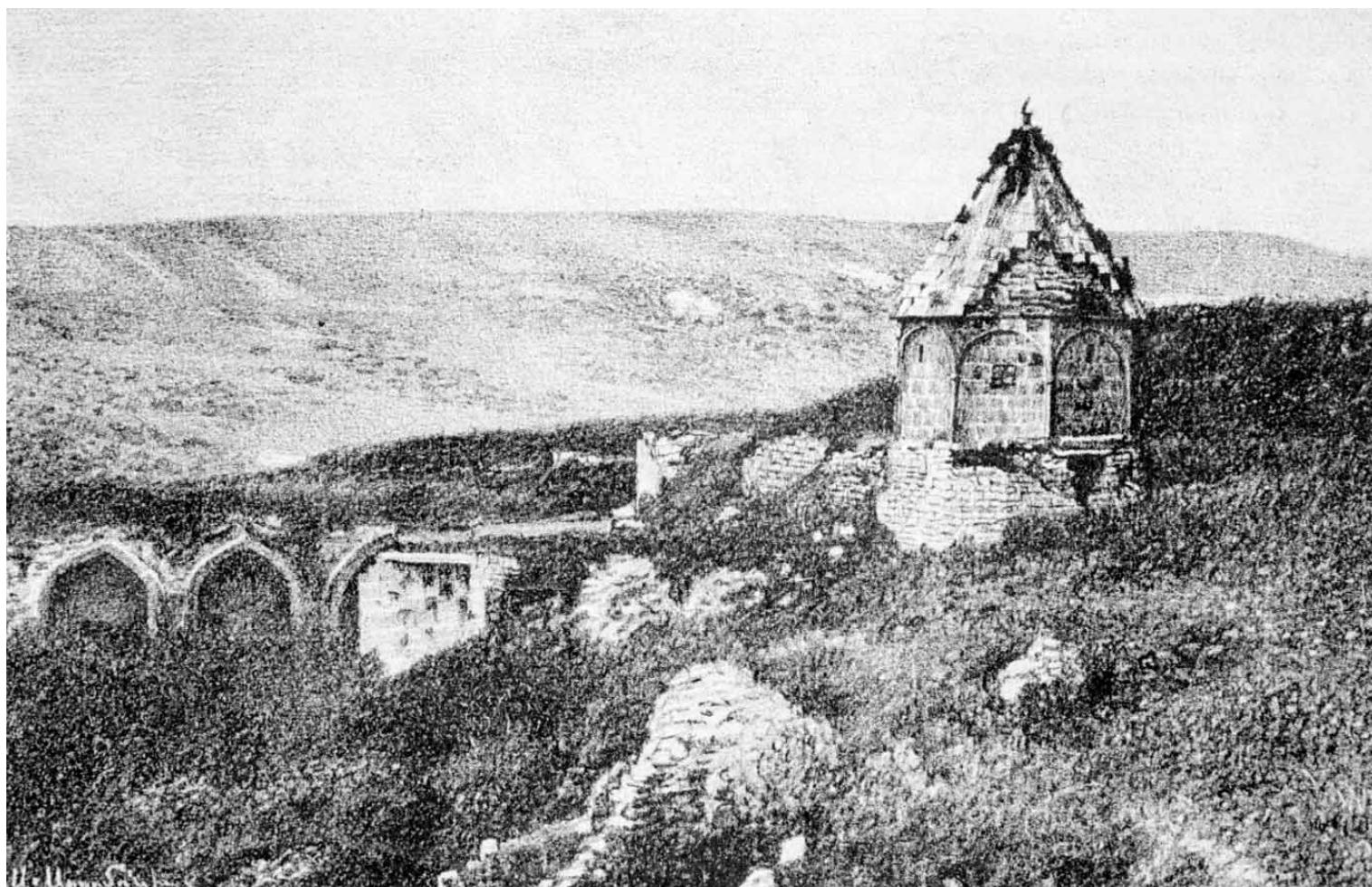
040°36'38.48"E, 48°33'42.15"N

СЕЛО МАТРАСА (Шамахинский район). Вид церкви Сурб Аствацацин (Пресв. Богородицы, 1864 г.) с запада, северо-запада, юго-запада и план церкви (фот. и обмер — С. Карапетяна, 1984 г.)

Вид церкви с полуразрушенной колокольней с юго-запада, внутренний вид на север (фот. — Т. Миралы, 2013 г.)

MATRASA VILLAGE, Shamakhi District. Sourb Astvatzatzin (Holy Virgin) Church (1864) from the west, north-west and south-west; its plan (photos & measurement by S. Karapetian, 1984)

The church with its belfry as already half destroyed (a view from the south-west); its interior to the north (photos by T. Mirala, 2013)



ՄԵՅՍԱՐԻ ԳՅՈՒՂ (այժմ՝ Աղաբեյլի, Շամախու շրջան). Արք. Աստվածածին վանքը, 1680 թ. (լուս.՝ ԺԹ դարի վերջ, արտատպած 1891 թ. «Տարազ» հանդեսից)

Վանքի մնացորդները 1978 թ. պայթեցումից հետո (լուս.՝ Ս. Կարապետյանի, 1984 թ.)

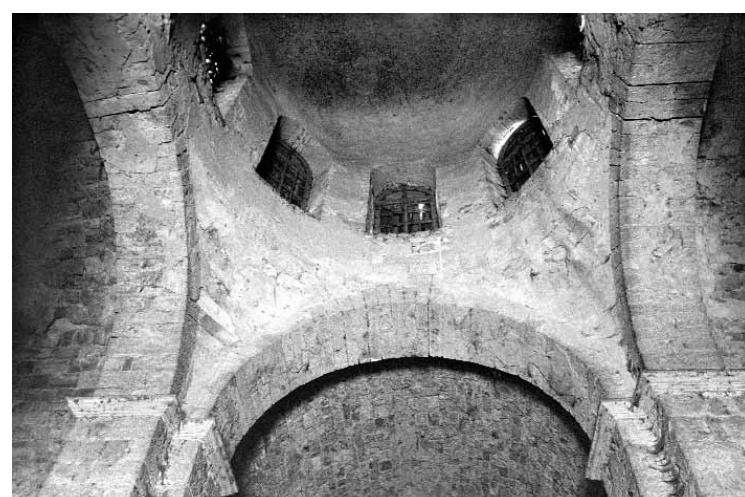
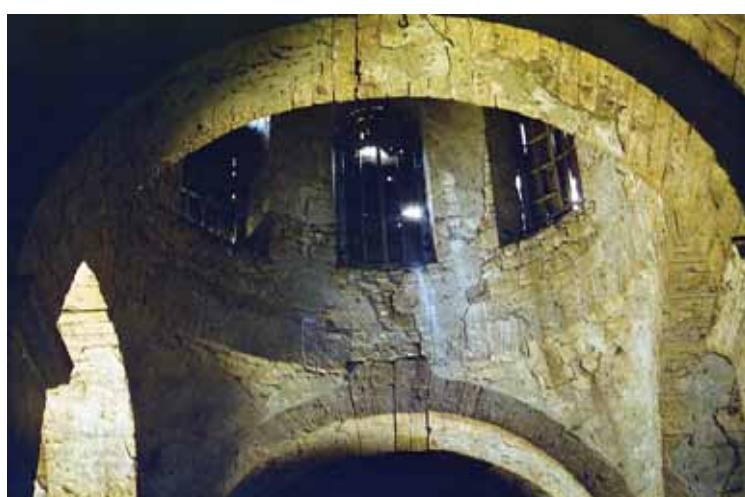
СЕЛО МЕЙСАРИ (ныне — Агабейли, Шамахинский район). Вид монастыря Сурб Аствацацин (Пресв. Богородицы), 1680 г. (фот. конца XIX в., перепечатано из журнала «Тараз» 1891 г.)

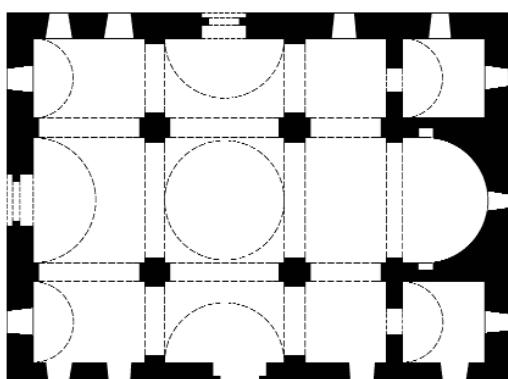
Остатки монастыря после подрыва в 1978 г. (фот.—С. Карапетяна, 1984 г.)

MEYSARI (now: Aghabeyli) VILLAGE, Shamakhi District. Sourb Astvatzatzin (Holy Virgin) Monastery (1680) as of the late 19th century (a reprint from the journal Taraz, 1891)

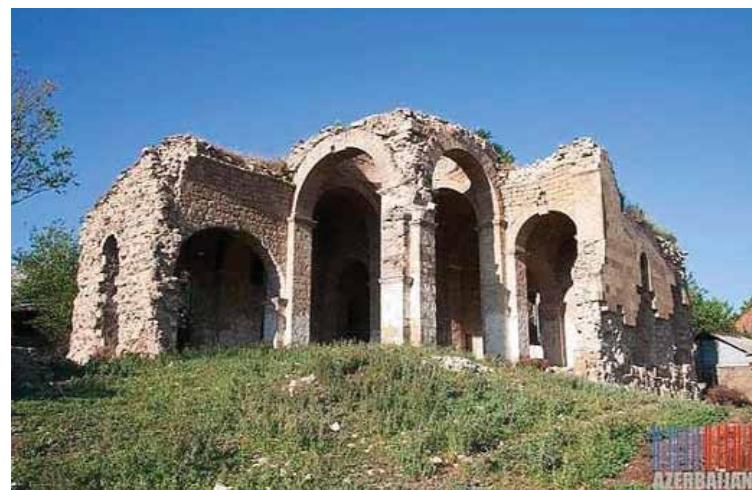
The remnants of the monastery after its explosion in 1978 (photo by S. Karapetian, 1984)







0 1 2 3 4 5
10 м
Lentz



AZERBAIJAN

ՂԱԼԱԿԱ ԳՅՈՒՂ (Իսմայիլիի շրջան).
Սբ. Աստվածածին եկեղեցին (1902-1907 թթ.) գյուղի համայնապատկերով, հարավ-արևմուտքից, հարավ-արևելքից, հատվածները թմբուկի ներքին ծավալներից և հատակագիծը (լուս. և չափ.՝ Ս. Կարապետյանի, 1984 թ.).

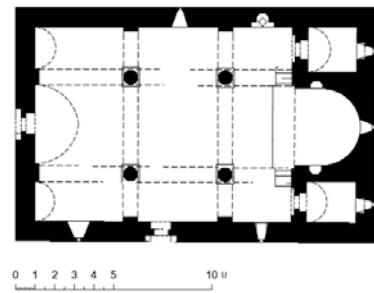
Ղալակայի համայնապատկերը և եկեղեցին 1990-ական թթ. վերջերին պայթեցնելուց հետո (լուս.՝ 2003 թ.)

СЕЛО ГАЛАГАХ (Галака, Исмаиллинский район). Вид церкви Сурб Аствацацин (Пресв. Богородицы) (1902-1907 гг.) и панорама села с юго-запада и юго-востока; фрагменты внутреннего объема барабана и план церкви (фот. — С. Карапетяна, 1984 г.)

Панорама села и вид церкви после подрыва в конце 1990-х гг. (фот. 2003 г.)

GHALAKA VILLAGE, Ismayilli District.
Sourb Astvatzatzin (Holy Virgin) Church (1902 to 1907) with a general view of the village; the church from the south-west and south-east; inner views of the tambour; the church plan (photos and measurement by S. Karapetian, 1984)

A general view of the village with the church that was exploded in the late 1990s (photos 2003)



ՆԻԺ ԳՅՈՒՂԻ (ԿՈՒՏԿԱՇԵՆԻ, այժմ՝ Գյաբալայի շրջան). Միջին թաղի Սբ. Եղիշե եկեղեցին հարավ-արևմուտքից և հարավային ճակատից բացված մուտքի բարավորի՝ 1840-ական թթ. Աստվածատուր Զոդանյանց քահանայի ջանքերով իրականացված հիմնովին վերակառուցման մասին պատմող գույգ արձանագրությունները (լուս.՝ Ր. Սանասարյանի, 1985 թ.), որոնք քերվել-անհետացվել են 2000-ական թթ. սկզբներին կատարված նորոգության ժամանակ (չափ.՝ Ս. Կարապետյանի, 1985 թ.):



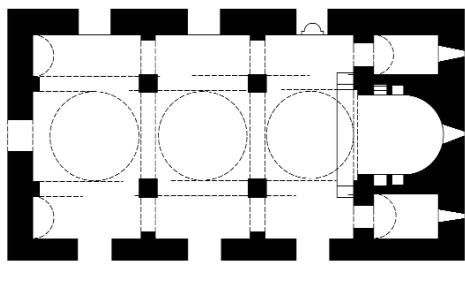
СЕЛО НИЖ (Куткашенский, ныне — Габалинский район). Вид церкви Сурб Егише (Св. Елисея) среднего квартала с юго-запада и две надписи, высеченные на тимпане входа, открытого с южного фасада, рассказывающие об основательной реконструкции церкви, осуществленной усилиями священника Аствацатура Джоданянца в 1840-х гг. (фот. — А. Санасаряна, 1985 г.), полностью соколбленные во время восстановительных работ в начале 2000-х гг. (обмер — С. Карапетяна, 1985 г.)

NIZH VILLAGE, Kutkashen (now: Gyabala) District. St. Yeghishe (Elisha) Church of the Middle (Mijin) Quarter from the south-west; two inscriptions carved on its southern entrance tympanum in commemoration of its complete reconstruction carried out in the 1840s through Priest Astvatzatur Jodaniants' efforts (photos by H. Sanasarian, 1985); the church plan (measurement by S. Karapetian, 1985)

The church as stripped of these inscriptions which were scraped away during its repairs carried out in the early 2000s







0 1 2 3 4 5 10 м

ՎԱՐԴԱՇԵՆ ՔԱՂԱՔ (Վարդաշենի, այժմ՝ Օղուզի շրջան, Օղուզ քաղաք). Ար. Աստվածածին Եկեղեցին (1838 թ.) արևմուտքից, նույն ճակատին ազուցված շինարարական արձանագրությունը, կառուցողի տապանաքարը և հատակագիծը (լուս. և չափ. Ս. Կարապետյանի, 1986 թ.)

ГОРОД ВАРДАШЕН (Варташенский, ныне — Огузский район, город Огуз). Вид церкви Сурб Аствацацин (Пресв. Богородицы) (1838 г.) с запада, строительная надпись на фасаде, надгробный камень строителя и план церкви (фот. и обмер — С. Карапетяна, 1986 г.)

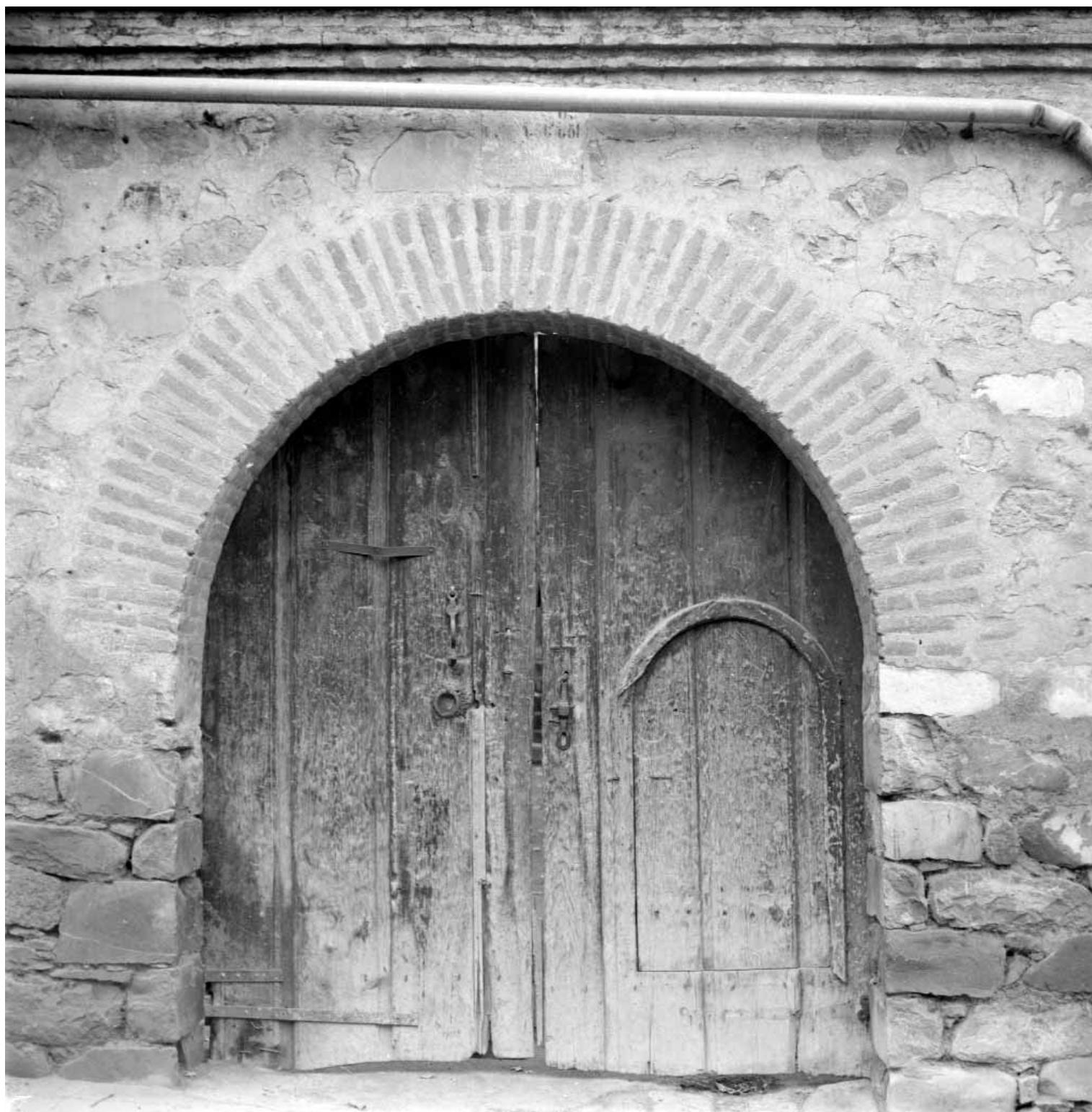
Իբրև աղվանական ներկայացվող Եկեղեցու հայերեն շինարարական արձանագրությունն անհետացվել է նորոգության ընթացքում (լուս. 2000-ական թթ.):

041°04'27.13"E, 47°27'56.57"N

VARDASHEN (now: Oghuz) CITY, Vardashen (now: Oghuz) District. Sourb Astvatzatzin (Holy Virgin) Church (1838) from the west; its construction inscription carved on its western facade; the church builder's tombstone; its plan (photos and measurement by S. Karapetian, 1986)

В процессе восстановительных работ якобы албанской церкви исчезла строительная надпись на армянском языке (фот. 2000-х гг.)

The church (labelled as Albanian) after its repairs during which it was stripped of its construction inscription in Armenian (photo 2000s)



ՇԱՔԻ ՔԱՂԱՔ (Շաքի շրջան). արևելյան կամ Բնիկ շաբեցոց կոչված հայոց թաղում կառուցված Գասպար Աջունցենցու տան դարպասի՝ 1885 թ. շինարարական սվաղված արձանագրությունը, որը քերելով հայտնաբերեցինք 1985 թ. (լուս.՝ Ս. Կարապետյանի):

ԴԱՇԲՈՒԼԱՂ ԳՅՈՒՂ (Շաքի շրջան). մինչև 1918 թ. զուտ հայաբնակ Դաշբուլաղ գյուղի՝ դեռևս գյուղաբնակ ունեցող Ար. Գևորգ Եկեղեցին (1828 թ.) վերածված անասնագոմի (լուս.՝ Ռավիչի, 2010-ական թթ. սկզբներ)

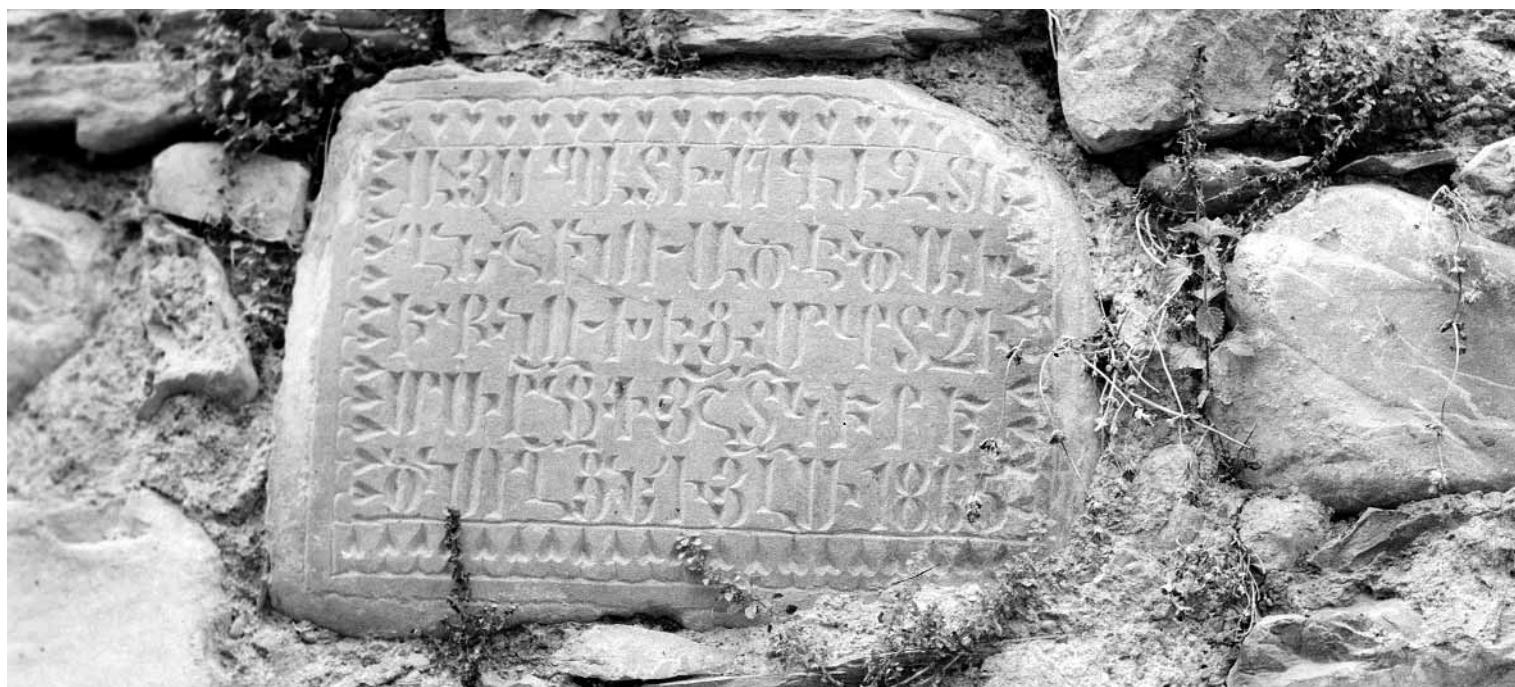
ГОРОД ШАКИ (Шакинский район). Оштукатуренная строительная надпись 1885 г. на воротах дома Гаспара Аджунценца, построенного в армянском восточном квартале, называемом также Бник Шакецоц (кварталом местных шакинцев), обнаруженная после сокобления штукатурки в 1985 г. (фот. — С. Карапетяна).

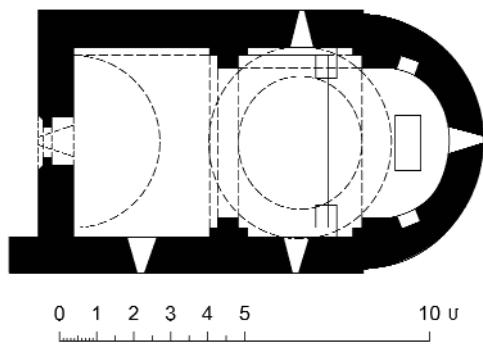
СЕЛО ДАШБУЛАГ (Шакинский район). Превращенная в хлев церковь Сурб Геворг (Св. Георгия, 1828 г.) села Дашибулаг, до 1918 г. населенного лишь армянами (фот. Равича, начало 2010-х гг.)

SHAKI CITY, Shaki District. The construction inscription of Gaspar Ajuntsentsy's house (1885) located in the Armenian (eastern) quarter of the city (also called Quarter of Natives of Shaki): we unclosed it in 1985 after scraping away the plaster covering it (photos by S. Karapetian)

DASHBULAGH VILLAGE, Shaki District. St. Gevorg (George) Church (1828) of the village (purely Armenian-inhabited until 1918) as reduced to a cattle house (photo by Ravich, early 2010s)







ՔԻԾ ԳՅՈՒՆ (Ծաքի շրջան). Ար. Եղիշե Եկեղեցին հյուսիս-արևմուտքից (լուս.՝ Ս. Կարապետյանի, 1986 թ.) և շրջապարսափառ 1986 թ. դրությամբ արդեն ոչնչացված շինարարական (1865 թ.) արձանագրությունը (լուս.՝ Ս. Դարչինյանի, 1976 թ.)

СЕЛО КИШ (ШАКИНСКИЙ район). Вид церкви Сурб Егише (Св. Елисея) с северо-запада (фот. — С. Карапетяна, 1986 г.) и строительная надпись (1865 г.) на ограде, уничтоженная по состоянию на 1986 г. (фот. — С. Дарчиняна, 1976 г.)

KISH VILLAGE, Shaki District. St. Yeghishe (Elisha) Church from the north-west (photo by S. Karapetian, 1986); the construction inscription (1865) of the church enclosure (photo by S. Darchinian, 1976); as of 1986, the inscription was already annihilated

Եկեղեցու հատակագիծը (չափ.՝ Ս. Կարապետյանի, 1986 թ.), իբրև աղվանական ներկայացվող Եկեղեցին 2000-ական թթ. սկզբների նորոգությունից հետո

План (обмер — С. Карапетяна, 1986 г.) и вид церкви, представляемой якобы албанской постройкой, в начале 2000-х гг. — после проведения восстановительных работ

The church plan (measurement by S. Karapetian, 1986); the church (labelled as Albanian) after its overhaul carried out in the early 2000s



ԳԱՆԴԱԿ (այժմ՝ Գյանջա) ՔԱՂԱՔԸ. Սր. Գրիգոր Լուսավորիչ Եկեղեցին հարավ-արևմուտքից (լուս.՝ Ս. Կարապետյանի, 1985 թ.)

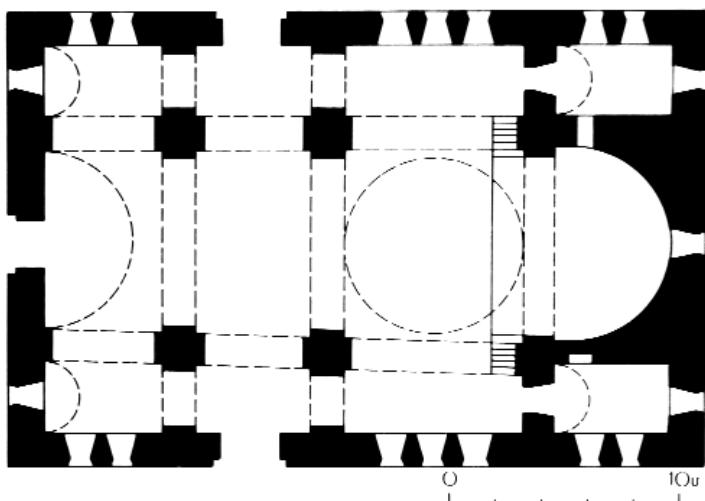
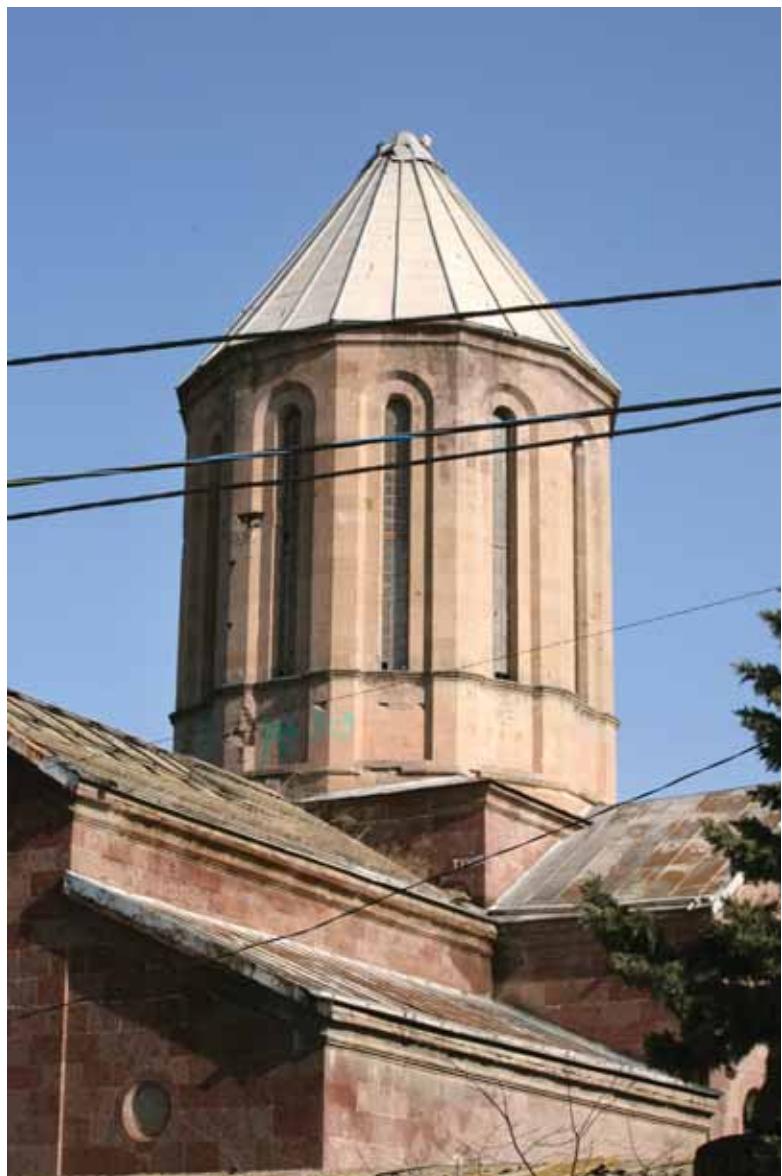
Սր. Գրիգոր Լուսավորիչ Եկեղեցու հարավային ճախամուտքն ավերված, գմբեթի խաչն անհետացրած (լուս.՝ Ֆ. Բերլեմոնի, 2007 թ.) և հատակագիծը (չափ.՝ Ս. Կարապետյանի, 1985 թ.)

ГОРОД ГАНДЗАК (ныне — Гянджа). Вид церкви Сурб Григор Лусаворич (Св. Григория Просветителя) с юго-запада (фот. — С. Карапетяна, 1985 г.)

Разрушенный портик южного входа церкви Сурб Григор Лусаворич; купол без креста (фот. — Ф. Берлемона, 2007 г.) и план церкви (обмер — С. Карапетяна, 1985 г.)

GANDZAK (now: Gyandža) CITY. The church of St. Grigor Lusavorich (Gregory the Enlightener) from the south-west (photo by S. Karapetian, 1985)

The destroyed southern portal of the church; the church dome with the cross that has “disappeared” (photos by F. Berlemon, 2007); the church plan (measurement by S. Karapetian, 1985)



040°39'38.60"E, 46°21'35.09"N





ԳԱՆԶԱԿ (այժմ՝ Գյանջա) ՔԱՂԱՔ.
կամերային երաժշտության
սրահի վերածված Սր. Հովհան-
նես եկեղեցին հարավից և ներ-
քին տեսքը դեպի արևելք, 1633
թ. շինարարական արձանա-
գրությունը 1985 թ. (լուս.՝ Ս.
Կարապետյանի) և միտումնա-
վոր քերպելուց հետո՝ 2007 թ.
(լուս.՝ Ֆ. Բերլեմոնի)

**ГОРОД ГАНДЗАК (ныне —
Гянджа).** Вид церкви Сурб
Ованныес (Св. Иоанна Крестителя),
превращенной в зал камер-
ной музыки, с юга и внутренний
вид на восток; строительная
надпись 1633 г. в 1985 г. (фот.
— С. Карапетяна) и после пред-
умышленного сокрушения — в
2007 г. (фот. — Ф. Берлемона)

GANDZAK (now: Gyanja) CITY. St.
Hovhannes (John) Church (1633),
now turned into a hall of chamber
music, from the south; an east-
ward view of the church interior; its
construction inscription of 1633 in
1985 and 2007, after its deliberate
obliteration (photos by S. Karapet-
ian and F. Berlemon)



ԳԱՆԶԱԿ (այժմ՝ Գյանջա) ՔԱՂԱՔ. Սր. Յովհաննես Եկեղեցու ծառա աստապատցի Թասալի՝ 1643 թ. նվիրատվական արձանագրությունը 1985 թ. (լուս.՝ Ս. Կարապետյանի) և միտունավոր քերպելուց հետո՝ 2007 թ. (լուս.՝ Ֆ. Բերլեմոնդի)

ГОРОД ГАНДЗАК (ныне — Гянджа). Дарственная надпись 1643 г. прислужника церкви Сурб Ованнес (Св. Иоанна Крестителя) — астапатца Тасала — в 1985 г. (фот. — С. Карапетяна) и после предумышленного соксобления в 2007 г. (фот. — Ф. Берлемона)

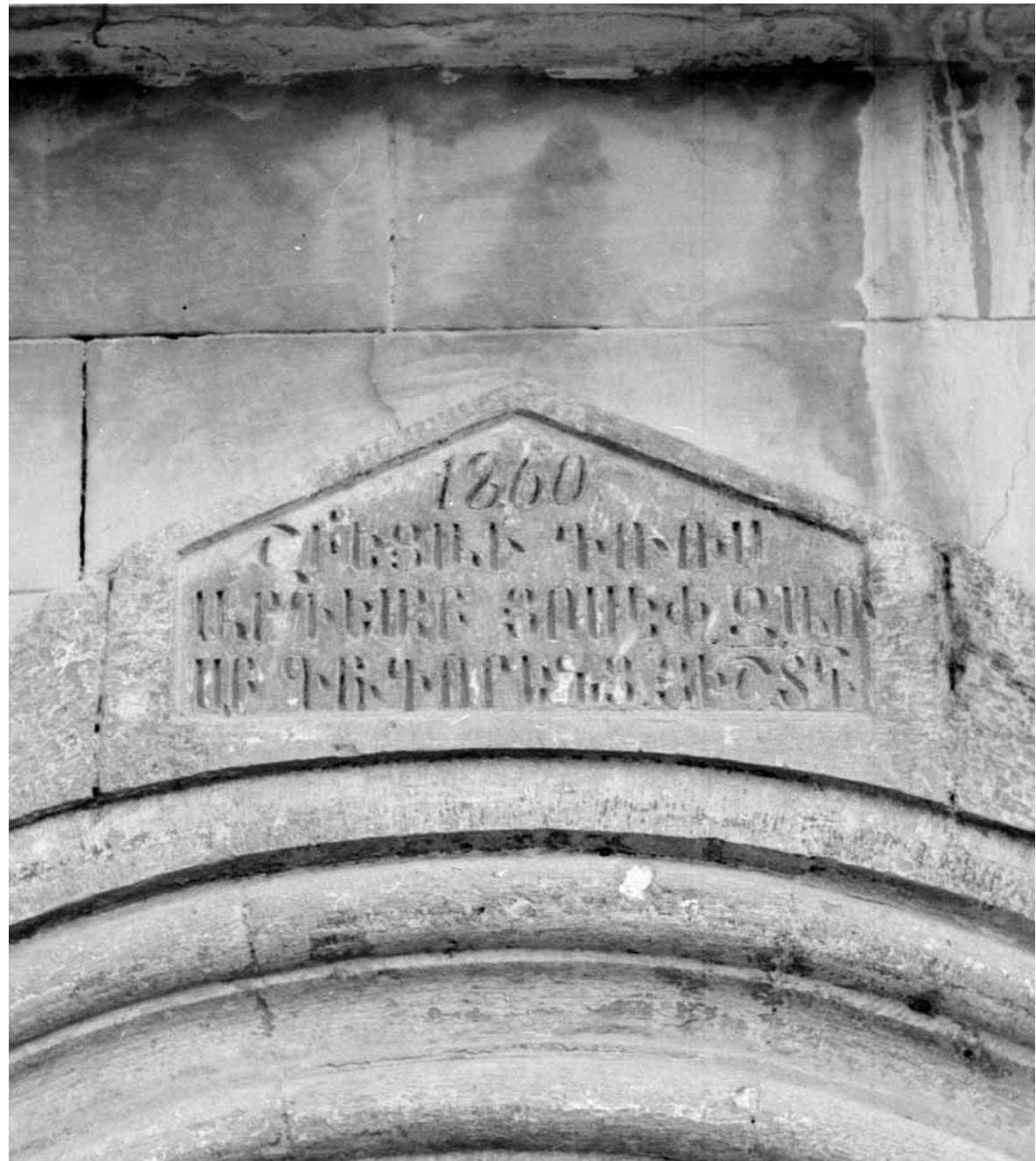
GANDZAK (now: Gyanja) CITY. An inscription of 1643 commemorating a donation made by a servant of St. Hovhannes (John) Church, a certain Tasal from Astapat (photo by S. Karapetian, 1985); the inscription as deliberately scraped away (photo by F. Berlemont, 2007)



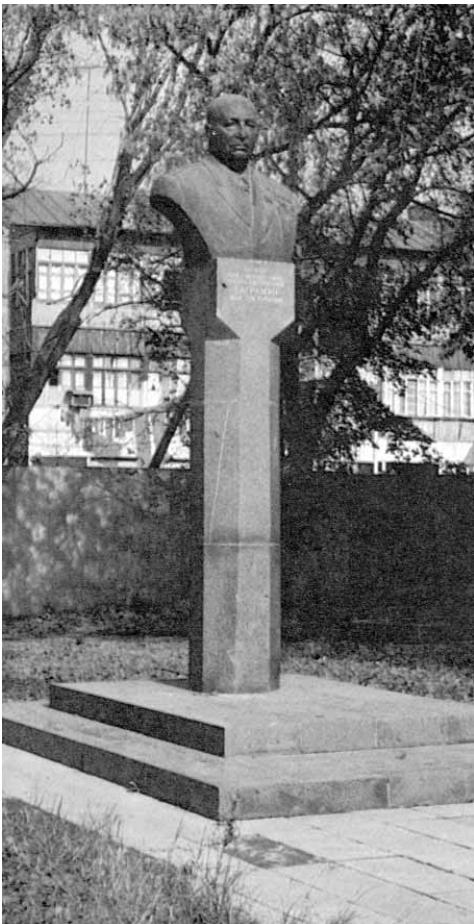
ԳԱՆՉԱԿ (այժմ՝ Գյանջա) ՔԱՂԱՔ. Սր. Յովհաննես Եկեղեցու՝ 1860 թ. Յովստիք Գրիգորյանցի ծախսով հարավային մուտքի կառուցման արձանագրությունն անաղարտ վիճակում 1985 թ. (լուս.՝ Ս. Կարապետյանի) և միտումնավոր քերվելուց հետո՝ 2007 թ. (լուս.՝ Փ. Բերլեմոնի)

ГОРОД ГАНДЗАК (ныне — Гянджа). Строительная надпись 1860 г. на южном входе церкви Сурб Ованнес (Св. Иоанна Крестителя), построенного на средства Овсепа Григорянца, в изначальном состоянии (фот. — С. Карапетяна, 1985 г.) и после предумышленного соскобления (фот. — Ф. Берлемона, 2007 г.)

GANDZAK (now: Gyanja) CITY. An inscription of 1860 commemorating the construction of the southern entrance of St. Hovhannes (John) Church with Hovsep Grigoriants' means (photo by S. Karapetian, 1985); the inscription as deliberately scraped away (photo by F. Berlemon, 2007)







Ղաչաղ Նաբի

**ԳԱՆՉԱԿ (այժմ՝ Գյանջա) ՔԱ-
ՆԱՔ.** սվաղով թաքցրած-ան-
հետացրած նվիրատվական
արձանագրություններ Սր.
Յովհաննես Եկեղեցու հարա-
վային ճակատի արևմտյան
կողմում 1985 թ. (լուս.՝ Ս.
Կարապետյանի) և 2007 թ. (Ֆ.
Բերլեմոնի)

**ГОРОД ГАНДЗАК (ныне —
Гянджа).** Полностью скрытые
штукатуркой дарственные
надписи на западной стороне
южного фасада церкви Сурб
Ованныес (Св. Иоанна Крести-
теля) в 1985 г. (фот. — С. Ка-
рапетяна) и в 2007 г. (фот. —
Ф. Берлемона)

**GANDZAK (now: Gyanja)
CITY.** Donation inscriptions in
the west of the southern
facade of St. Hovhannes
(John) Church (photo by S.
Karapetian, 1985); the inscrip-
tions as deliberately hidden
under plaster (photo by F.
Berlemont, 2007)

ԳԱՆՉԱԿ (այժմ՝ Գյանջա) ՔԱՂԱՔ. Խորհրդային Միության մարշալ Յով-
հաննես Բաղրամյանի կիսանդրին (հուշարձանի բացումը տեղի է ունե-
ցել 1983 թ.): 1990-ական թթ. կիսանդրու ոչնչացումից հետո նույն պատ-
վանդանին կանգնեցվել է ողջ կյանքում մարդասպանությամբ և կողո-
պուտով ապրած (զրադշում էր ճանապարհներին դարանակալելով և
պատահած անցորդներին, հատկապես առևտրականներին սպանելով և
թալանելով) աղորեջանական ժողովրդական «հերոս» Ղաչաղ Նաբիի
հուշարձանը:

ГОРОД ГАНДЗАК (ныне — Гянджа). Бюст маршала Советского Союза
Ованныеса Баграмяна (открытие памятника состоялось в 1983 г.). После
его уничтожения в 1990-х гг. на том же пьедестале был возведен
памятник азербайджанскому «национальному герою» — Гачаху Наби, всю
жизнь занимавшемуся подстереганием на дорогах своих жертв — в част-
ности убийством и грабежом торговцев.

GANDZAK (now: Gyanja) CITY. The bust of Marshal of the Soviet Union
Hovhannes Baghramian (opening in 1983)
After its destruction in the 1990s, its pedestal was surmounted by a mon-
ument to “national hero” of Azerbaijan Nabi (known by the nickname of
Ghachagh), a bandit who had spent all his life robbing and killing passers-
by, particularly merchants, waiting in ambush for his victims on roadsides.



ԳԱՆՉԱԿ (այժմ՝ Գյանջա)

ՔԱՂԱՔ. առնվազն ուշ միջնադարում սկզբնավորված և մինչև 1988 թ. նպատակին ծառայած հազարավոր բաղումներ պարունակող հայոց գերեզմանոցի ոչնչացումն ու տարածքի արագ կառուցապատումն ակներև են դառնում Google Earth-ի՝ 17.01.2012 և 20. 12. 2015 թթ. հրապարակած տիեզերքից կատարված լուսանկարների շնորհիվ:

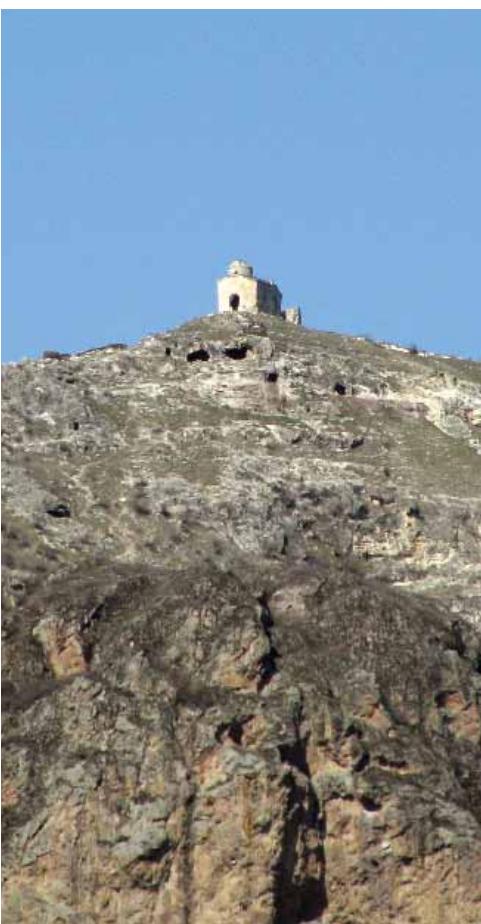
ГОРОД ГАНДЗАК (ныне — Гянджа).

Уничтожение армянского кладбища, относящегося как минимум к позднему средневековью, действовавшего до 1988 г. и сохранившего тысячи захоронений, а также быстрая застройка территории становятся очевидными благодаря снимкам, сделанным из космоса и опубликованным Google Earth в 17.01.2012 и 20.12.2015.

GANDZAK (now: Gyan-Ja) CITY. The Armenian cemetery of the city, with thousands of burials dating from the period between the Late Middle Ages and 1988, was gradually destroyed “to provide space” for some construction activities that immediately followed its annihilation. This is evident from two Google Earth photos published on 17 January 2012 and on 20 December 2015.







ԳԱԳԱ ՍԲ. ՍԱՐԳԻՍ ՎԱՆՔ (Ղազախի շրջան). Գագ լեռան գագաթին գտնվող Սբ. Սարգիս վանքն արևելքից և 1838 թ. իրականացված նորոգության արձանագրությունը, որն արդեն 1985 թ. միտումնավոր քերված էր (լուս.՝ Ս. Կարապետյանի), իսկ 2000-ական թվականների սկզբներին՝ մեծ մասով նաև ջարդված (լուսանկարները՝ www.baikililar.az/ca/news/news9.html, www.caucasianhistory.org):

Ներկայունս այդ արձանագրության վերջին կտորը նույնպես անհետացված է:

041°08'52.34"E, 45°13'14.72"N

МОНАСТЫРЬ ГАГА СУРБ САРКИС (Казахский район). Вид расположенного на вершине горы Гаг монастыря Сурб Саркис (Св. Саркиса) с востока, и надпись о восстановительных работах 1838 г., которая уже в 1985 г. была умышленно соскоблена (фот. — С. Карапетяна), а с начала 2000-х гг. большая часть надписи — разбита (фот. — www.baikililar.az/ca/news/news9.html; www.caucasianhistory.org).

Ныне надпись уничтожена полностью.

ST. SARGIS MONASTERY OF MOUNT GAG, Ghazakh District. The monastery, rising at the top of the mountain, from the east; an inscription commemorating its renovation of 1838; the same inscription as already deliberately scraped away in 1985 (photo by S. Karapetian) and mostly broken in the early 2000s (photos from: www.baikililar.az/ca/news/news9.html; www.caucasianhistory.org)

At present no vestiges of the inscription are preserved.





ԽԱՉԿԱՊ ԳՅՈՒՂ (այժմ՝ Ղուշչի, Դաշկեսանի շրջան). գյուղից 1 կմ հյուսիս-արևմուտք գտնվող Թարգմանչաց վանքը (Ե դար) հյուսիսից 1985 թ. (լուս. Յ. Զաքարյանի) և 2011 թ. (լուս. Վ. Տասկաևի): Ի դեպ, վանքի զանգակատունն ակնհայտորեն միտումնավոր քանրել են ավելի վաղ, քան 2002 թ., քանի որ դա է փաստում Google Earth-ի՝ 22.01.2002 թ. հրապարակած տիեզերքից կատարված լուսանկարը:

Յատկանշական է, որ 1988 թ. խաչկապի բռնագաղթի օրերին, բնակիչներից մեկը՝ Իսահակ Բաղյանը, նոր բնակության վայր՝ Բագրատաշեն է փոխադրել վանքի գերեզմանոցի խաչքարերից մեկը (1608 թ.)՝ փոկելով այն վերահսկումնացումից:

040°34'09.45"E, 46°05'21.64"N

СЕЛО ХАЧАКАП (ныне — Куши, Дашкесанский район). Вид монастыря Таргманчац (Св. Переводчиков) (V в.) с севера, расположенного на расстоянии 1 км к северо-западу от села, в 1985 г. (фот. — О. Закаряна) и в 2011 г. (фот. — В. Таскаева). Колокольня монастыря была разрушена ранее 2002 г. Об этом свидетельствуют фотографии 22.01.2002 г., сделанные из космоса и опубликованные Google Earth.

Примечательно, что в 1988 г., в дни насильного выселения хачакапцев, один из жителей — Исаак Багян переместил один из хачкаров (1608 г.) монастырского кладбища в новое место своего жительства — Баграташен, спася его от предопределенного уничтожения.

ԽԱՉԿԱՐ (now: Ghushchi) VILLAGE, Dashkesan District. Targmantschats (Translators') Monastery (5th century), situated a kilometre northwest of the village, as seen from the north in 1985 (photo by H. Zakarian) and in 2011 (photo by V. Taskayev). Evidently, the monastic belfry was deliberately destroyed prior to 2002, as proved by a Google Earth photo published on 22 January 2002.

In the days of the 1988 deportation of Khachakap Armenians, one of the local inhabitants, Isahak Baghian (in the photo above), moved a cross-stone of 1608 from the monastic cemetery to his new place of living, Bagratashen, thus saving it from inevitable annihilation.





ԽԱՇԿԱՐ ԳՅՈՒՂ (այժմ՝ Ղուշչի, Դաշկեսանի շրջան). Ժթ դարում կառուցված Սբ. Աստվածածին եկեղին 1980-ական թթ. (լուս. հեղ. անհայտ)

Վերջին տարիներին ենթարկվել է «նորոգության»՝ իսպառ զրկվելով որմերի հայերեն արձանագրություններից և շրջակայքի արձանագիր տապանաքարերից:

СЕЛО ХАЧАКАР (ныне — Кущи, Дашкесанский район). Вид церкви Сурб Аствацацин (Пресв. Богородицы), построенной в XIX в. (автор фот. неизвестен, 1980-ые гг.).

В последние годы подверглась «восстановительным работам», окончательно лишившись высеченных на стенах армянских надписей и находившихся в окрестности надгробных камней с надписями.

KNACHAKAR (now: Ghushchi) VILLAGE, Dashkesan District Sourb Astvatzatzin (Holy Virgin) Church (19th century) as of the 1980s (unknown photographer)

In recent years, the church has undergone “repairs” during which it was stripped of its Armenian inscriptions and some inscribed tombstones lying nearby.





ՓԻՐ ԳՅՈՒՂ (այժմ՝ ԶԵՅԼԻԿ, Դաշկեսանի շրջան). պատմական հարուստ անցյալ ունեցող գույտ հայարնակ Փիր գյուղը ողջ Յուսիսային Արցախի առավել մարդաշատ բնակավայրերից էր, որը 1914 թ. ուներ 5838 բնակչի: 1988 թ.-ից հայաքավ գյուղի՝ մի քանի հազար տապանաքարեր պարունակող գերեզմանոցն այստեղ հաստատված աղբբեջանցիներն անցած քառորդ դարի ընթացքում արդեն հասցրել են ամբողջությամբ ավերել և ամայացնել, իսկ ինչպես երևում է գերեզմանոցի՝ համացանցուն գետեղված ներկա կացության սույն լուսանկարից, աղբբեջանցի պատանիները հպարտ են իրենց ցեղակիցների կատարած վայրագություններով:

040°32'50.54"E, 46°00'27.44"N

СЕЛО ПИБ (ныне — Зейлик, Дашкесанский район). Село Пиб, имевшее богатую историю и населенное лишь армянами, являлось наиболее многолюдным населенным пунктом во всем Северном Арцахе. В 1914 г. здесь проживало 5838 жителей. После опустошения села от армян в 1988 г. поселившиеся здесь азербайджанцы за прошедшую четверть века успели уничтожить армянское кладбище, где находилось несколько тысяч надгробных камней. Как видно из размещенной в интернете фотографии нынешнего состояния кладбища, молодые азербайджанцы гордятся совершенным свирепством своих соплеменников.

PIB (now: Zaylik) VILLAGE, Dashkesan District. Pib, boasting a remarkable history, was one of the most populous and purely Armenian-inhabited villages throughout Northern Artsakh (in 1914, for instance, it had a population of 5,838). The village cemetery that contained several thousand tombstones has been totally levelled to the ground by the Azerbaijani resettlers who took up living here after the Armenians' deportation of 1988. The photo above, which is available on the internet, shows two young Azerbaijanians who are apparently proud of what their fellow tribesmen have perpetrated.



ԳԵՏԱԲԵԿ (հնում՝ Գետաբակ, այժմ՝ Գյաղաբեյ)
ՔԱՂԱՔ. Սր. Սարգիս վանքի խաչաձև-զմբեթավոր հորինվածքով եկեղեցին (Թ-ԺԱ դդ.) արևմուտքից, հյուսիս-արևմուտքից և հատակագիծը (լուս. և չափ.) Ս. Կարապետյանի, 1980 թ.)

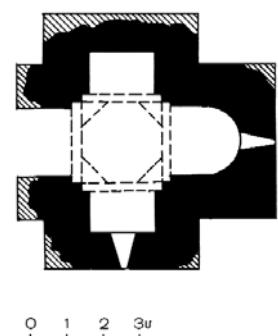
Նույն եկեղեցին 1985 թ. արդեն մասնակի ավերված. տեսքն արևմուտքից և հարավ-արևելքից (լուս.՝ Ս. Կարապետյանի)

ГЕТАБЕК (в древ. — Гетабак, ныне — Гядабей). Вид крестово-купольной церкви монастыря Сурб Саркис (Св. Саркиса), IX-XI вв. с запада, северо-запада и план церкви (фот. и обмер С. Карапетяна, 1980 г.)

Вид уже частично разрушенной церкви с запада и юго-востока в 1985 г. (фот. С. Карапетяна, 1985 г.)

GETABEK (formerly: Getabak, now: Gyadabey) CITY. The domed cruciform church of St. Sargis Monastery (9th to 11th centuries) as seen from the west and north-west; the church plan (photos and measurement by S. Karapetian, 1980)

The same church as partly destroyed: seen from the west and south-east (photos by S. Karapetian, 1985)





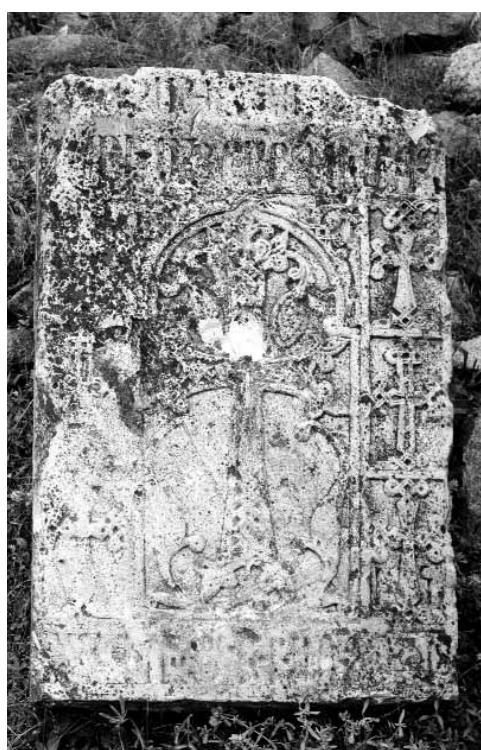
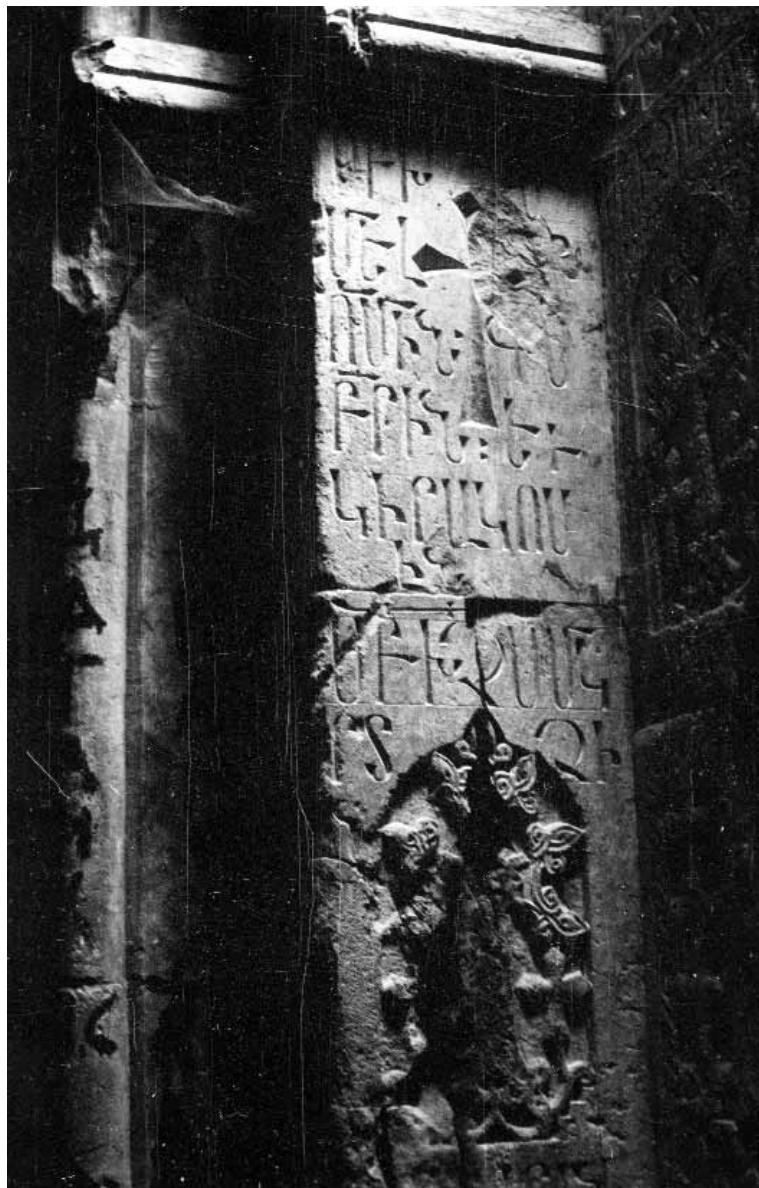
040°33'52.64"E, 46°50'02.26"N

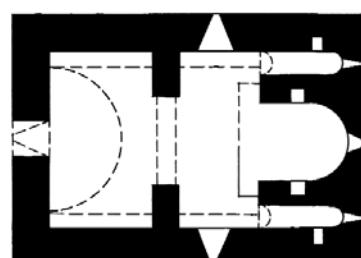


ՉԱՐԵՔ ՎԱՆՔ. Գետաբեկ շրջկենտրոնից 7 կմ հարավ-արևելք՝ Շամքոր գետի ձախ ափին է գտնվում Յյուսիսային Արցախի առավել համբավավոր վանական համալիրներից մեկը՝ ժեղարում ձևավորված Չարեք վանքը։ Մեկ եկեղեցուց, գավիթունասրահից, կրկնահարկ զանգակատնից, մատուռից և օժանդակ կառույցներից բաղկացած այս վանքում առանձին ավերածությունների հետքեր արձանագրվել են դեռևս 1980-ական թվականներին։ Մասնավորապես արդեն այդ թվականների կեսերին առկա են արձանագրության և խաչքարի վնասման փաստեր (լուս.՝ Ս. Կարապետյանի, 1980 թ. և Ա. Օհանյանի, 1980-ական թթ.):

МОНАСТЫРЬ ЧАРЕК. На расстоянии 7 км к юго-востоку от райцентра, на левом берегу реки Шамкор расположен один из самых прославленных монастырских комплексов Северного Арцаха (XVII в.). В монастыре, состоящем из церкви, притвора-портика, двухэтажной колокольни, часовни и подсобных построек, отдельные разрушения были обнаружены еще в 1980-х гг. Надпись и хачкар были повреждены в середине 1980-х гг. (фот. — С. Карапетяна, 1980 г. и А. Оганяна, 1980-е гг.).

CHAREK MONASTERY. One of the most renowned monasteries in the region of Northern Artsakh, Charek (17th century), is situated on the left bank of the river Shamkor, 7 km south-east of the district centre of Getabek. It consists of a church, a narthex-portico, a double-floor belfry, a chapel and some annexes. As early as the mid-1980s, one of the inscriptions of the monastery and a cross-stone kept there were deliberately damaged (photos by S. Karapetian, 1980 & A. Ohanian, 1980s).







ՇԱՀՓԵՔԱՐԻ ՎԱՆՔ. Խաղոխաղ ԳՅՈՒՂ (այժմ՝ Յանիսլի, Թոոռլզի շրջան)։ բնակավայրից 6,5 կմ հարավ-արևելք՝ մի ձորակի ծախսակողմում, ցարդ կանգուն է ժԶ-ԺԷ դարերից ավանդված, պատմական անունը մոռացված և թյուրք Եկվորներից Շահփեքարի վանք անվանված միանավ թաղածածկ հորինվածքով բազիլիկ եկեղեցին։

МОНАСТЫРЬ ШАХПЕКАРА, Хаххах (село Яныхли, ныне — Тузыский район,). На расстоянии 6,5 км к юго-востоку от села, на левой стороне оврага, до сих пор сохранилась однонефная сводчатая базилика — церковь (XVI-XVII вв.) с забытым историческим именем, названная тюрками-кочевниками монастырем Шахпекар.

SHAHPEKAR MONASTERY, Khaghkhagh (now: Yanekhli) Village, Touz District. A uni-nave vaulted basilica of the 16th to 17th centuries stands on the left side of a gorge, 6.5 km southeast of Khaghkhagh Village, Touz District. Its historical name has not come down to our days: the Turkic settlers called it Shahpekar Monastery.

1984 թ. կատարված լուսանկարները (լուս. և չափ.՝ U. Կարապետյանի) փաստում են, որ անցած տասնամյակների ընթացքում այս «ալբանական» եկեղեցին ևս ակնհայտորեն ենթարկվել է միտումնավոր ավերածությունների։ Դամենայն դեպք, 2010-ական թթ. դրությամբ արդեն քանդված էին կառույցի անկյունաքարերը, մուտքին հարող հատվածն ու ներքին որոշ մասեր։

Сделанные в 1984 г. снимки (фот. и обмер — С. Карапетяна) доказывают, что на протяжении прошедших десятилетий эта «албанская» церковь также явно была подвергнута предумышленному разрушению. По крайней мере, по состоянию на 2010-х гг. были разрушены краеугольные камни и примыкающая к входу часть церкви, а также некоторые внутренние фрагменты.

The photos show the church (labelled as Albanian by the Azerbaijanians) as of 1984 and the 2010s, exposing the premeditated destruction it has undergone in recent decades. As of the 2010s, it stood as stripped of its cornerstones; besides, the part adjoining its entrance and certain sections of its interior have been deliberately pulled down.





ՈՍԿԱՆԱՊԱՏ գՅՈՒԴ (այժմ՝ Զուռնաբադ, Խանլարի շրջան)։ 1988 թ. հայերի բռնազարդից հետո գյուղի նորաբնակ աղորեջանցիները հաշված տարիների ընթացքուն հասցրել են ավերել և տակնուվրա անել առնվազն միջնադարից սկիզբ առնող և մի քանի հազար շիրմաքարեր պարունակող գերեզմանոցը (լուս.՝ Ֆ. Բերլեմոնի, 2007 թ.):

СЕЛО ВОСКАНАПАТ (ныне — Зурнабад, Ханларский район). После насильного выселения армян в 1988 г. поселившиеся в селе азербайджанцы в течение считанных лет успели разгромить относящееся как минимум к средневековью кладбище с несколькими тысячами надгробных камней (фот. — Ф. Берлемона, 2007 г.):

VOSKANAPAT (now: Zurnabad) VILLAGE, Khanlar District.

The village cemetery, dating from at least the Middle Ages and containing several thousand tombstones, served its purpose until the 1988 deportation of the local Armenians. Within just several years, the Azerbaijanian resettlers of the village destroyed the cemetery and filled it with trash (photos by F. Berlemon, 2007).



ԳԵՏԱՇԵՆ ԳՅՈՒՂ (այժմ՝ Չայքենդ, Արցախ, Ճահումյանի շրջան)։ Սր. Աստվածածին եկեղեցուն հարող կենտրոնական թաղամասը 1989 թ. (լուս.՝ Ս. Կարապետյանի) և 2007 թ. (լուս.՝ Ֆ. Բերլեմոնի)

Գյուղի՝ առավել աչքի ընկնող բնակելի շինություններից մեկը՝ Մեսրոպ քահանա Տեր-Գրիգորյանցի՝ 1889 թ. կառուցված եռահարկ տունը 1989 և 2007 թթ. (աղբբեջանցի ելուզակները տունը և թաղամասը հրդեհել են Գետաշենը գրավելու օրերին՝ 1991 թ. մայիսին):



СЕЛО ГЕТАШЕН (ныне — Чайкенд, Шаумянский район, Арцах). Центральный квартал рядом с церковью Сурб Аствацацин (Пресв. Богородицы) в 1989 (фот. — С. Карапетяна) и 2007 гг. (фот. — Ф. Берлемона).

Одна из бросающихся в глаза жилых построек села — трехэтажный дом священника Месропа Тер-Григорянца (постр. в 1889 г.) в 1989 и 2007 гг. Квартал вместе с домом были подожжены азербайджанскими бандитами во время взятия Геташена в мае 1991 г.

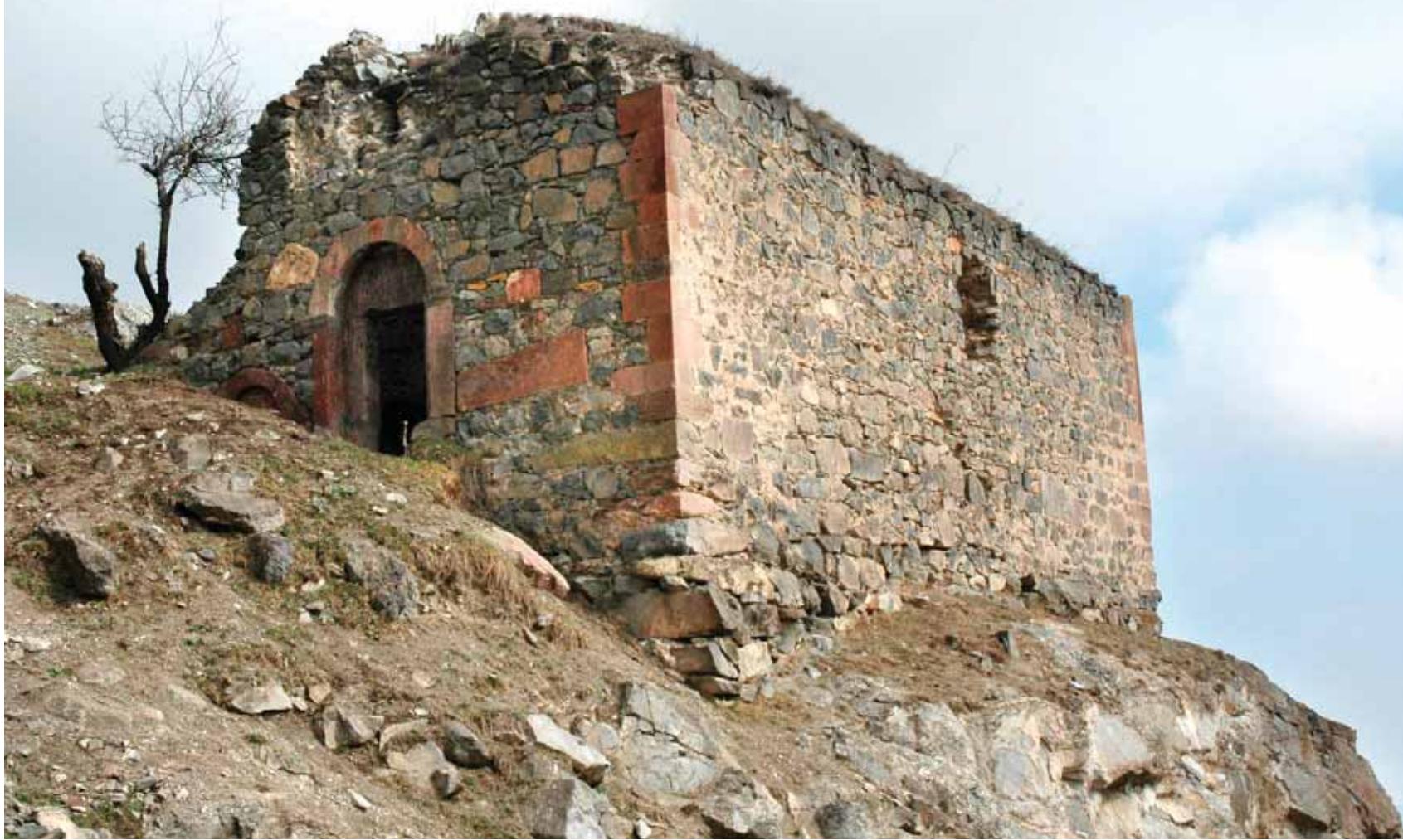
GETASHEN (now: Chaykend) VILLAGE, Shahumian District, Republic of Artsakh (Nagorno Karabakh). The central quarter of the village (adjoining Sourb Astvatzatzin Church) as of 1989 (photo by S. Karapetian) and 2007 (photo by F. Berlemon)

One of the most remarkable buildings in the village, Priest Mesrop Ter-Grigoriants' three-floor house (1889), as of 1989 and 2007

The house was reduced to ashes during the burning of the quarter by the Azerbaijanian bandits in the days of the occupation of Getashen, in May 1991.







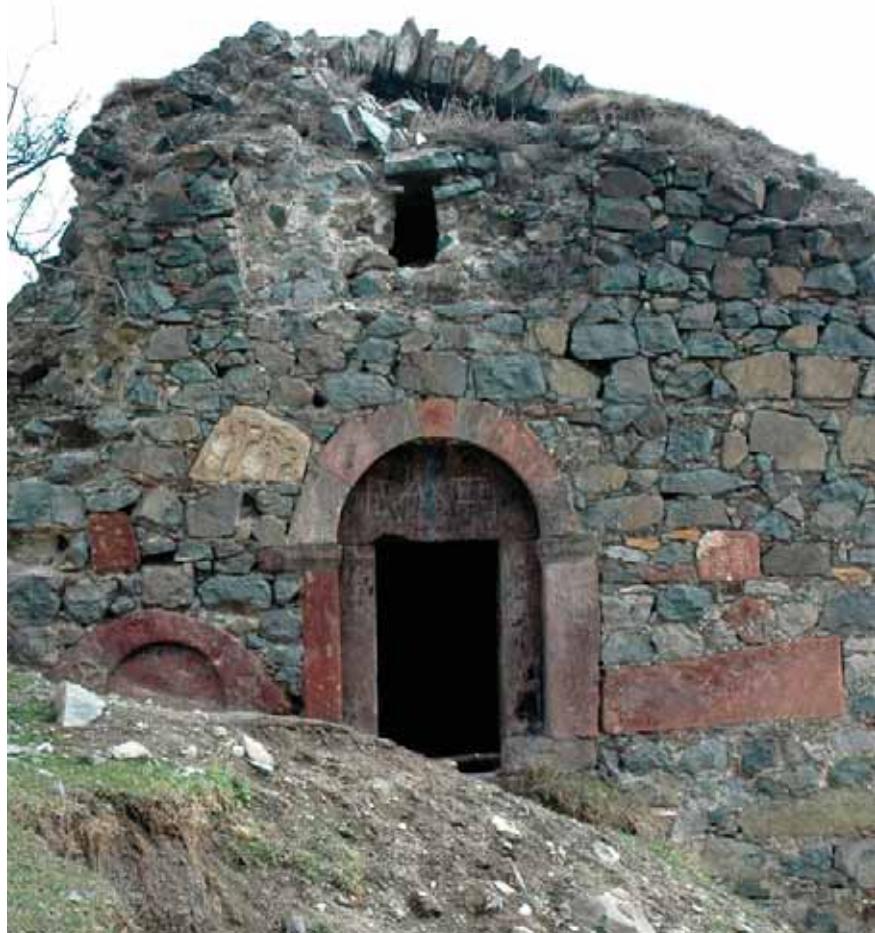
ԳԵՏԱՇԵՆ (այժմ՝ Չայքենդ) ԳՅՈՒՂ. գյուղամերձ Մրցունիս գյուղատեղիի Եկեղեցին (ԺԷ դար) հարավ-արևմտութից և արևմտյան ճակատին՝ մուտքից վեր ազուցված 1639 թ. խաչքարը (լուս.՝ Ս. Կարապետյանի, 1989 թ.)

2007 թ. կատարված լուսանկարներում ակընհայտ է, որ անցնող տարիներին Եկեղեցին ենթարկվել է ավերիչ ոտնձգությունների. մասնավորապես քանդել են արևմտյան ճակատի վերնամասը՝ անհետացնելով վերը հիշատակված խաչքարը և քաղի որոշ հատվածներ (լուս.՝ Ֆ. Բերլեմոնի):

СЕЛО ГЕТАШЕН (ныне — Чайкенд). Вид церкви (XVII в.) села Мрцунис (расположенного вблизи села) с юго-запада и хачкар 1639 г., вмонтированный выше входа западного фасада церкви (фот. — С. Карапетяна, 1989 г.)

На снимках, сделанных в 2007 г., очевидно, что на протяжении предыдущих лет церковь подвергалась разрушительным посягательствам: в частности, была разрушена верхняя часть западного фасада, уничтожены вышеуказанный хачкар и некоторые фрагменты свода.

040°27'54.87"E, 46°20'09.63"N





GETASHEN (now: Chaykend) VILLAGE, Shahumian District, Republic of Artsakh (Nagorno Karabakh). The church (17th century) of the village site of Mertsunis, near Getashen, from the south-west; a cross-stone of 1639 set in its western facade (photos by S. Karapetian, 1989)

Some photos of 2007, taken by F. Berlemont, expose the premeditated destruction the church has undergone since 1989: thus, the upper part of its western facade has been pulled down, in consequence of which, the aforementioned cross-stone and some parts of the vault have been annihilated.



Մրցունիս գյուղատեղիի Եկեղեցու ներքին տեսքը դեպի արևմուտք 1989 թ. (լուս.՝ Ս. Կարապետյանի) և 2007 թ. (լուս.՝ Ֆ. Բերլեմոնի)

Внутренний вид церкви села Мрцунис на запад в 1989 г. (фот. — С. Карапетяна) и в 2007 г. (фот. — Ф. Берлемона).

A westward view of the interior of the church of the village site of Mertsunis (photos by S. Karapetian, 1989 & F. Berlemont, 2007)



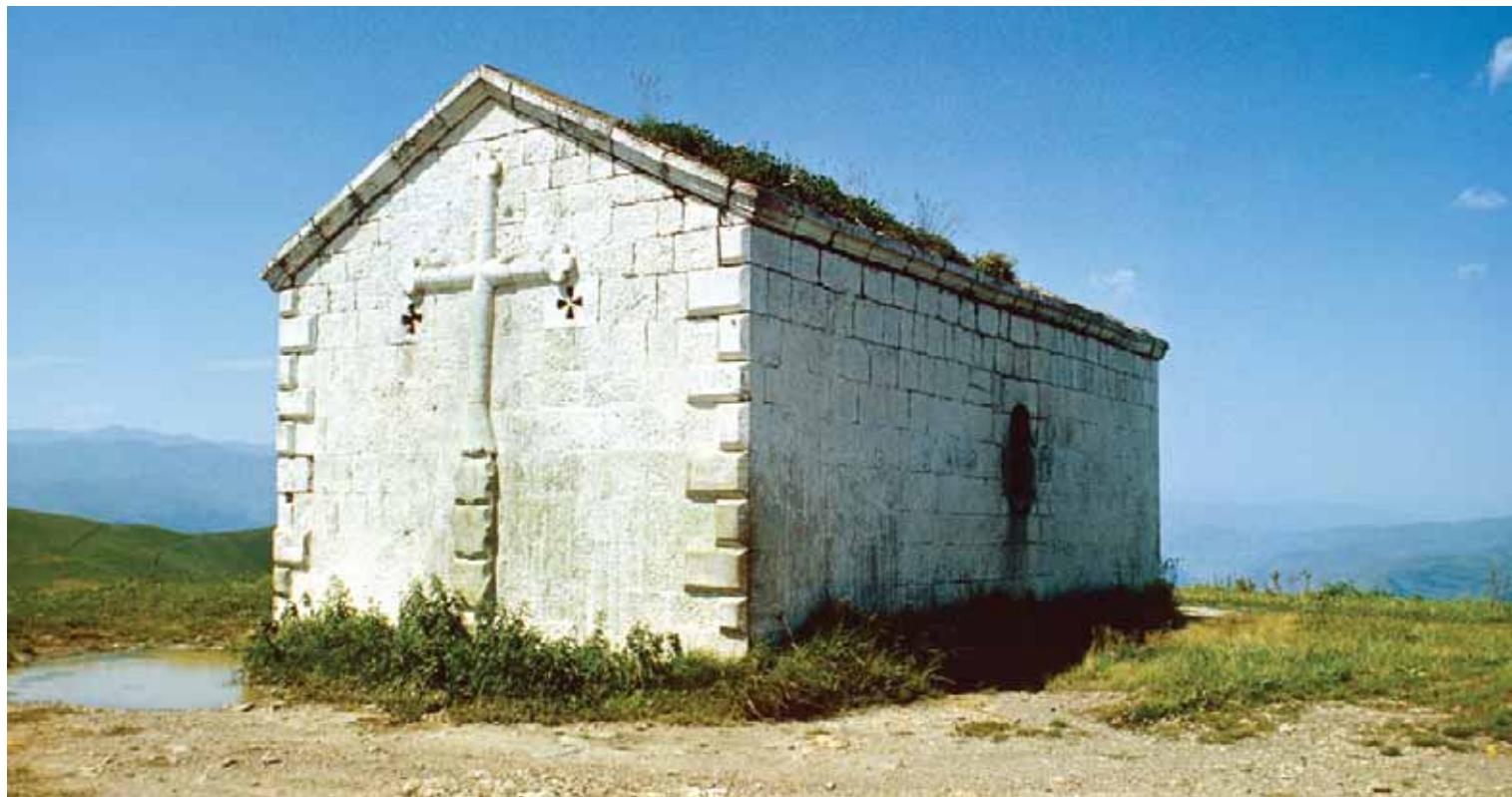
ՍՈՒԼՈՒՔ ԳՅՈՒՂ (նախկինում՝ Ազատ, այժմ՝ Ենի Զոդ, Արցախ, Շահումյանի շրջան). Սր. Հովհաննես Եկեղեցին (Ժ դար) հարավ-արևմուտքից և ներքին տեսքը դեպի արևմուտք (լուս.՝ Ս. Կարապետյանի, 1989 թ.): Եկեղեցին 1990-ական թթ. վերջերին իրականացված պայթեցումից հետո (լուս.՝ Ֆ. Բերլեմոնտի, 2007 թ.)

СЕЛО СУЛУК (ранее — Азат, ныне — Ени Зод, Шаумянский район, Арцах). Вид церкви Сурб Ованнес (Св. Иоанна Крестителя) (XVII в.) с юго-запада и вид изнутри на запад (фот. — С. Карапетяна, 1989 г.) Церковь после подрыва, осуществленного в конце 1990-х гг. (фот. — Ф. Берлемона, 2007 г.)

SULUK (formerly: Azat, now: Yeni Zod) VILLAGE, Shahumian District, Republic of Artsakh. St. Hovhannes (John) Church (17th century) from the south-west and a westward view of its interior (photos by S. Karapetian, 1989); the church after its explosion perpetrated in the late 1990s (photos by F. Berlemon, 2007)



040°29'25.24"E, 46°20'14.52"N



ՍՈՒԼՈՒՔ (Ազատ) ԳՅՈՒՂ. Պանդասարի գագաթին (2088 մ) գտնվող Եկեղեցին (1856 թ.) հյուսիս-արևելքից, հարավ-արևմուտքից և 1896 թ. վերակառուցման արձանագրությունը (լուս.՝ Ս. Կարապետյանի, 1985 թ.)

Սուլուքի Սր. Հովհաննես Եկեղեցու հետ միաժամանակ 1990-ական թթ. վերջերին մասնակիորեն ավերված Եկեղեցին հյուսիս-արևմուտքից և հարավ-արևմուտքից

Բարձրից հեռարձակվող «Յոլ» հաղորդաշարով Եկեղեցին իրու աղվանական ներկայացնող հաղորդավարությին անսքող վայրենությամբ ցատկում է վայր գցած 1896 թ. արձանագրության վրա, որը, մեր պատմության չափանիշներով համեմատաբար նոր լինելով հանդերձ, այնուամենայնիվ, ավելի հին է, քան հաղորդավարություն նախնիների՝ կովկասյան թաթարների նստակեցության անցած ժամանակահատվածը...

СЕЛО СУЛУК (Азат). Вид церкви (1856 г.), расположенной на вершине горы Пандасар (2088 м), с северо-востока, юго-запада и надпись на армянском языке о реконструкции церкви в 1896 г. (фот. — С. Карапетяна, 1985 г.)

Вид церкви, частично разрушенной одновременно с церковью Сурб Ованнес (Св. Иоанна Крестителя) Сулука в конце 1990-х гг., с северо-запада и юго-запада.

В передаваемой из Баку передаче «Йол» ведущая, представляющая церковь как албанскую, с не скрываемой дикостью прыгает на надпись 1856 г., которая, будучи сравнительно новой по историческим меркам, тем не менее, является более древней, чем период перехода к оседлой жизни кавказских татар — предков телеведущей...



SULUK (formerly: Azat, now: Yeni Zod) VILLAGE, Shahumian District, Republic of Artsakh (Nagorno Karabakh). A church of 1856 located at the top of Mount Pandasar (2,088 m): seen from the north-east and south-west; an Armenian inscription commemorating the 1896 reconstruction of the church (photos by S. Karapetian, 1985)

The church which was partly destroyed in the late 1990s from the north-west and south-west; an excerpt from the programme Yol broadcast from Baku: the journalist who presents the church as an “Albanian” monument leaps onto the inscription of 1896 like a savage. Indeed, the inscription is not an ancient one, but its existence has been longer than the entire period of the sedentary life of her nomadic ancestors, the Caucasian Tatars...



040°28'22.93"E, 46°17'34.31"N



ԲԱԽՇԻՔ (Կամո) ԳՅՈՒՆ (Արցախ, Շահումյանի շրջան). Ար. Հարություն Եկեղեցին (ժԷ դար) հյուսիսարևմուտքից և հարավարևելքից (լուս.՝ Ս. Կարապետյանի, 1989 թ.)

СЕЛО БАХШИК (Камо, Шаумянский район, Арцах). Вид церкви Сурб Арутюн (Св. Воскресения) (XVII в.) с северо-запада и юго-востока (фот. — С. Карапетяна, 1989 г.)

BAKHSHIK (Kamo) VILLAGE, Shahumian District, Republic of Artsakh. Sourb Harutun (Holy Resurrection) Church (17th century) from the north-west and south-east (photos by S. Karapetian, 1989)

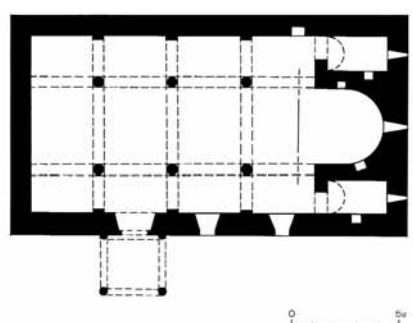


Ար. Հարություն եկեղեցին 1990-ական թթ. վերջերին գրեթե հիմնովին ավերելուց հետո հյուսիս-արևմուտքից և հարավ-արևելքից (լուս.՝ Ֆ. Բերլեմոնի, 2007 թ.).

Вид церкви Сурб Арутюн (Св. Воскресения) с северо-запада и юго-востока после почти окончательного уничтожения в конце 1990-х гг. (фот. — Ф. Берлемона, 2007 г.)

The remnants of Sourb Harutiun (Holy Resurrection) Church after its almost total destruction in the late 1990s: seen from the north-west and south-east (photos by F. Berlemon, 2007)

040°29'05.98"E, 46°20'30.24"N





Google Earth

ԱԲԼԱՀ ԳՅՈՒՂԻ (այժմ՝ Գյոյջարենի, Խանլարի շրջան). Յին Աբլահ գյուղատեղիում գտնվող ժեղարու կառուցված Սրբ. Մինաս Եկեղեցին հարավ-արևելքից, արևմուտքից, ներքին տեսքը դեպի արևմուտք, նմուշներ խոյակներից և հատակագիծը (լուս. և չափ.) Ս. Կարապետյանի, 1985 թ.)

Google Earth-ի 29.09.2016 թ. տիեզերքից կատարված և հրապարակած լուսանկարը փաստում է, որ Եկեղեցին այլևս գոյություն չունի (քանդման ստույգ ժամանակը հայտնի չէ, սակայն կարելի է ենթադրել, որ դա տեղի է ունեցել կամ 1990-ական թթ. վերջերին, կամ 2000-ական թթ. սկզբներին):

СЕЛО АБЛАХ (ныне — Гойчакенд, Ханларский район). Вид церкви Сурб Минас (Св. Минаса), построенной в XVII в. в селище Хин (Старый) Аблах, с юго-востока, запада; внутренний вид церкви на запад, образцы капители и план церкви (фот. и обмер — С. Карапетяна, 1985 г.)

Снимок, сделанный из космоса 29.09.2016 и опубликованный Google Earth, доказывает, что церковь более не существует (точное время уничтожения неизвестно, однако, можно предположить, что это произошло либо в конце 1990-х гг., либо в начале 2000-х гг.).

ABLAH (now: Gyoyjakend) VILLAGE, Khanlar District. St. Minas Church (17th century) of the village site of Old (Hin) Ablah as seen from the south-east and west; a westward view of its interior; some capitals from the church and its plan (photos and measurement by S. Karapetian, 1985)

Judging from a Google Earth photo (29 September 2016), the church no longer exists: most probably, it was levelled to the ground either in the late 1990s or in the early 2000s.

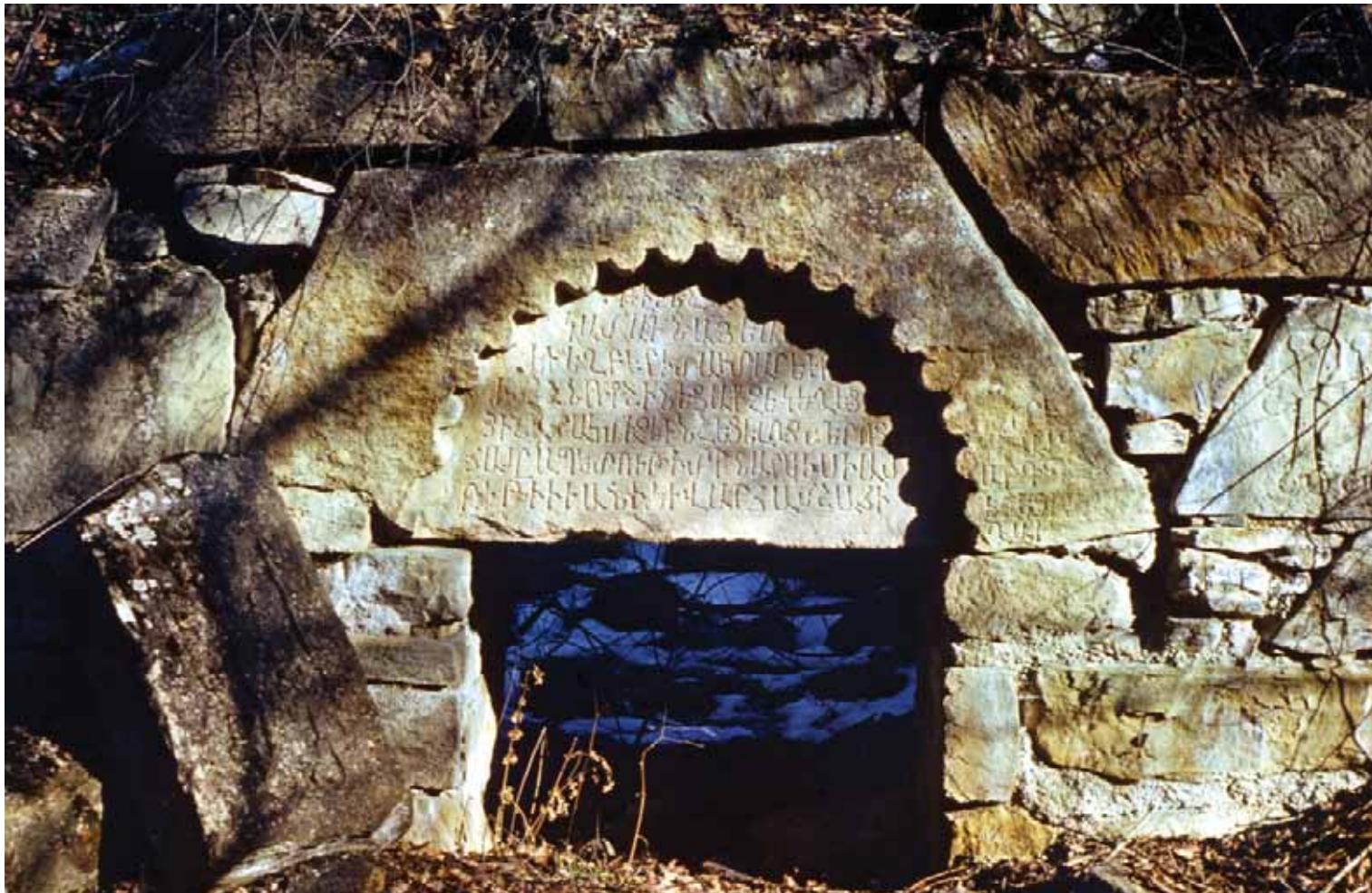


ՄԱՐՏՈՒՆԻ ԳՅՈՒՂ (նախկինում՝ Գոլիցինո, Շամխորի շրջան). 1920-ական թթ.-ից հայաբնակ և 1988 թ.-ից հայաբավի գյուղի ռուսական եկեղեցին, 1905 թ. (լուս.՝ U. Կարապետյանի, 1982 թ.)
Նույն եկեղեցու ներկա կացությունը (լուս. հեղ.՝ անհայտ)

СЕЛО МАРТУНИ (ранее — Голицыно, Шамхорский район). Русская церковь (1905 г.) села, заселенного армянами с 1920-х гг. и опустошенного в 1988 г. (фот. — С. Карапетяна, 1982 г.).
Нынешний вид той же церкви (автор фот. неизвестен).

MARTUNI (formerly: Golitsino) VILLAGE, Shamkhor District. The Russian church (1905) of the village (Armenian-inhabited from the 1920s; stripped of its population since 1988) as of 1982 (photo by S. Karapetian) and nowadays (unknown photographer)

040°40'02.16"E, 45°55'01.46"N



ԽՐԽԱՓՈՐ գՅՈՒՂ (Արցախ, Շահումյանի շրջան). գյուղի Մանղոլը հնավայրի Եկեղեցին (1252 թ.), ճարտարապետ՝ Երեմիա Եղակերցի (լուս.՝ Ս. Կարապետյանի, 1982, 1984 թթ.)

СЕЛО ХРХАПОР (Шаумянский район, Арцах). Церковь (1252 г.) исторической местности Мандур, архитектор — Еремия Егакерци (фот. — С. Карапетяна, 1982, 1984 гг.)

KHERKAPOR VILLAGE, Shahumian District, Republic of Artsakh (Nagorno Karabakh). The church (1252, architect: Yeremia Yeghakertsy) of the ancient site of Mandur in 1982; its remnants in 1984 (photos by S. Karapetian)



ԳՅՈՒԼԻՍՏԱՆ գյուղ (Արցախ, Շահումյանի շրջան). գյուղի՝ 1688 թ. կառուցված Սբ. Աստվածածին եռանակ բազիլիկ եկեղեցին (լուս.՝ Ա. Ղուլյանի, 1986 թ.)

СЕЛО ГЮЛИСТАН (Шаумянский район, Арцах). Вид церкви (1688 г.) Сурб Аствацацин (Пресв. Богородицы) представляющей собой трехнефную базилику (фот. — А. Гуляна, 1986 г.)

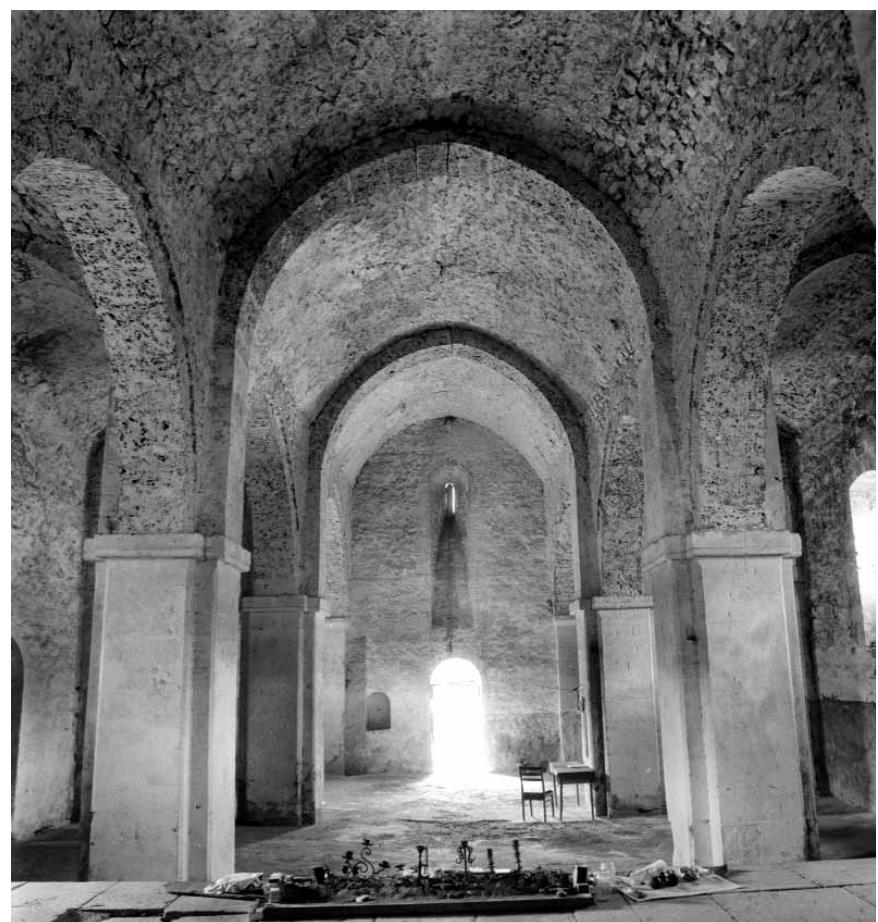
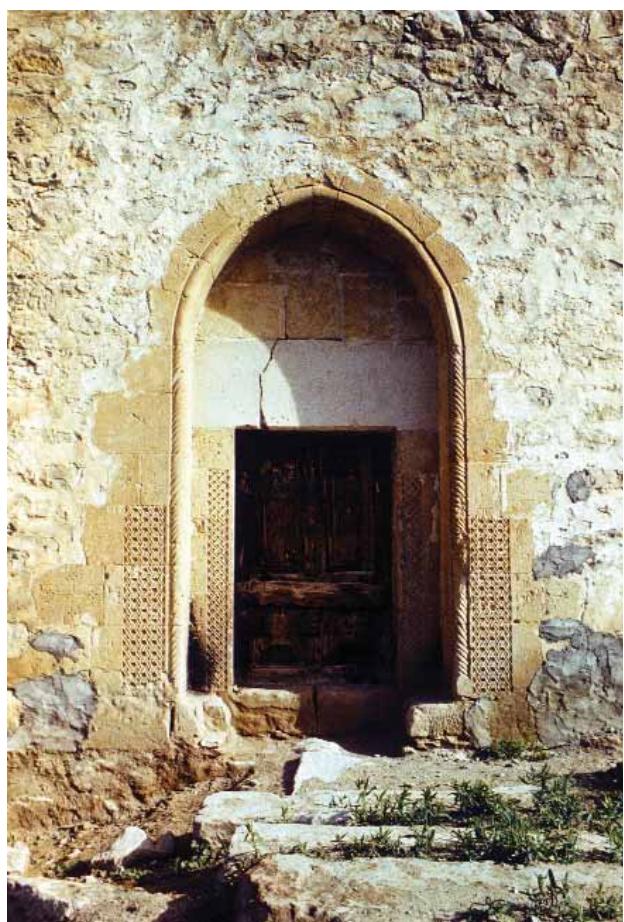
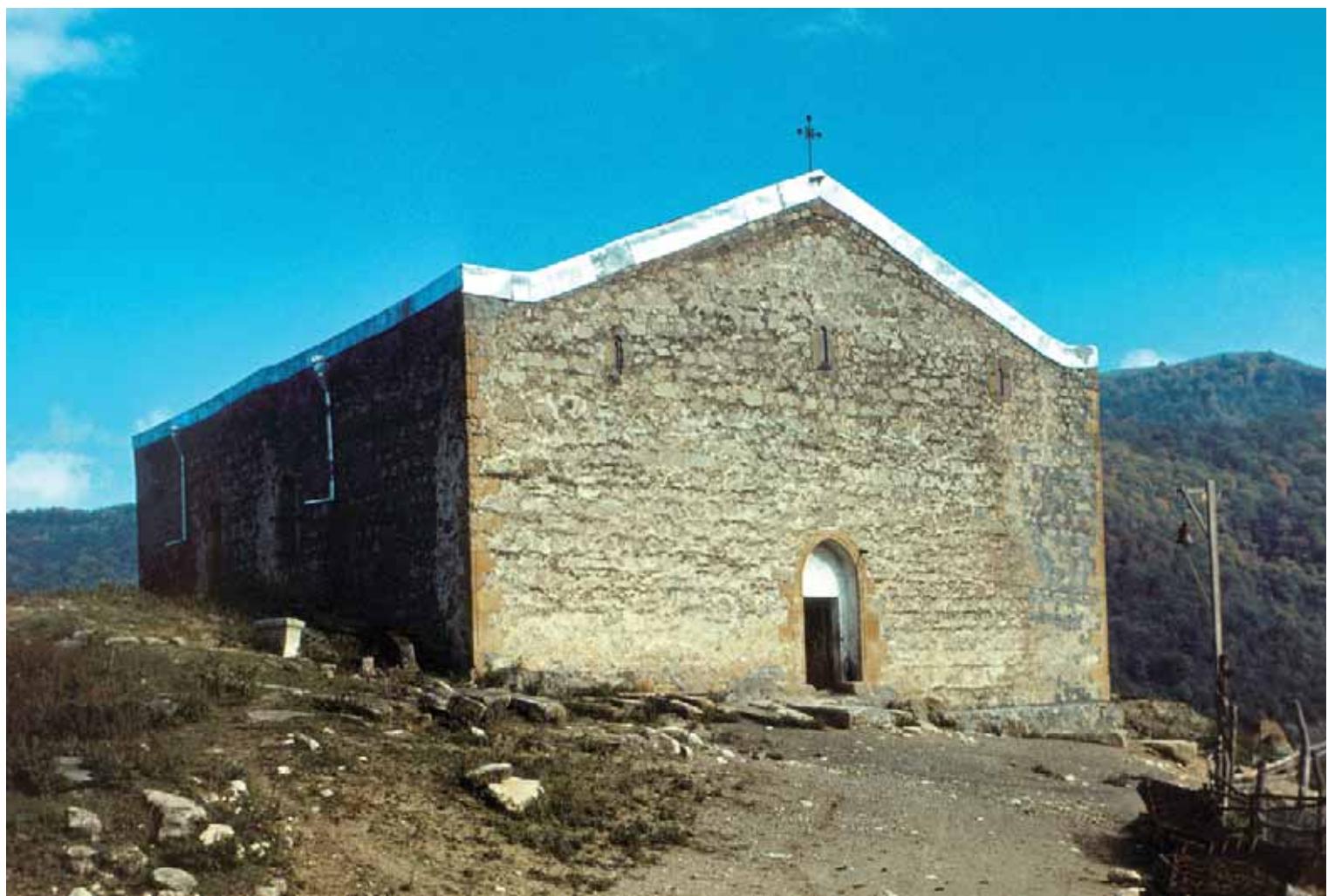
GYULISTAN VILLAGE, Shahumian District, Republic of Artsakh (Nagorno Karabakh). A general view of the village with Sourb Astvatzatzin (Holy Virgin) Church, a tri-nave basilica of 1688 (photo by A. Ghulian, 1986)



1992 թ. բռնազավթումից հետո Գյուլիստան գյուղն ամբողջությամբ հրդիկվել է, իսկ Սրբ. Աստվածածին Եկեղեցին՝ պայթեցվել (լուս.՝ Վ. Գաբրիելյանի, 2007 թ.):

Село Гюлистан было полностью сожжено после азербайджанской оккупации в 1992 г., а церковь Сурб Аствацацин (Пресв. Богородицы) — взорвана (фот. — В. Габриеляна, 2007 г.).

After the Azerbaijani occupation of Gyulistan in 1992, the entire village was burnt away, with its church exploded (photo by V. Gabrielian, 2007).





ԳՅՈՒԼԻՍՏԱՆ գյուղ (Արցախ, Շահումյանի շրջան). Սրբ. Աստվածածին եկեղեցին հյուսիս-արևմուտքից, զույգ մուտքերից արևմտյանը և ներքին տեսքը դեպի արևմուտք (լուս.՝ Ս. Կարապետյանի, 1989 թ.)

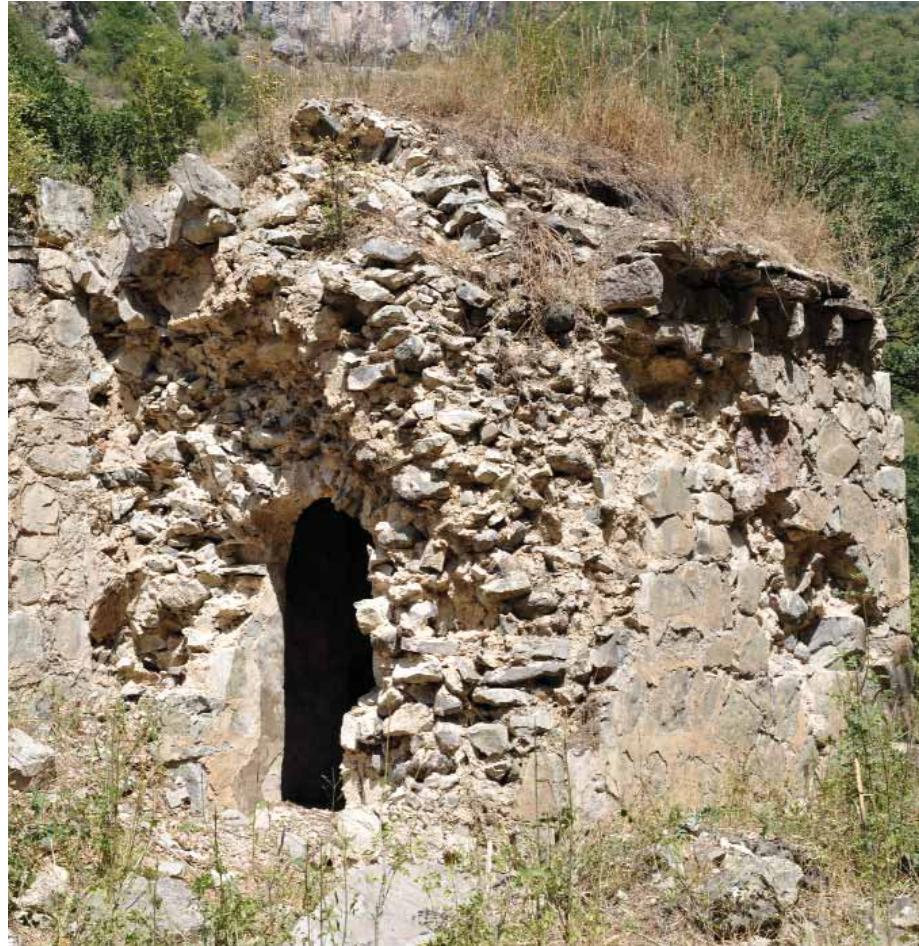
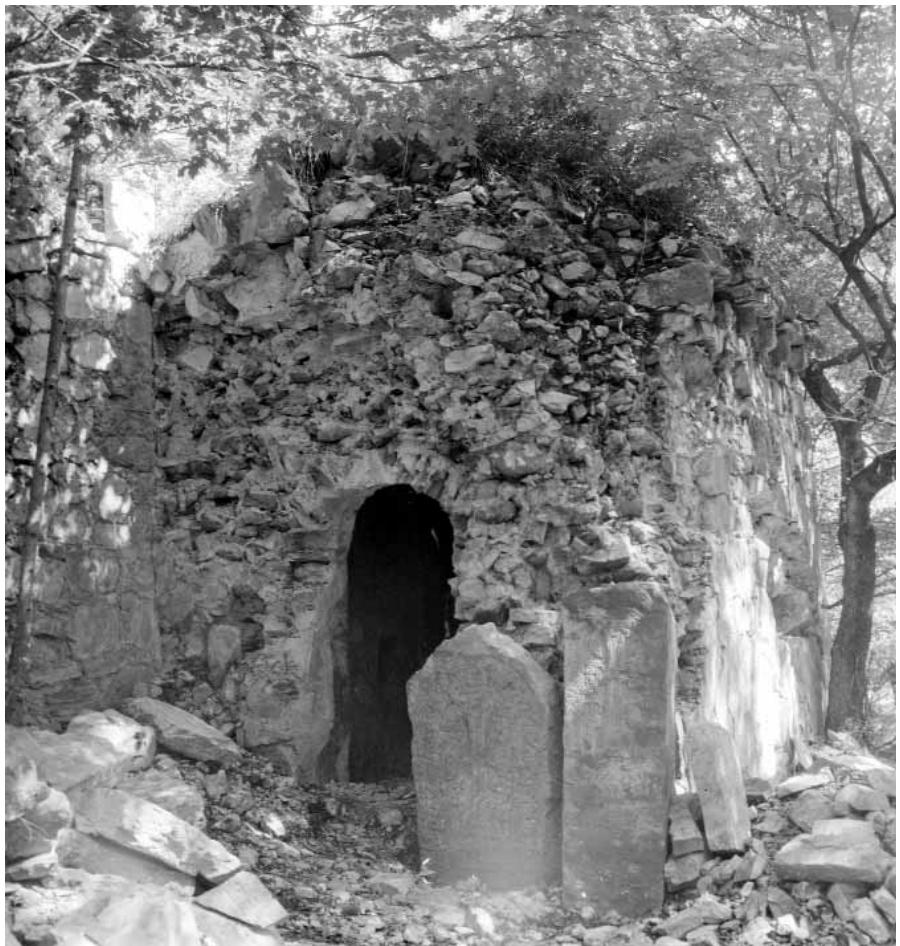
СЕЛО ГЮЛИСТАН (Шаумянский район, Арцах). Вид церкви Сурб Аствацацин (Пресв. Богородицы) с северо-запада; один из двух входов, открывающийся с запада; внутренний вид церкви на запад (фот. — С. Карапетяна, 1989 г.)

Եկեղեցին 1990-ական թթ. սկզբներին կատարված պայթեցումից հետո (լուս.՝ Վ. Գաբրիելյանի, 2007 թ.)

Церковь после взрыва, осуществленного в начале 1990-х гг. (фот. — В. Габриеляна, 2007 г.)

GYULISTAN VILLAGE, Shahumian District, Republic of Artsakh (Nagorno Karabakh). Sourb Astvatzatzin (Holy Virgin) Church from the north-west; one of its two entrances that opens from the west; a westward view of its interior (photos by S. Karapetian, 1989)

The church after its explosion in the early 1990s (photo by V. Gabrielian, 2007)

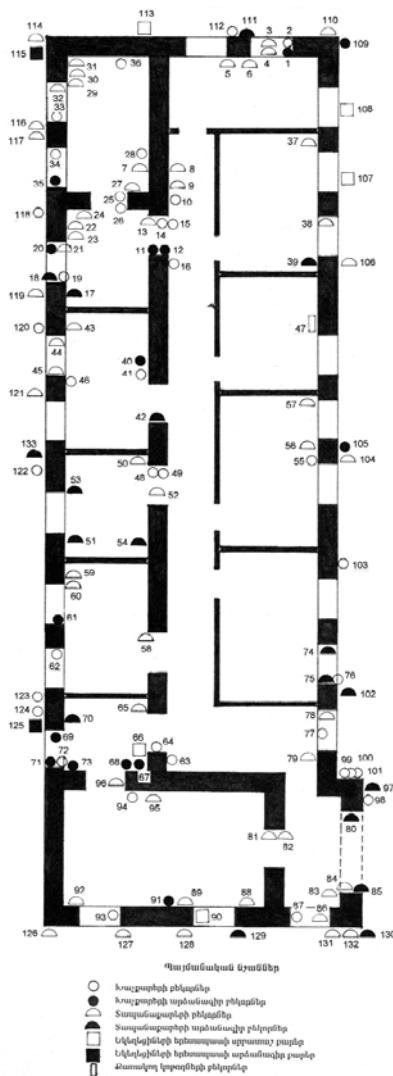


ԴԱՎԻԿԱՆՔ ԳՅՈՒՂ (Արցախ, Քարվաճառի շրջան). 1195 և 1248 թթ. Խաչքարեր Սրբ. Աստվածածին վանքի հարավարևելյան եկեղեցու մուտքի առջև (լուս.՝ Ս. Կարապետյանի, 1987 թ.): Շրջանի ազտագրումից անմիջապես հետո պարզվեց, որ այդ խաչքարերն ու միջնադարյան մի քանի արձանագրություններ անհետացվել են (լուս.՝ Ս. Կարապետյանի, 1993 թ.):

СЕЛО ДАДИВАНК (Карвачарский район, Арцах). Хачкары 1195 и 1248 гг. перед входом юго-восточной церкви монастыря Сурб Аствацин (Пресв. Богородицы) (фот. — С. Карапетяна, 1987 г.). Сразу после освобождения района выяснилось, что эти хачкары и несколько средневековых надписей исчезли (фот. — С. Карапетяна, 1993 г.).

DADIVANK VILLAGE, Karvajar District, Republic of Artsakh (Nagorno Karabakh). Cross-stones dating from 1195 and 1248 in front of the entrance to the south-eastern church of Sourb Astvatzatzin (Holy Virgin) Monastery (photos by S. Karapetian, 1987) During the Azerbaijani occupation of the district, these cross-stones as well as several medieval inscriptions were totally annihilated (photos by S. Karapetian, 1993).





ԾԱՐ ԳՅՈՒՂ (Արցախ, Քարվաճառի շրջան). գյուղամիջի՝ 1950-ական թթ. ոչնչացված Մայր և Սբ. Սարգիս եկեղեցիների, ինչպես նաև խաչքարերով ընդարձակ գերեզմանոցի հարյուրավոր բեկորներ որպես շինանյութ գործածվել են նույն գյուղի աղբեջանական դպրոցի կառուցման ժամանակ (լուս.՝ Ս. Կարապետյանի, 1993 թ.):

Դայ մշակույթի ջարդը ներկայացնող աղբեջանական դպրոցի հատակագիծը (չափ.՝ Ս. Կարապետյանի)

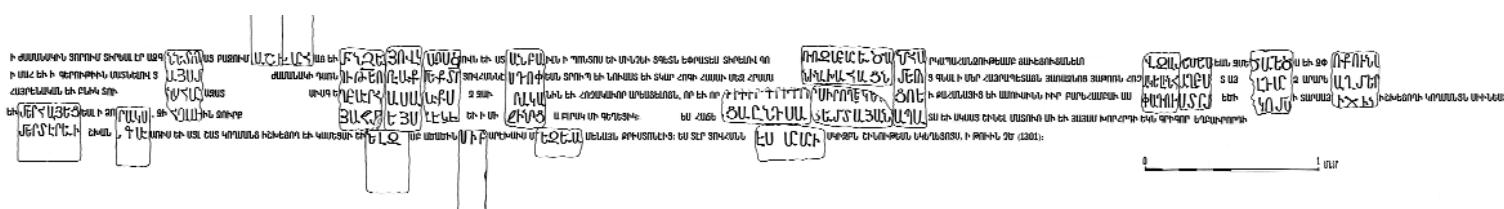
СЕЛО ЦАР (Карвачарский район, Арцах). Сотни обломков двух сельских церквей (Соборная и Сурб Саркис (Св. Саркиса)), уничтоженных в 1950-х гг., а также хачкаров обширного сельского кладбища были использованы как стройматериал во время строительства местной азербайджанской школы (фот. — С. Карапетяна, 1993 г.).

План азербайджанской школы, являющейся доказательством уничтожения армянского культурного наследия (обмер — С. Карапетяна)

TZAR VILLAGE, Karvajar District, Republic of Artsakh (Nagorno Karabakh). St. Sargis and the Mother Church of the village (both once situated in its centre) as well as an extensive Armenian cemetery abounding in cross-stones were levelled to the ground in the 1950s. Their fragments were later used as construction material for an Azerbaijani school seen above (photos by S. Karapetian, 1993).

The plan of the school erected “thanks” to the cultural genocide perpetrated against the Armenian monuments of Tzar (measurement by S. Karapetian)





ԾԱՐ ԳՅՈՒՂԻ (Արցախ, Քարվաճանի շրջան). Տրտու և Ծար գետերի միջև՝ հրվանդանած Երկարած լեռնաճյուղի ավարտին գտնվող, մինչև 1950-ական թվականների սկզբները կանգուն, ապա հիմնահատակ քանդված Գետամիջոն վանքի (1301 թ.) տեղը և ճարտարապետական բեկորներն ու Երեսապատի սրբատաշ արձանագիր քարերը՝ որպես շինանյութ գործածված վանքից ոչ հեռու գտնվող Չրաղ գյուղի աղրբեջանական դպրոցի որմերում (Լուս.՝ Ս. Կարապետյանի, 1993 թ.): Ի դեպ, աղրբեջանական դպրոցի մուտքի Երկու կողմերում գետեղված չարի մուտքն արգելող պահպան խորհրդանշից առյօնների պատկերաբանակաները, անկասկած, ի սկզբանե համանման դիրքում եղել են Գետամիջոն վանքի մուտքին, մինչդեռ առանց խորհրդանշ ընկալելու վանդալները փաստորեն նույնը վերարտադրել են վանքի քարերով կառուցված Չրաղի դպրոցի մուտքին:

СЕЛО ЦАР (Карвачарский район, Арцах). Место монастыря Гетамиджо (1301 г.), расположенного на конце мысообразной ветви хребта между реками Трту и Цар, стоявшего до начала 1950-х гг., а затем полностью уничтоженного; архитектурные обломки и чисто тесаные облицовочные камни с надписями, использованные в качестве стройматериала в стенах азербайджанской школы села Чраг, расположенной неподалеку от монастыря (фот. — С. Карапетяна, 1993 г.). Кстати, рельефы львов, являющиеся символами, преграждающими вход зла, которые находятся по двум сторонам входа азербайджанской школы, несомненно, изначально располагались в аналогичном положении у входа монастыря Гетамиджо. Между тем, вандалы, не осознавая смысла символов, воспроизвели то же самое у входа школы села Чраг.

TZAR VILLAGE, Karvajar District, Republic of Artsakh (Nagorno Karabakh). The site of Getamijo Monastery (1301), which was preserved standing until the early 1950s at the termination of a mountain branch extending like a cape in the area between the rivers Trtu and Tzar; fragments and finely-dressed inscribed stones of revetment from the monastery used as building material in the walls of the Azerbaijani school of Chragh Village located not very far (photos by S. Karapetian, 1993). Both sides of the entrance to the Azerbaijani school are decorated with reliefs of lions which undoubtedly used to adorn the entrance to Getamijo Monastery as symbolising protection against evil. Ridiculous as it is, the vandals—far from perceiving their symbolical significance—have placed them at the entrance to the school built with the stones of the annihilated monastery.





ԲԱՆԱՆՑ ԳՅՈՒՂ (այժմ՝ Բայան, Դաշկեսանի շրջան). 1988 թ. ի վեր հայաթափ գյուղի Սր. Գրիգոր Լուսավորիչ եկեղեցու (Ժթ դար) զանգակատունը՝ Մարտիրոս Չալումյանի ջանքերով կանգնեցված խաչով հանդերձ (լուս.՝ Ս. Կարապետյանի, 1986 թ.)

Ներկայումն խաչը փոխարինվել է գյուղին տիրացած երկրի դրոշով:

СЕЛО БАНАНЦ (ныне — Баян, Дашкесанский район). Колокольня церкви Сурб Григор Лусаворич (Св. Григория Просветителя) (XIX в.) вместе с крестом, установленным усилиями Мартироса Чалумяна (фот. — С. Карапетяна, 1986 г.). Село было опустошено от армян в 1988 г.

Ныне на колокольне установлен азербайджанский флаг.

BANANTS (now: Bayan) VILLAGE, Dashkesan District. The belfry of St. Grigor Lusavorich (Gregory the Enlightener) Church (19th century) with its cross made and installed by Martiros Chalumian (photo by S. Karapetian, 1986); the church belfry with the flag of the country holding the village under occupation since 1988

ԵՐԻՑ ՄԱՆԿԱՆՑ ՎԱՆՔ (Արցախ, Մարտակերտի շրջան). Վանքի եկեղեցին ժամանակակից կառուցումը կանգնեցված խաչով 1986 թ. և առանց խաչի 1992 թ. ազատագրումից հետո (լուս.՝ Ս. Կարապետյանի)

МОНАСТЫРЬ ЕРИЦ МАНКАНЦ (Трех отроков) (Мартакертский район, Арцах). Церковь (XVII в.) монастыря с крестом на куполе в 1986 г. и после освобождения в 1992 г. — без креста (фот. — С. Карапетяна)

YERITS MANKANTS MONASTERY, Martakert District, Republic of Artsakh (Nagorno Karabakh). The monastic church with a cross surmounting its dome since the 17th century (photo by S. Karapetian, 1986)

The church after the 1992 liberation of the district (photo by S. Karapetian)



ԼԱԼԱԶԱՐԻ ԿԱՍՈՒՐՁ (Արցախ, Քաշադի շրջան)։ Որոտան գետի վրա Սիմեոն Լալազարյանցի միջոցներով 1867 թ. կառուցված երկրորդ կամուրջը և միտումնավոր քերպած հայերեն շինարարական արձանագրությունը (լուս.՝ Ս. Կարապետյանի, 1996 թ.)

МОСТ ЛАЛАЗАРА (Кашатагский район, Арцах). Двухпролетный мост, построенный усилиями Симеона Лалазаряна в 1867 г. над рекой Воротан; умышленно соскобленная строительная надпись моста на армянском языке (фот. — С. Карапетяна, 1996 г.)

BRIDGE OF LALAZAR, Kashatagh District, Republic of Artsakh (Nagorno Karabakh). The double-span bridge built over the river Vorotan in 1867 with Simeon Lalazarians' means; its Armenian construction inscription as deliberately scraped off (photos by S. Karapetian, 1996)

039°26'27.63"E, 46°27'45.97"N

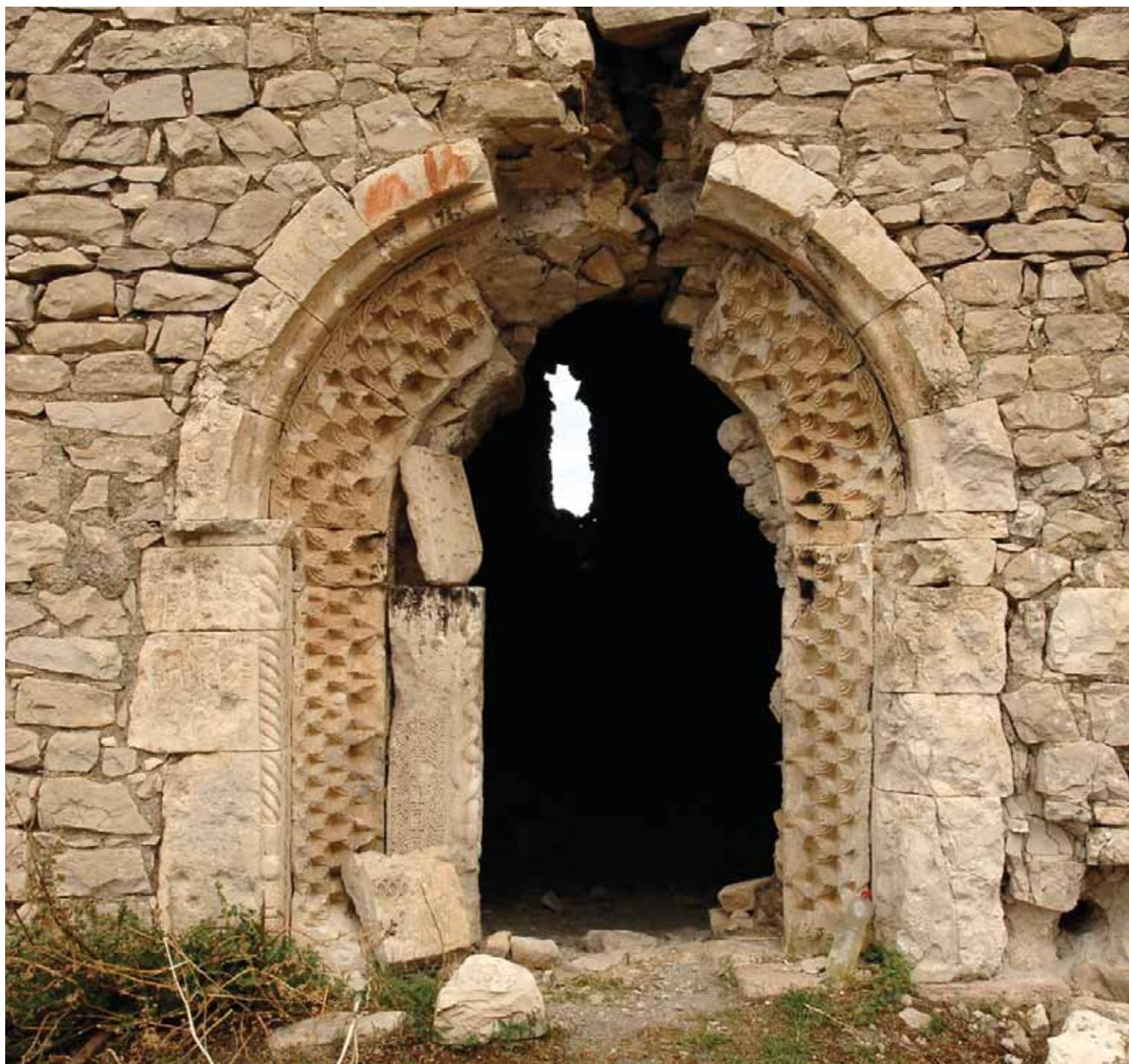


ԴՈՂԵՐ ԳՅՈՒՂ (Արցախ, Ղաղթութի շրջան). Կավաք վանքի եկեղեցին հյուսիս-արևմուտքից և արևմտյան ճակատից բացված մուտքին հարող հատվածը 1982 թ. և ազատագրումից հետո՝ 2009 թ. (լուս.՝ Ս. Կարապետյանի)



СЕЛО ХОГЕР (Гадрутский район, Арцах). Вид церкви монастыря Кавак с северо-запада и фрагмент входа церкви, открывающегося с западного фасада, в 1982 г. и после освобождения — в 2009 г. (фот. — С. Карапетяна)

HOGHER VILLAGE, Hadrut District, Republic of Artsakh (Nagorno Karabakh). The church of Kavak Monastery from the north-west; its western portal in 1982 and 2009, after the liberation of the village (photos by S. Karapetian)



039°36'21.89"E, 47°05'28.53"N



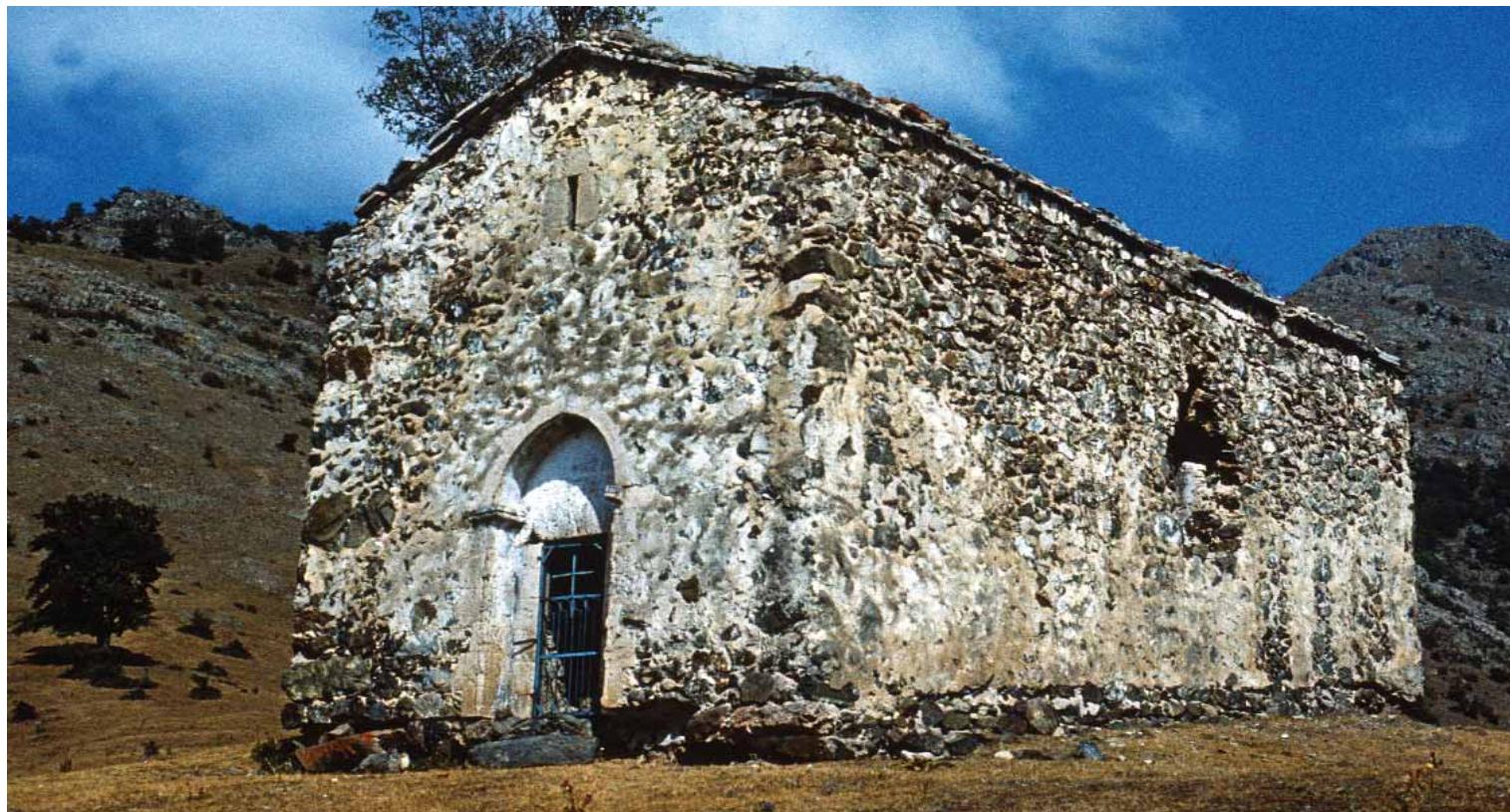
ՀՈՂԵՐ ԳՅՈՒՌ (Արցախ, Ջաղորութիւնագոմ). Կավաք վանքի եկեղեցու՝ ոչնչացված շինարարական արձանագրությունը (1742 թ.) և Դիզակի մելիքների զինանշանը՝ պատկերված եկեղեցու հարավային ավանդատան բարավորին, 1982 թ. և միտումնավոր փշրելուց հետո՝ 2009 թ. (լուս.՝ Ս. Կարապետյանի)

СЕЛО ХОГЕР (Гадрутский район, Арцах). Уничтоженная строительная надпись (1742 г.) церкви монастыря Кавак и герб меликов Дизака, высеченный на тимпане южной ризницы церкви в 1982 г. и после предумышленного соксобления — в 2009 г. (фот. — С. Карапетяна)

HOGHER VILLAGE, Hadrut District, Republic of Artsakh (Nagorno Karabakh). The construction inscription (1742) of the church of Kavak Monastery (now annihilated); the emblem of the *meliks* of Dizak, carved on the tympanum of the southern sacristy of the church, in 1982 and 2009, as deliberately scraped away (photos by S. Karapetian)



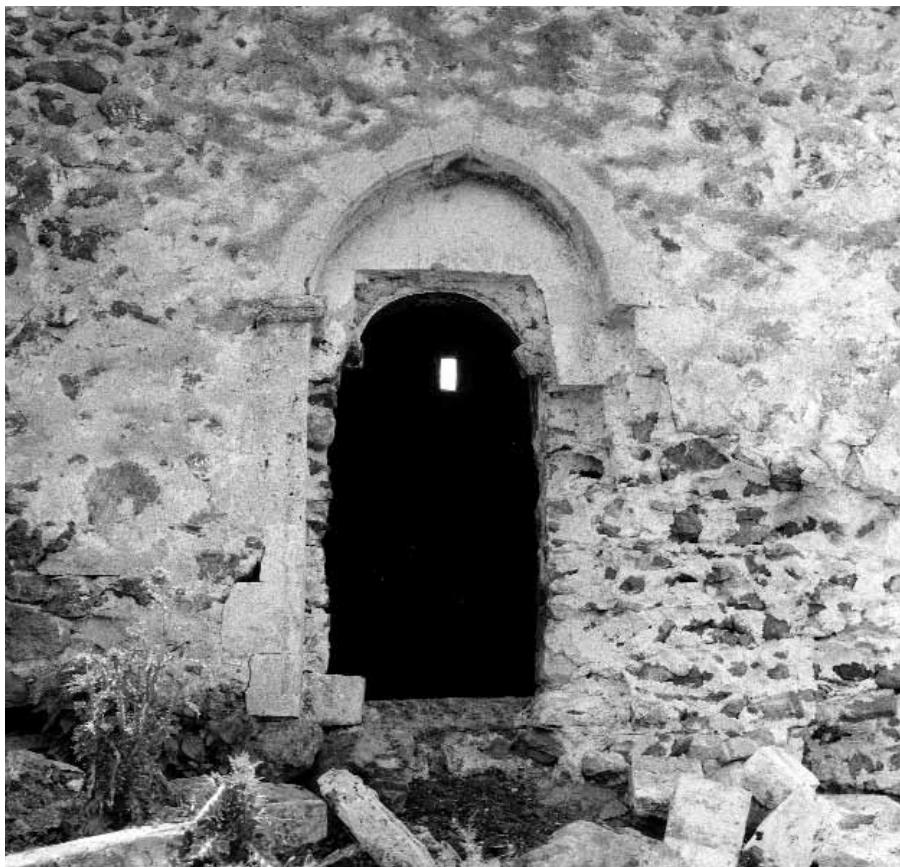
039°36'21.89"E, 47°05'28.53"N



ՄԵԾԵՆ ԳՅՈՒՂ (Արցախ, Շուշիի շրջան, Բերդաձորի ենթաշրջան)։ Պարին Պիշ վանքի գլխավոր եկեղեցին (1668 թ.) հարավ-արևմուտքից 1989 և 1994 թթ. (լուս.՝ Ս. Կարապետյանի)

СЕЛО МЕЦШЕН (Бердадзорский подрайон, Шушинский район, Арцах)։ Вид главной церкви (1668 г.) монастыря Парин Пиж с юго-запада в 1989 и 1994 гг. (фот. — С. Карапетяна)

METZHEN VILLAGE, Berdadzor Sub-District, Shushi District, Republic of Artsakh (Nagorno Karabakh). The main church (1668) of Parin Pizh Monastery from the south-west as of 1989 and 1994 (photos by S. Karapetian)



Վանքի գլխավոր եկեղեցին և շինարարական արձանագրությունը (լուս.՝ Ս. Կարապետյանի, 1989 թ.)

Բերդաձորի ազատագրումից (1992 թ. մայիսի 17) հետո բացահայտվեց, որ աղբեջանցիների հազիվ մեկամյա տիրապետության ընթացքում ամհետացվել էին կառույցի անկյուններին և մուտքին հարող հատվածները՝ շինարարական արձանագրությամբ հանդերձ (լուս.՝ Ս. Կարապետյանի, 1994 թ.):

Вид главной церкви монастыря и строительная надпись (фот. — С. Карапетяна, 1989 г.)

После освобождения Бердадзора (17-ого мая 1992 г.) выяснилось, что в течение всего однолетней азербайджанской оккупации вместе со строительной надписью были уничтожены фрагменты стен, примыкавшие к углам и входу (фот. — С. Карапетяна, 1994 г.).

The main church of the monastery and its construction inscription (photos by S. Karapetian, 1989)

During the Azerbaijani occupation of Berdadzor (liberated on 17 May 1992) that hardly lasted a year, the sections adjoining the corners and entrance of the church were pulled down, with its construction inscription annihilated (photo by S. Karapetian, 1994).



ՄԵԾՇԵՆ գՅՈՒՂ (Արցախ, Ծուշիի շրջան, Բերդաձորի ենթաշրջան)։ Պարին Պիժ վանքի Սբ. Հոհիվսիմե մատուռը (ԺԹ դար) արևելքից 1989 թ. և ոչնչացումից հետո՝ 1994 թ. (լուս.՝ Ս. Կարապետյանի)

СЕЛО МЕЦШЕН (Бердадзорский подрайон, Шушинский район, Арцах). Вид часовни Сурб Рипсимэ (Св. Рипсимэ) (XIX в.) монастыря Парин Пиж с востока в 1989 г. и после уничтожения — в 1994 г. (фот. — С. Карапетяна)

METZSHEN VILLAGE, Berdadzor Sub-District, Shushi District, Republic of Artsakh (Nagorno Karabakh). St. Hripsime Chapel (19th century) of Parin Pizh Monastery from the east and its site after its annihilation (photos by S. Karapetian, 1989 & 1994)



Պարին Պիժ վանքի Սր. Հոհիկսիմե մատուռն արևմուտքից 1989 թ. և ոչնչացումից հետո՝ 1994 թ. (լուս.՝ Ս. Կարապետյանի)

Вид часовни Сурб Рипсимэ (Св. Рипсимэ) монастыря Парин Пиж с запада в 1989 г. и после уничтожения — в 1994 г. (фот. — С. Карапетяна)

St. Hripsime Chapel of Parin Pizh Monastery from the west and its site after its annihilation (photos by S. Karapetian, 1989 & 1994)



ԱՌԱՔԵԼ ԳՅՈՒՂ (Արցախ, Հադրութի շրջան). Սր. Աստվածածին եկեղեցին (ի դարի սկիզբ) մինչև գյուղի գրավումն աղբեջանական ելուզակների կողմից (արտաստպված Շ. Մկրտչյանի՝ “Իստորико-արհիկառական պատմությունների կատալոգ” աշխատությունից) և ազատագրումից հետո (լուս.՝ Ս. Կարապետյանի, 2009 թ.)

СЕЛО АРАКЕЛ (Гадрутский район, Арцах). Вид церкви Сурб Аствацин (Пресв. Богородицы) (начало XX в.) до оккупации села азербайджанскими разбойниками (перепечатано из книги Ш. Мкртчяна «Историко-архитектурные памятники Нагорного Карабаха», Ереван, 1988 г.) и после освобождения района (фот. — С. Карапетяна, 2009 г.).

ARAKEL VILLAGE, Hadrut District, Republic of Artsakh (Nagorno Karabakh). Sourb Astvatzatzin (Holy Virgin) Church (early 20th century) before the occupation of the village by the Azerbaijani bandits. Reprinted from: **Mkrtychian, Sh.** The Historical and Architectural Monuments of Nagorno Karabakh (Yerevan, 1988) [in Russian]. The church after the liberation of the district (photo by S. Karapetian, 2009)

ՀԻՆՇԵՆ ԳՅՈՒՂ (Արցախ, Շուշիի շրջան)։ Բերդաձորի ենթաշրջանի ազատագրումից (1992 թ. մայիսի 17) հետո բացահայտվեց, որ ադրբեյջանցիները հազիվ մեկամյա տիրապետության ընթացքում ավերել էին Հայրենական մեծ պատերազմում (1941-1945 թթ.) զոհված հինչենցիների հիշատակը հավերժանող հուշարձանը (լուս.՝ Ս. Կարապետյանի, 1989 և 1994 թթ.):

СЕЛО ХИНШЕН (ШУШИНСКИЙ район, Арцах). После освобождения Бердадзорского подрайона (17-ого мая 1992 г.) выяснилось, что в течение всего однолетней оккупации азербайджанцы разрушили памятник, поставленный в честь хиншенцев, погибших во время Великой Отечественной войны (1941-1945 гг.) (фот. — С. Карапетяна, 1989 и 1994 гг.).

HINSHEN VILLAGE, Berdazor Sub-District, Shushi District, Republic of Artsakh (Nagorno Karabakh). The memorial built in honour of the Armenians perished during the Great Patriotic War (1941 to 1945) It was broken to pieces during the Azerbaijani occupation of Berdazor (liberated on 17 May 1992) that hardly lasted a year (photos by S. Karapetian, 1989 & 1994).

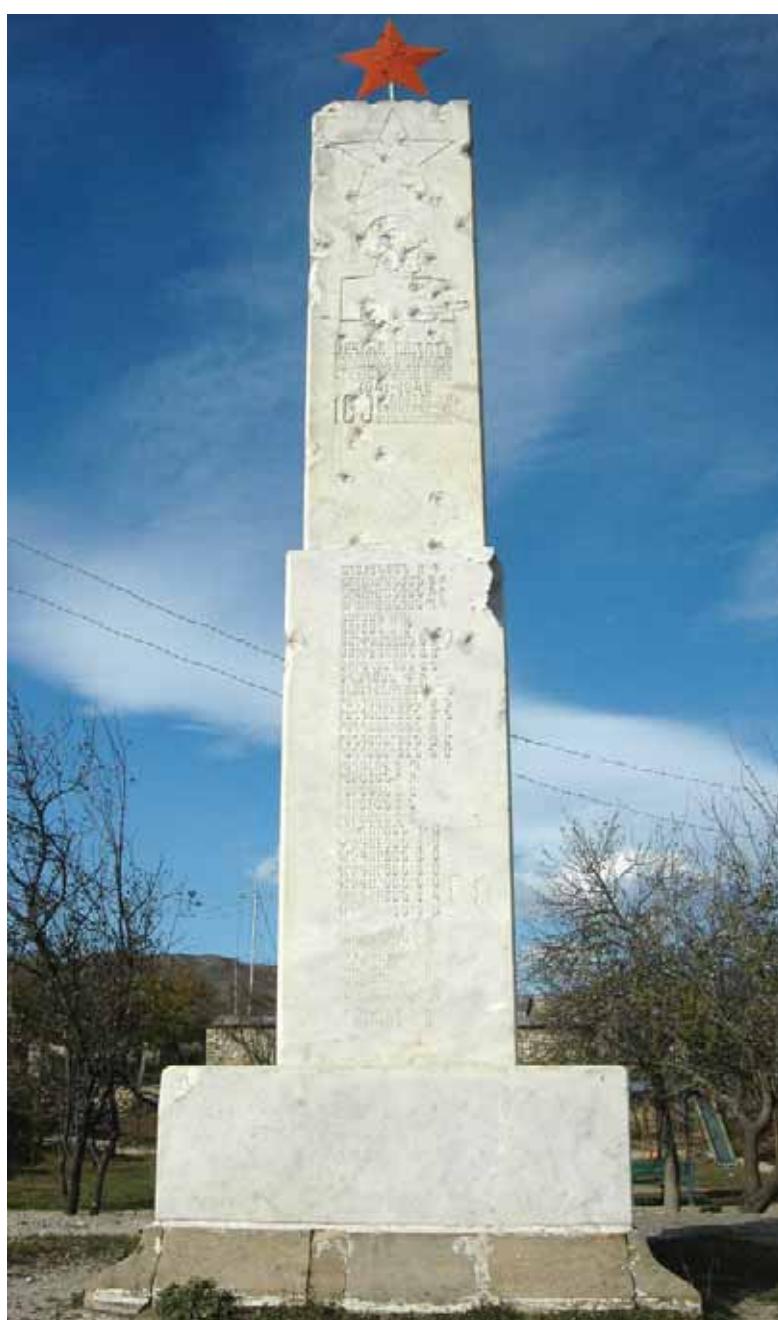




ԲԱՆԱՆՑ ԳՅՈՒՂ (այժմ՝ Բայան, Դաշկեսանի շրջան). Հայրենական մեծ պատերազմում (1941-1945 թթ.) զոհված հայորդիների հիշատակին ճարտ. Ո. Իսրայելյանի նախագծով կառուցված, սակայն աղբեջանական ելուզակների կողմից 1978 թ. մի գիշերվա ընթացքում ավերված հուշարձանը (լուս. հեղ.՝ անհայտ)

СЕЛО БАНАНЦ (ныне — Баян, Дашкесанский район). Памятник, поставленный в память об армянах, погибших во время Великой Отечественной войны (1941-1945 гг.) по проекту архитектора Р. Исраеляна. Он был разрушен азербайджанцами за одну ночь в 1978 г. (автор фот. неизвестен)

BANANTS (now: Bayan) VILLAGE, Dashkesan District. The memorial (architect: R. Israeliyan) built in honour of the Armenians perished during the Great Patriotic War (1941 to 1945) was destroyed by some Azerbaijani bandits within a single night in 1978 (unknown photographer).



ԽԾԱԲԵՐԴ ԳՅՈՒՂ (Արցախ, Ջադրութի շրջան). Հայենական մեծ պատերազմում (1941-1945 թթ.) զոհված հայորդիների հիշատակին կանգնեցված հուշարձանը, որը զնդակոծվել է աղբեջանական ելուզակների կողմից գյուղը նույնիսկ կարծ ժամանակով գրավելու ընթացքում 1991-1992 թթ. (լուս.՝ Ս. Կարապետյանի, 2009 թ.):

СЕЛО ХЦАБЕРД (Гадрутский район, Арцах). Обелиск, воздвигнутый в память о павших в годы Великой Отечественной войны (1941-1945 гг.) армянских солдатах. Был поврежден при обстреле во время кратковременной оккупации в 1991-1992 гг. азербайджанцами (фот. — С. Карапетяна, 2009 г.).

KHETZABERD VILLAGE, Hadrut District, Republic of Artsakh (Nagorno Karabakh). During the occupation of this village, which hardly lasted a year (1991 to 1992), the monument built in honour of the Armenians perished during the Great Patriotic War (1941 to 1945) served as a shooting target for the Azerbaijanians (photo by S. Karapetian, 2009).

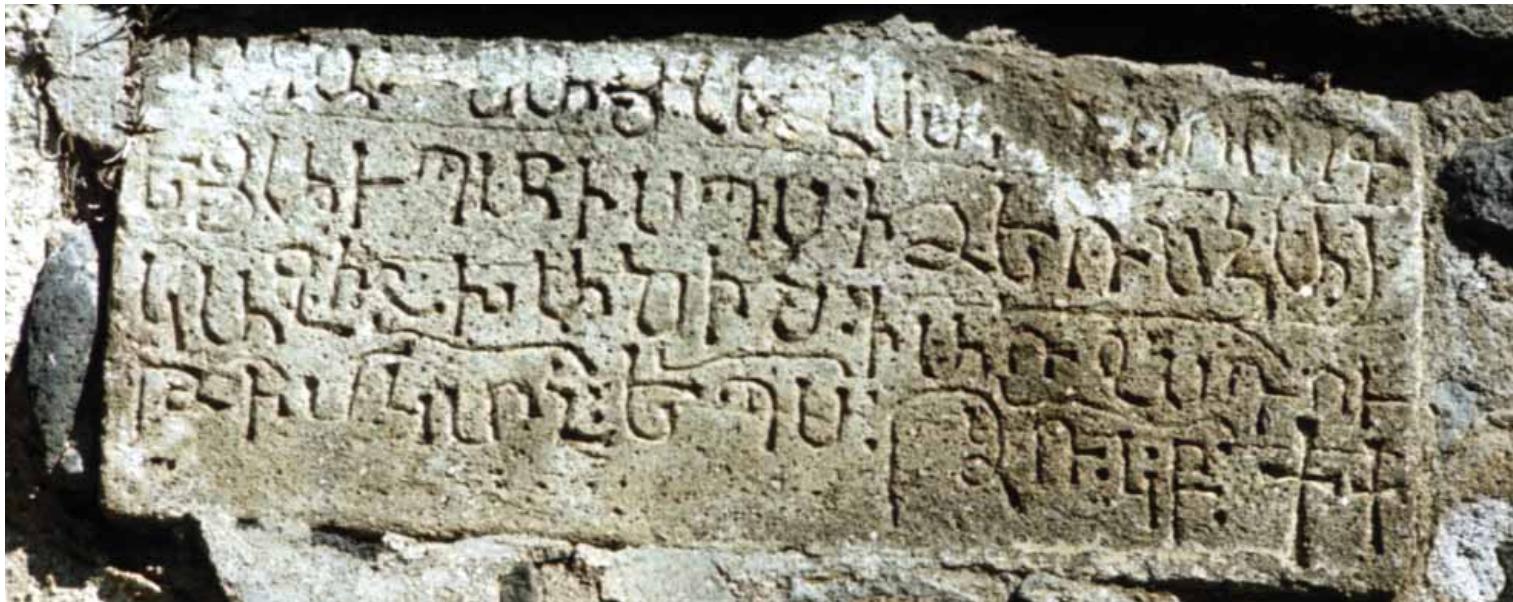


ՔԱՐԱԳԼՈՒԽ, ՄՅՈՒԼԿՈՒԴԱՐԱ ԳՅՈՒՂԵՐ (Արցախ, Դադրութի շրջան). Ցայրենական մեծ պատերազմում (1941-1945 թթ.) զոհված հայորդիների հիշատակին կանգնեցված հուշարձանները, որոնք ավերվել կամ գնդակոծվել են ադրբեջանական ելուզակների կողմից այս գյուղերը նույնիսկ կարծ ժամանակով գրավելու ընթացքում 1991-1992 թթ. (լուս.՝ Ս. Կարապետյանի, 2009 թ.):

СЕЛА КАРАГЛУХ, МЮЛКУДАРА (Гадрутский район, Арцах). Обелиски, воздвигнутые в память о павших в годы Великой Отечественной войны (1941-1945 гг.) армянских солдатах, разрушенные или поврежденные при обстреле этих сел азербайджанскими бандами во время кратковременной оккупации в 1991-1992 гг. (фот. — С. Карапетяна, 2009 г.)

KARAGLUKH AND MYULKUDARA VILLAGES, Hadрут District, Republic of Artsakh (Nagorno Karabakh). During the occupation of these places (1991 to 1992)—even if it lasted for only a short period—the monuments built in honour of the Armenians perished during the Great Patriotic War (1941 to 1945) either suffered destruction or served as shooting targets (photos by S. Karapetian, 2009).

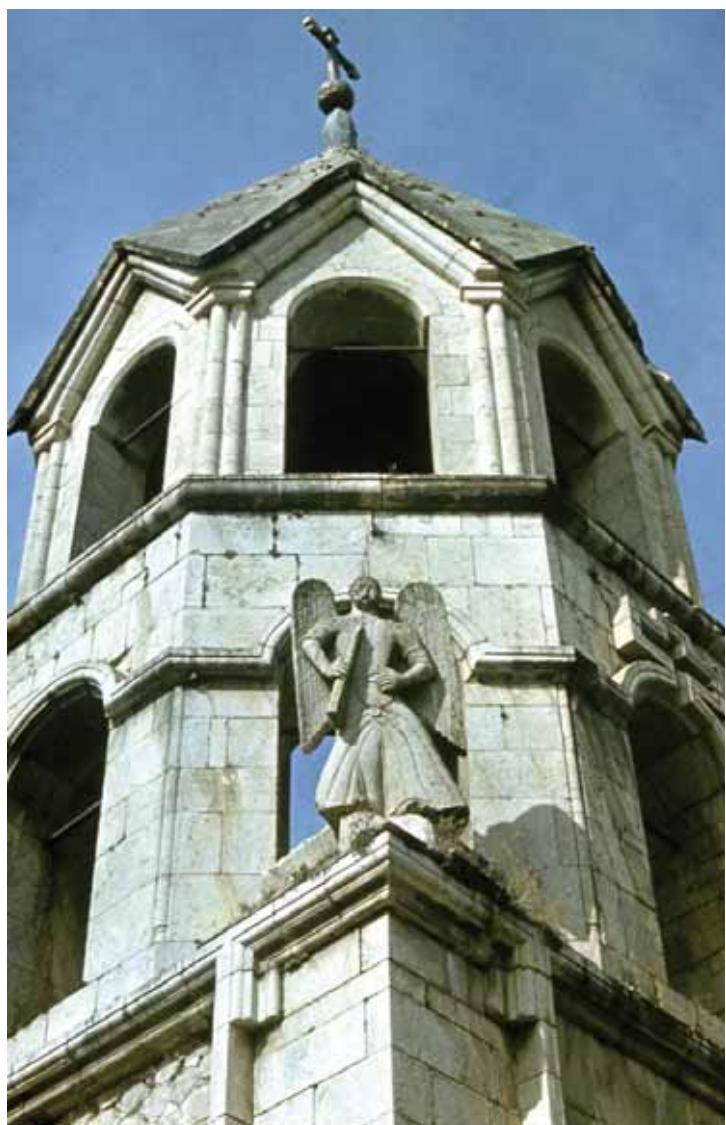
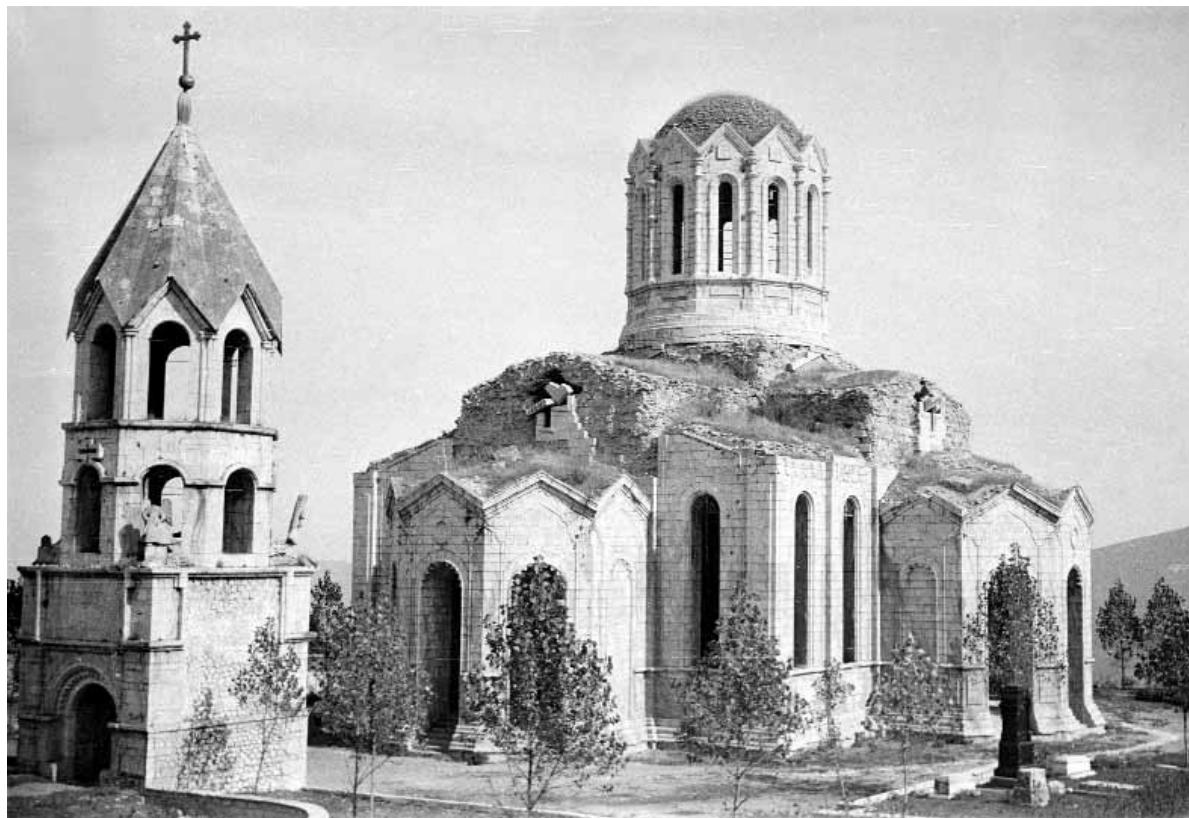




ԾԻԾԵՈՆԱՎԱՆ ԳՅՈՒՂ (Արցախ, Քաշարաղի շրջան). Ծիծեոնավանքի շրջապարսափից բացված դարպասի՝ 1613 թ. շինարարական արձանագրությունը 1985 թ. (լուս.՝ Յ. Զաքարյանի) և նույն դարպասն առանց արձանագրության Քաշարաղի ազատագրումից (1992 թ.) հետո (լուս.՝ Ս. Կարապետյանի, 1996 թ.)

СЕЛО ЦИЦЕРНАВАН (Кашатагский район, Арцах). Строительная надпись (1613 г.) ворот, открытых с монастырской ограды, в 1985 г. (фот. — О. Закаряна) и ворота без строительной надписи после освобождения Кашатага в 1992 г. (фот. — С. Карапетяна, 1996 г.).

TZITZERNAVAN VILLAGE, Kashatagh District, Republic of Artsakh (Nagorno Karabakh). The construction inscription (1613) of the gate of the monastic enclosure (photos by H. Zakarian, 1985); the same gate after the 1992 liberation of Kashatagh, with the stone bearing its construction inscription having “disappeared” (photo by S. Karapetian, 1996)



ՇՈՒՇԻ ՔԱՂԱՔ (Արցախ, Շուշի շրջան). Ղազանչեցոց Սբ. Ամենափրկիչ եկեղեցին (Ժթ դար) և զանգակատան առաջին հարկի տաճիքի չորս անկյուններում գետեղված փողահար հրեշտակների արձաններից վերջինը, որը տեղում էր մինչև 1989 թ.: Ինչպես պարզվեց քաղաքի ազատագրումից (1992 թ. մայիսի 9) հետո, ադրբեյջանցիները, այն վայր ձգելով, փշրել էին (լուս.՝ Ս. Կարապետյանի և Հ. Զաքարյանի, 1980, 1983 և 1993 թթ.): Ավելի վաղ ոչնչացված մյուս երեք արձանները վերակերտման ընթացքում (լուս.՝ Մ. Սարգսյանի, 1980-ական թթ. վերջեր)

ГОРОД ШУШИ (Шушинский район, Арцах). Церковь Казанчецоц Сурб Аменапркич (Св. Христа Всеспасителя) (XIX в.) и последняя из статуй ангелов с трубами, установленных в четырех углах первого яруса крыши колокольни, стоявшая на месте до 1989 г. Как выяснилось после освобождения города 9-ого мая 1992 г., она была сброшена и разбита на куски азербайджанцами (фот. — С. Карапетяна и О. Закаряна, 1980, 1983 и 1993 гг.). Один из эпизодов воссоздания остальных трех статуй, уничтоженных ранее (фот. — М. Саргсяна, конец 1980-х гг.)

SHUSHI CITY, Shushi District, Republic of Artsakh (Nagorno Karabakh). Ghazanchetsots Sourb Amenaprkich (19th century) Church; the last of the four statues of trumpet-playing angels once adorning the four corners of the roof of the first floor of the church belfry

The statue was preserved *in situ* until 1989. During the occupation of Shushi (liberated on 9 May 1992), the Azerbaijanians broke it to pieces by pulling it down with metallic ropes (photos by S. Karapetian & H. Zakarian, 1980, 1983 & 1993).

A scene from the re-sculpture of the other three statues destroyed earlier (photo by M. Sargissian, late 1980s)



039°45'31.64"E, 46°44'51.10"N

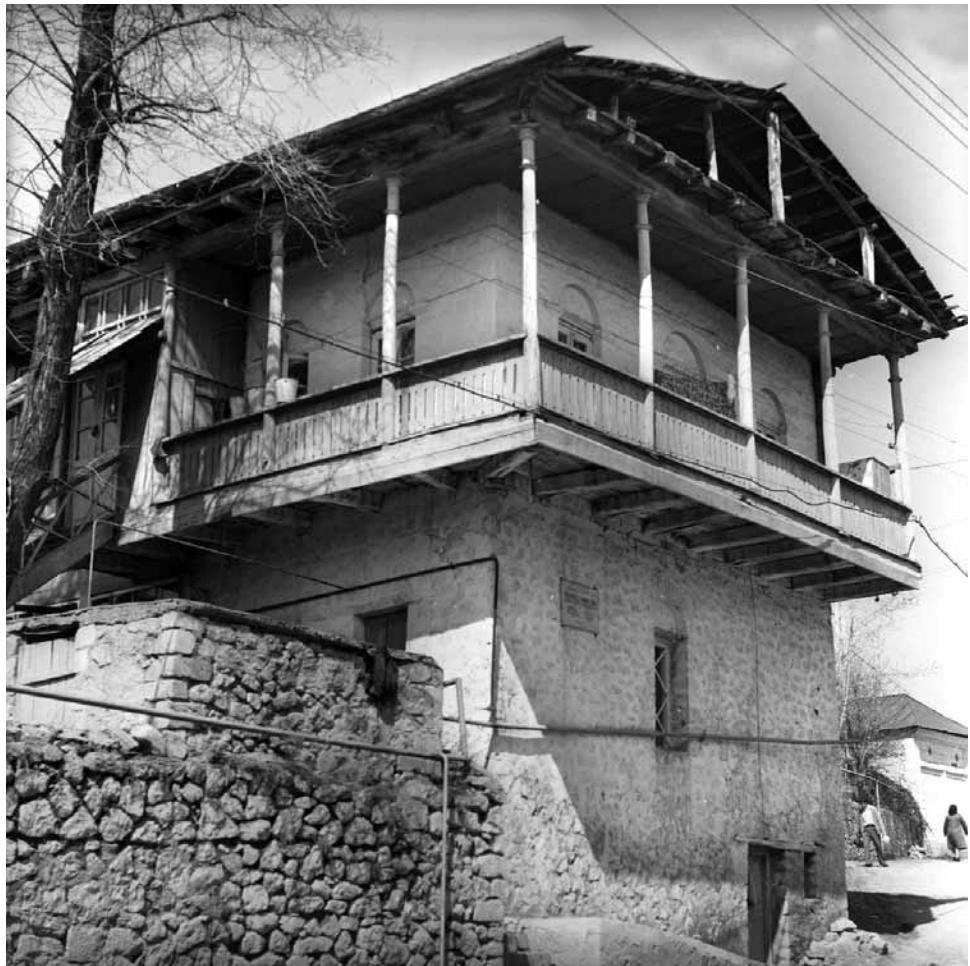


ՇՈՒՇԻ ՔԱՂԱՔ (Արցախ, Շուշիի շրջան). Ղազանչեցոց Սր. Ամենափրկիչ (ԺԹ դար) եկեղեցին և զանգակատունը վերականգնումից հետո (լուս.՝ Ս. Կարապետյանի, 2008 թ.)

ГОРОД ШУШИ (Шушинский район, Арцах). Вид церкви Казанчецоц Сурб Аменапркич (XIX в.) и колокольня после восстановления (фот. — С. Карапетяна, 2008 г.)

SHUSHI CITY, Shushi District, Republic of Artsakh (Nagorno Karabakh). Ghazanchetsots Sourb Amenaprkich Church (19th century) and its belfry after restoration (photo by S. Karapetian, 2008)

039°45'31.64"E, 46°44'51.10"N



ՇՈՒՇԻ ՔԱՂԱՔ (Արցախ, Շուշի). Ժմ դարի վերջին կառուցված բնակելի տուն՝ վերանորոգված ըստ «զեղեցիկի» ադրբեջանական ընկալումների (լուս.՝ Ս. Սարգսյանի, 1980-ական թթ.)

ГОРОД ШУШИ (Шушинский район, Арцах). Вид построенного в конце XIX в. жилого дома, исковерканный согласно азербайджанскому восприятию о «красивом» (фот. — М. Саргсяна, 1980-е гг.)

SHUSHI CITY, Shushi District, Republic of Artsakh (Nagorno Karabakh). A house (late 19th century) repaired so as to conform to the Azerbaijanians' understanding of what is "beautiful" (photos by M. Sargissian, 1980s)

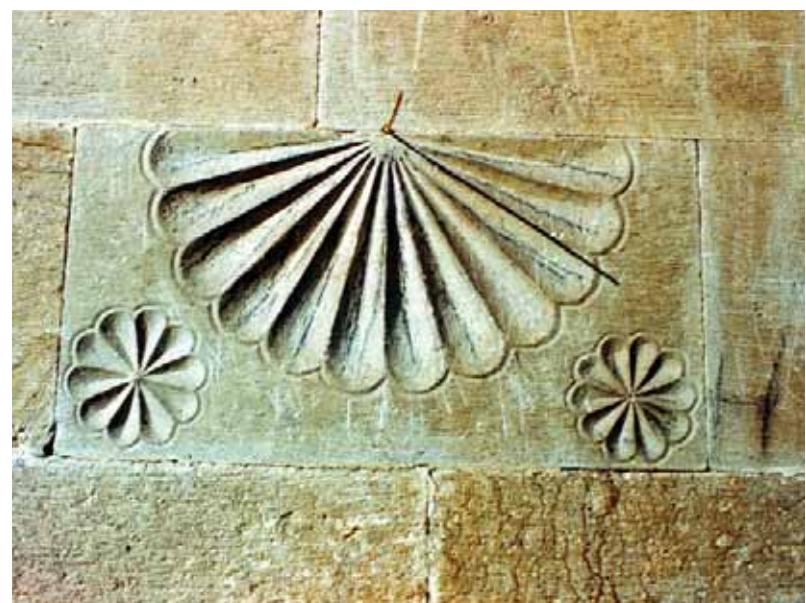


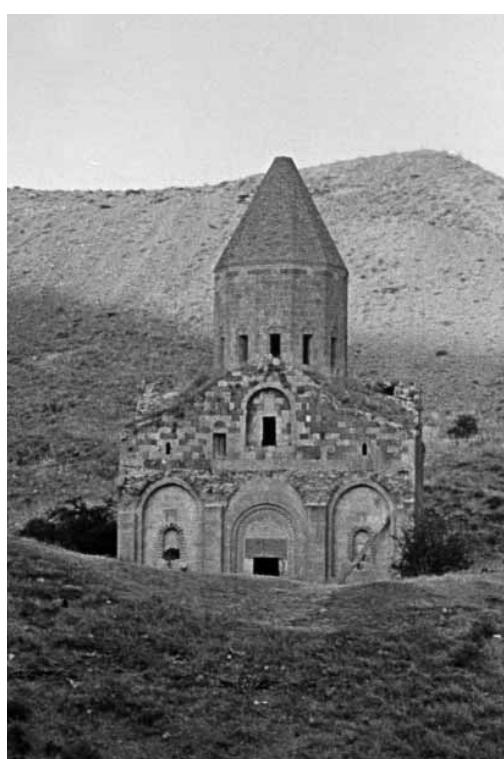
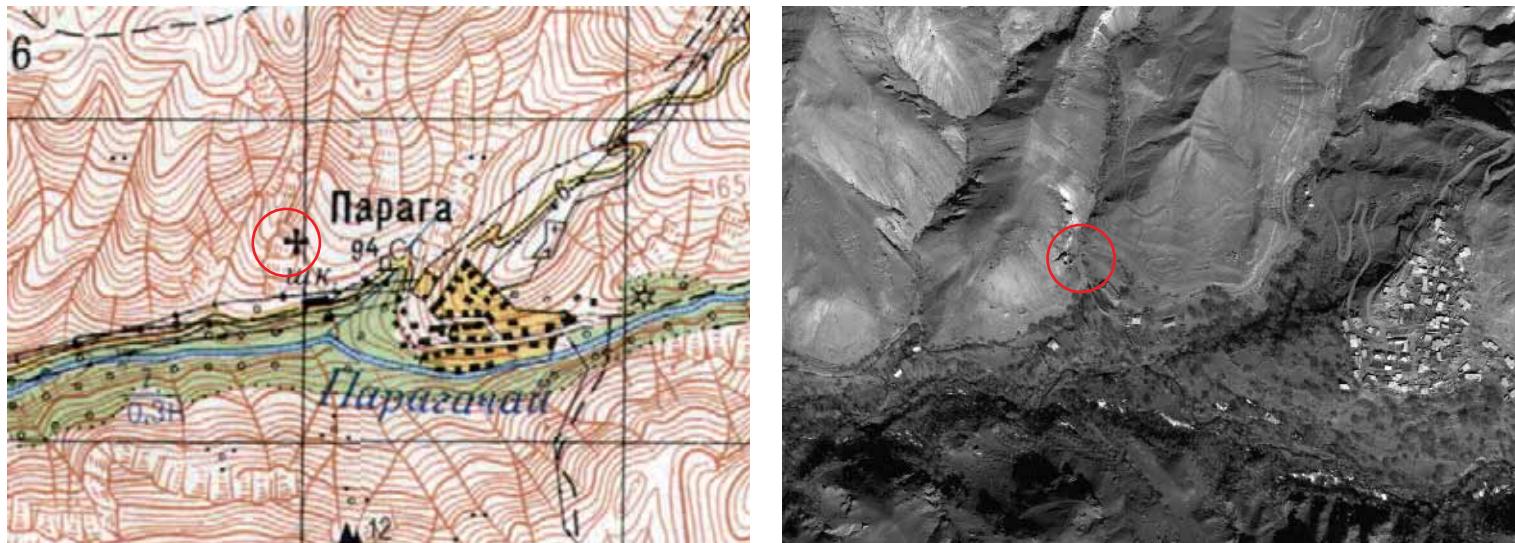


ОЗОП ԳՅՈՒՂ (այժմ՝ Բադամլու, Նախչիվանի ԻՇ, Շահբուզի շրջան). 1611 թ. համակ սրբատաշ քարով վերակառուցված վանքի տեղը ԽՍՀՄ գլխավոր գինվորական շտաբի քարտեզի վրա և ոչնչացումից հետո (Google Earth, 2016 թ.) Վանքը նախքան ոչնչացումը և դրվագներ (լուս.՝ Ա. Վարդանյանի, 1980-ական թթ.) Վանքը գմբեթավոր եկեղեցով և օժանդակ կառույցներով հիմնվին ոչնչացվել է 1990-ական թթ. վերջերին:

СЕЛО ОЦОП (ныне — Бадамлы, Шахбузский район, Нахичеванская АР). Место монастыря, реконструированного полностью гладко тесанными камнями в 1611 г., на карте Генштаба ВС СССР и после уничтожения (Google Earth, 2016 г.). Монастырь до уничтожения и его фрагменты (фот. — А. Варданяна, 1980-е гг.); монастырь вместе с купольной церковью и примыкающими постройками полностью был уничтожен в конце 1990-х гг. (фот. — А. Варданяна).

OTZOP (now: Badamlu) VILLAGE, Shahbuz District, Autonomous Republic of Nakhijevan. The village monastery, comprising a domed church and outhouses (thoroughly reconstructed with finely-dressed stones in the 17th century), as marked on the map of the USSR General Military Headquarters; its site after its total destruction in the late 1990s (Google Earth, 2016); the monastery before its annihilation and partial views (photos by A. Vardanian, 1980s)



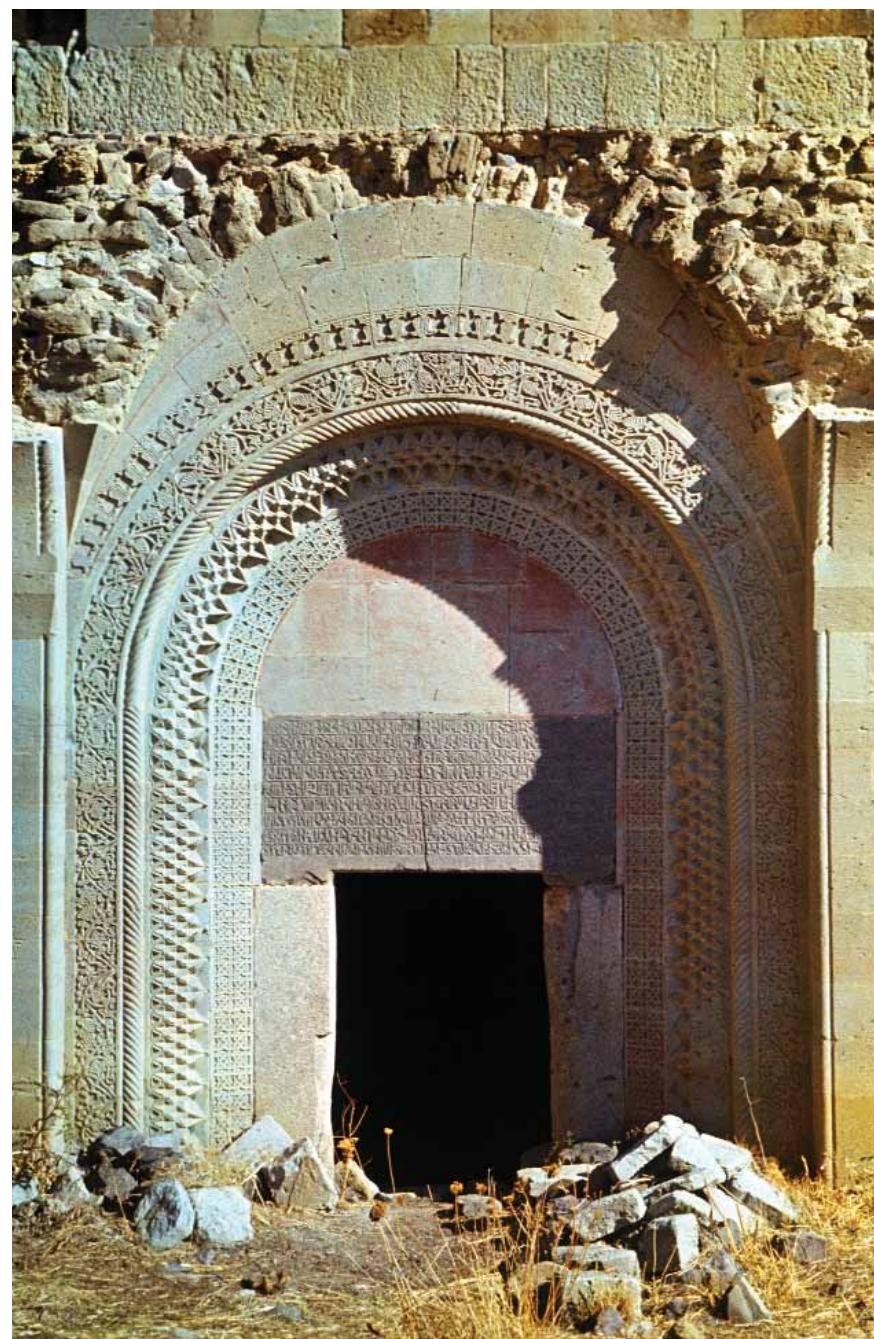


ՓԱՌԱԿԱ ԳՅՈՒՂԻ (Նախիջևանի ԻՀ, Օրդուբադի շրջան). որմներին բազմաթիվ արձանագրություններով և հարդարանքի այլ տարրերով հարուստ, իսկ ներսում որմնանկարագարդ Սրբակությունը կանքի (հիմն. ԺԲ-ԺԳ դր., Վրկո. 1691-1701 թթ.) տեղը ԽՄՀՄ գլխավոր զինվորական շտաբի քարտեզի վրա և ոչնչացումից հետո Google Earth-ի 2016 թ. տիեզերքից կատարված լուսանկարում կանքի գմբեթավոր եկեղեցին հիմնահատակ ոչնչացվել է 1990-ական թթ. երկրորդ կեսին (լուս. հեղ.՝ անհայտ):

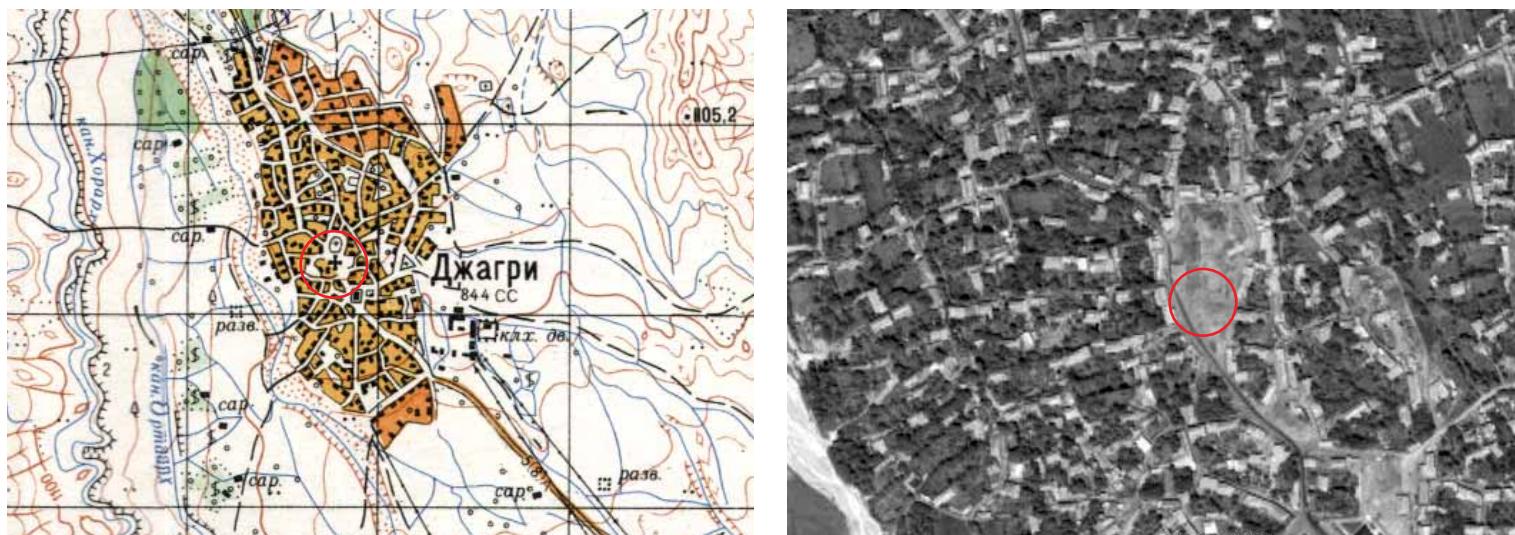
СЕЛО ПАРАКА (Ордубадский район, Нахичеванская АР). Место монастыря Сурб Акоп Айрапет (Св. Иакова Низибийского) (осн. в XII-XIII вв., реконстр. в 1691-1701 гг.) с многочисленными надписями на стенах и богатого элементами убранства, а изнутри — разрисованного фресками, на карте Генштаба ВС СССР и после уничтожения — на снимке, сделанном Google Earth из космоса в 2016 г.

Купольная церковь монастыря была полностью уничтожена во второй половине 1990-х гг. (автор фот. неизвестен).

PARAKA VILLAGE, Ordubad District, Autonomous Republic of Nakhijevan. St. Hakob Hayrapet (Jacob of Nisibis) Monastery (founded in the 12th to 13th cents., rebuilt in 1691 to 1701), which was adorned with numerous lapidary inscriptions, frescoes and other elements of decoration, as marked on the map of the USSR General Military Headquarters; the site of the annihilated monastery (Google Earth, 2016). The domed church of the monastery, which was levelled to the ground in the second half of the 1990s (unknown photographer)



039°04'34.69"E, 45°53'20.04"N

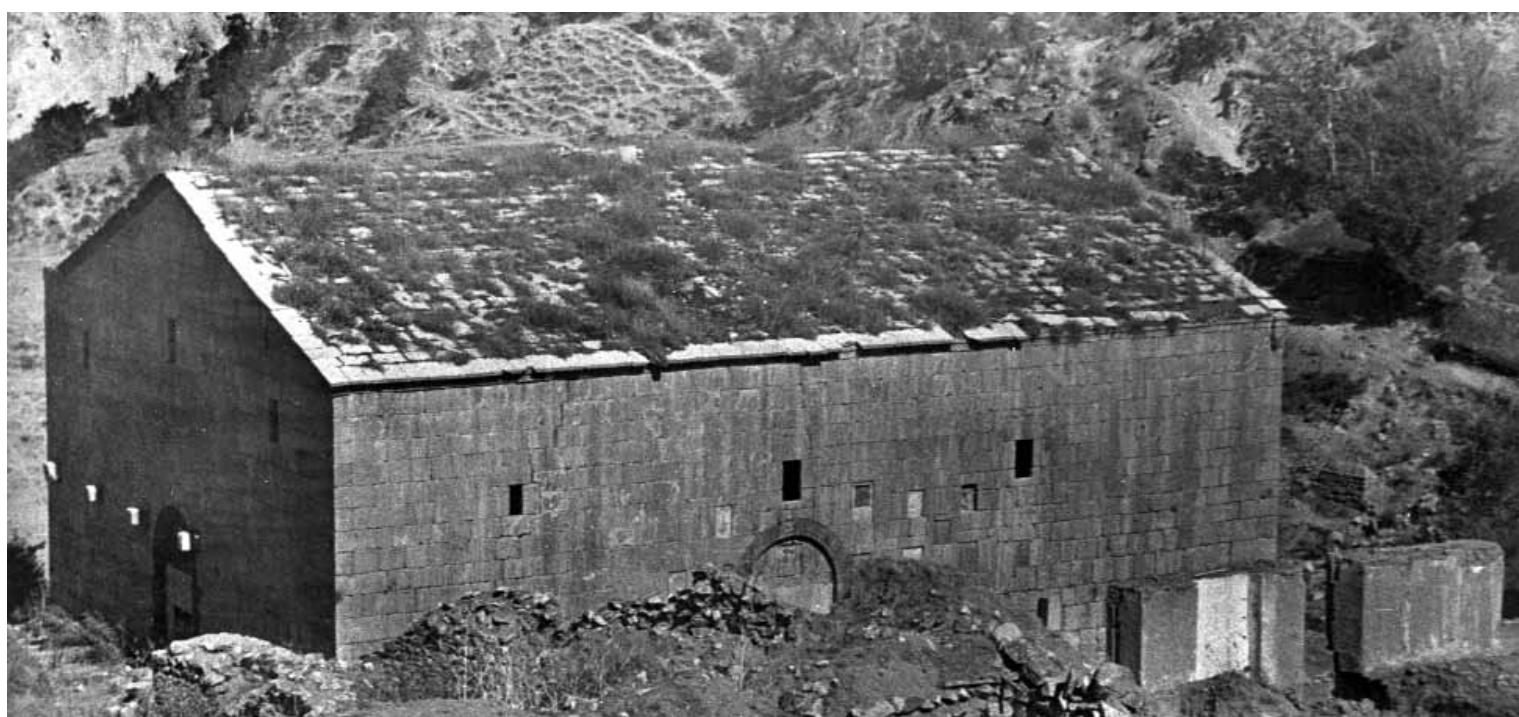
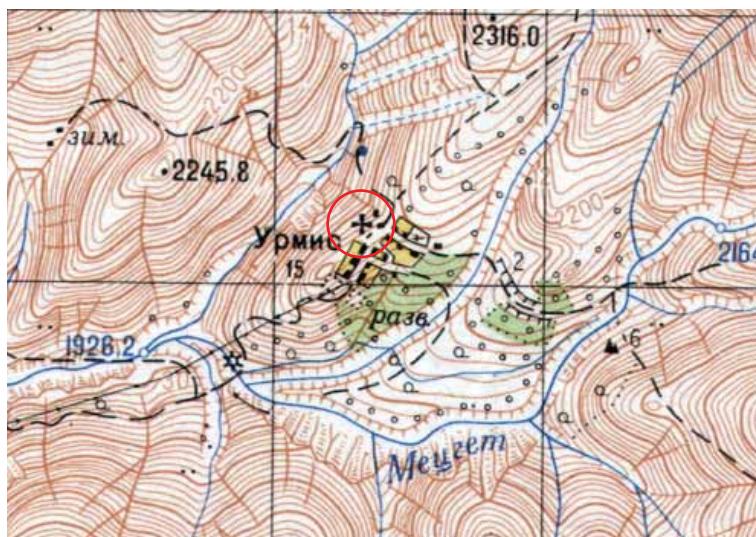


ՃԱՀՈՒԿ ԳՅՈՒՂ (այժմ՝ Զահրի, Նախիջևանի Իշխանություն, Նախիջևանի շրջան). Սր. Յովհաննես Եկեղեցու (հիմն. ԺԲ-ԺԳ դդ., վրա. 1640 թ.) տեղը ԽՄՀՄ գլխավոր զինվորական շտաբի քարտեզի վրա և ոչնչացումից հետո Google Earth-ի 2016 թ. տիեզերքից կատարված լուսանկարում Եկեղեցին հյուսիս-արևմուտքից և առանձին դրվագներ (լուս.՝ Ա. Վարդանյանի, 1986 թ.)

СЕЛО ЧАХУК (ныне — Джахри, Нахичеванский район, Нахичеванская АР). Место церкви Сурб Ованнес (Св. Иоанна Крестителя) (осн. в XII-XIII вв., реконстр. в 1640 г.) на карте Генштаба ВС СССР и после уничтожения — на снимке, сделанном Google Earth из космоса в 2016 г. Вид церкви с северо-запада и отдельные фрагменты церкви (фот. — А. Варданяна, 1986 г.)

JAHKUK (now: Jahri) VILLAGE, Nakhichevan District, Autonomous Republic of Nakhichevan. St. Hovhannes (John) Church (founded in the 12th to 13th cents., rebuilt in 1640) as marked on the map of the USSR General Military Headquarters; its site after its total demolition (Google Earth, 2016) The church from the north-west; partial views (photos by A. Vardanian, 1986)

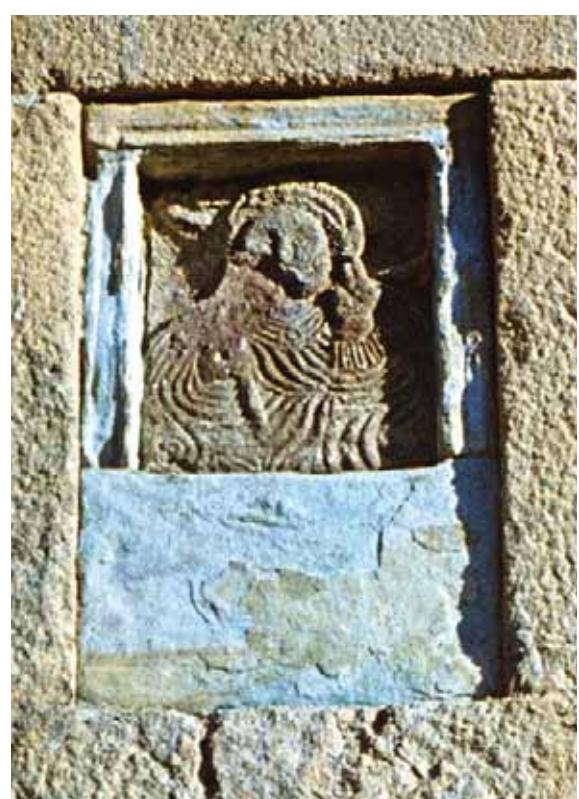


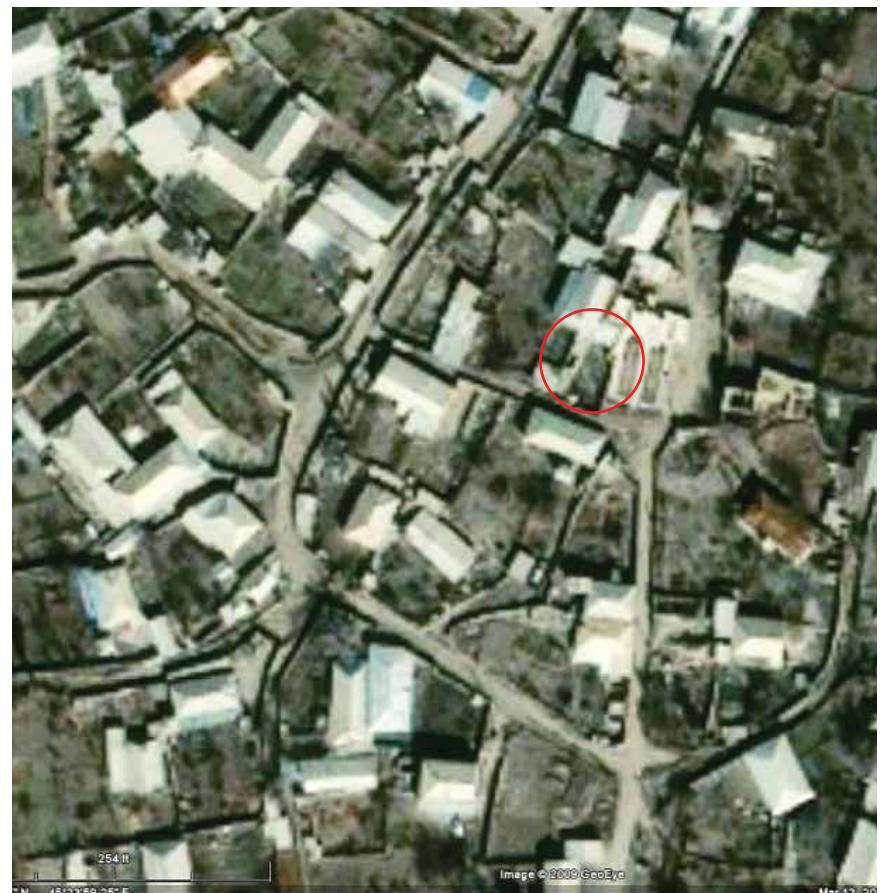
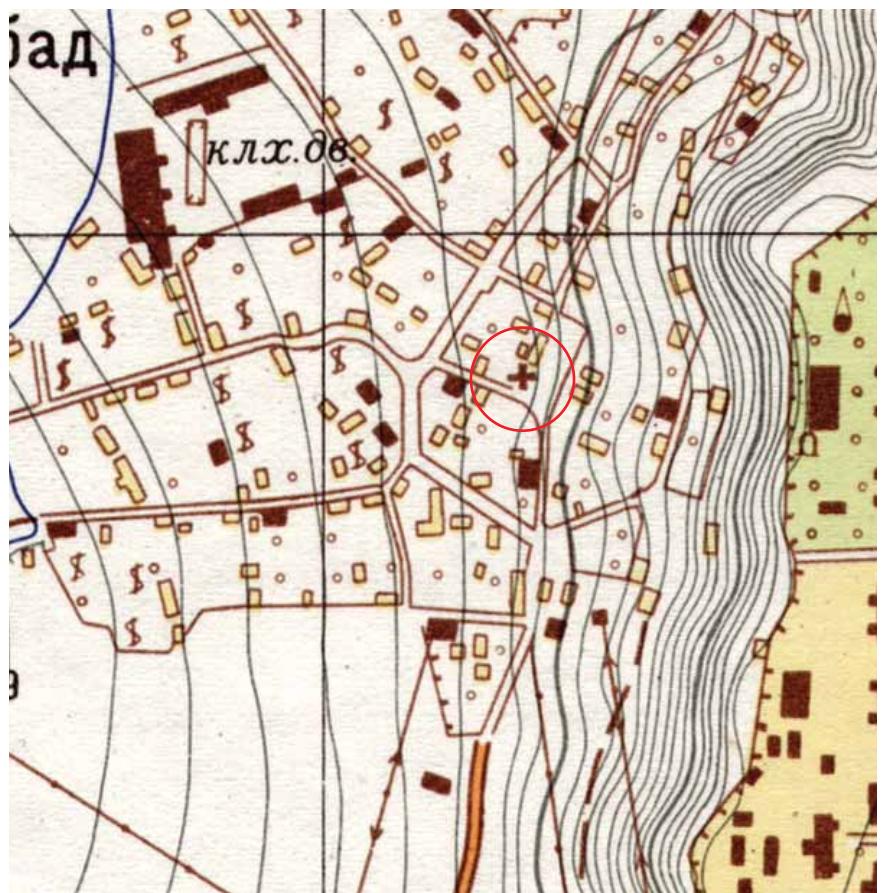


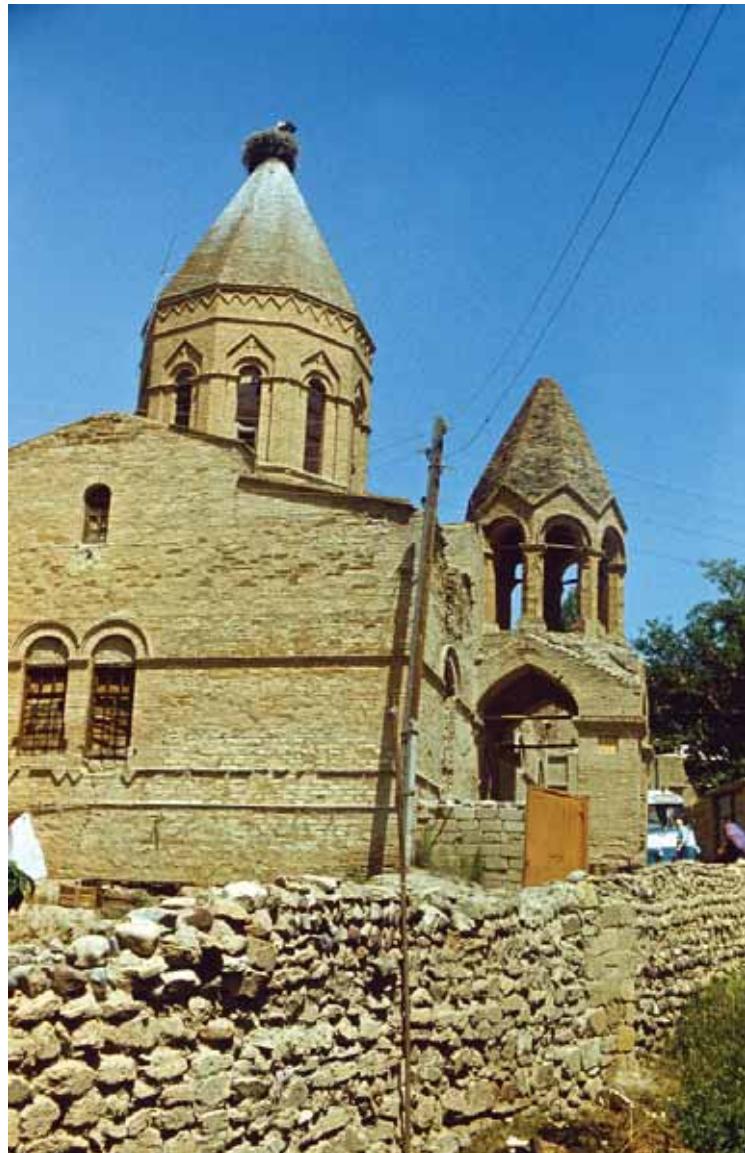
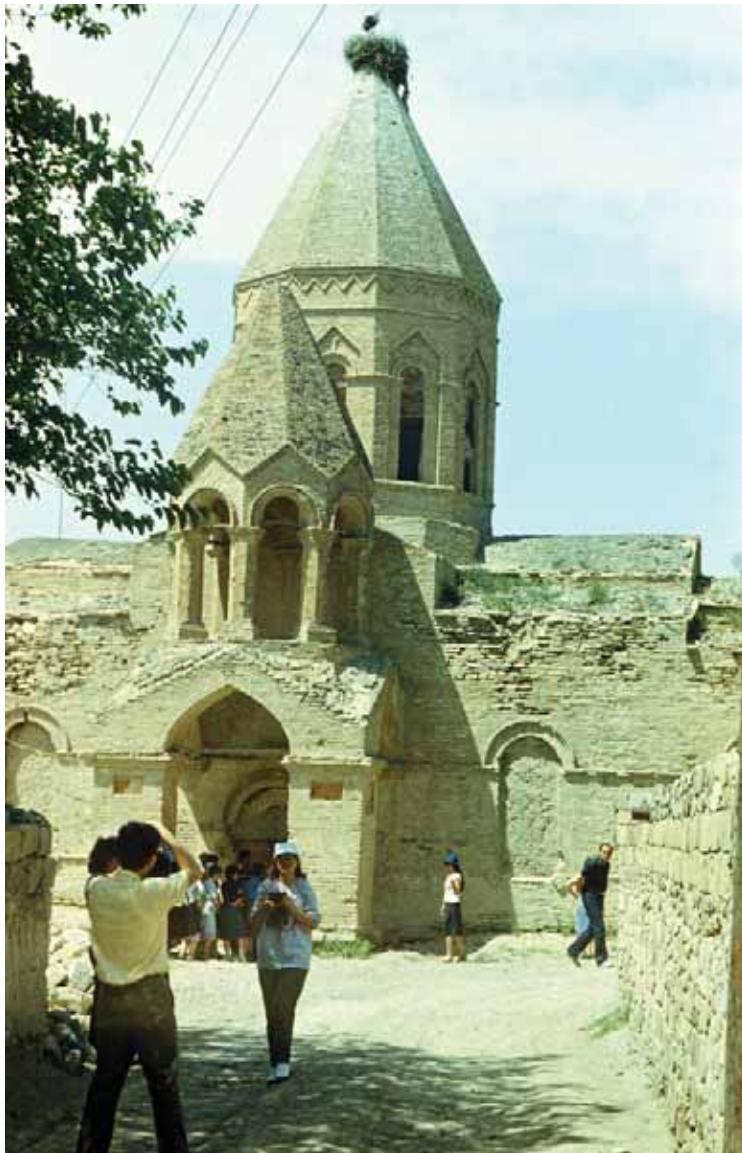
ՌԱՄԻՍ գՅՈՒՂ (Նախիջևանի ԻՂ, Օրդուբադի շրջան). Ար. Աստվածածին եկեղեցին (ԺԲ դ., Վրկո. 1677-1678 թթ.), այժմ՝ հիմնավեր (լուս. Ա. Վարդանյանի, 1986 թ.)

СЕЛО РАМИС (Ордубадский район, Нахичеванская АР). Вид церкви Сурб Аствацацин (Пресв. Богородицы) (осн. в XII в., реконстр. в 1677-1678 гг.), ныне полностью разрушенной (фот. — А. Варданяна, 1986 г.)

RAMIS VILLAGE, Ordubad District, Autonomous Republic of Nakhijevan. Sourb Astvatzatzin (Holy Virgin) Church (erected in the 12th cent., rebuilt in 1677 to 1678): photos by A. Vardanian, 1986. Now totally annihilated.







ԱԼԻԱՊԱՏ ԳՅՈՒՂ (Նախիջևանի ԻՇ, Նախիջևանի շրջան). գյուղամիջի՝ ժեղեղապահ կառուցված Սբ. Աստվածածին եկեղեցու (ժեղ դ., Վլկո. 1887 թ.) տեղը ԽՄՀՍ գլխավոր գինվորական շտարի 1:10000 մասշտարի քարտեզի (1976 թ.) վրա և Google Earth-ի 2005 թ. տիեզերքից կատարված լուսանկարներում, որտեղ այն այլևս գոյություն չունի (ըստ ամենայնի հիմնովին քանդել են 1990-ական թթ. երկրորդ կեսին):

Եկեղեցին հարավից և արևմուտքից (լուս.՝ Յ. Բադալյանի, 1980-ական թթ. կեսեր)

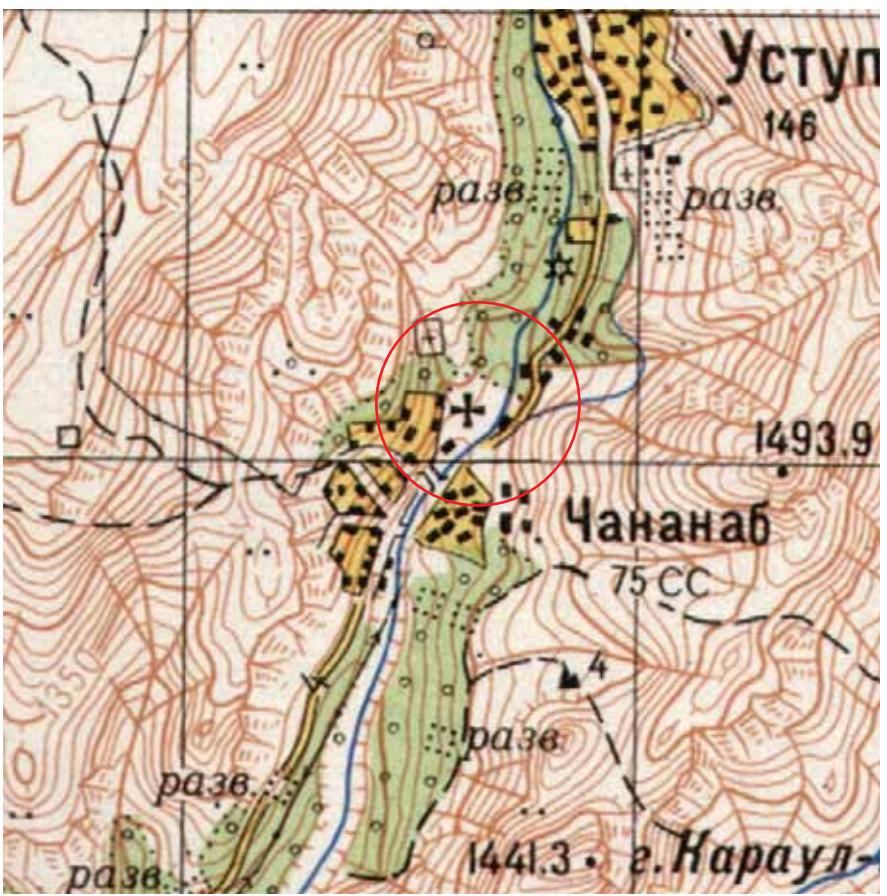
039°13'38.48"E, 45°23'59.53"N

СЕЛО АЛИАПАТ (Нахичеванский район, Нахичеванская АР). Место расположенной в центральной части села церкви Сурб Аствацацин (Пресв. Богородицы) (постр. в XVII в., реконстр. в 1887 г.), на карте (1:10000) Генштаба ВС СССР (1976 г.) и после ее полного разрушения — на снимке, сделанном Google Earth из космоса в 2005 г. (по всей вероятности, церковь была полностью разрушена во второй половине 1990-х гг.).

Вид церкви с юга и запада (фот. — О. Бадаляна, середина 1980-х гг.)

ALIAPAT VILLAGE, Nakhijevan District, Autonomous Republic of Nakhijevan. Sourb Astvatzatzin (Holy Virgin) Church (founded in the 17th century, rebuilt in 1887) as marked on the map (1976, scale: 1:10000) of the USSR General Military Headquarters; its site after its total demolition (Google Earth, 2005) probably perpetrated in the second half of the 1990s

The church from the south and west (photos by H. Badalian, mid-1980s)





ՑՈՆԱ ԳՅՈՒՂ (Նախիջևանի ԻՆ, Օրդուբադի շրջան). գյուղամիջի Ար. Աստվածածին եկեղեցու (ԺԲ-ԺԳ դր., վրկո. ԺԵ դար) տեղը ԽՄՀՄ զլիավոր գինվորական շտարի 1:50000 մասշտարի քարտեզի (1976 թ.) վրա և Google Earth-ի՝ 2013 թ. տիեզերում քիչ կատարված լուսանկարներում

СЕЛО ЦХНА (Ордубадский район, Нахичеванская АР). Место церкви Сурб Аствацацин (Пресв. Богородицы) (осн. в XII-XIII вв., реконстр. в XVII в.), расположенной в центральной части села, на карте (1:50000) Генштаба ВС СССР (1976 г.) и на снимке, сделанном Google Earth из космоса в 2013 г.

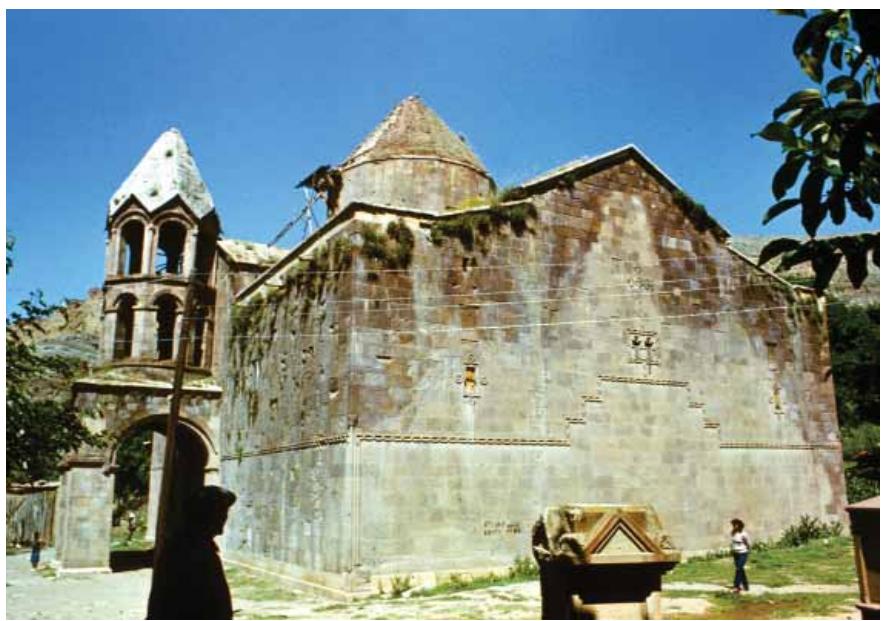
Եկեղեցին հարավ-արևմուտքից (լուս. Ա. Վարդանյանի, 1980-ական թթ.)

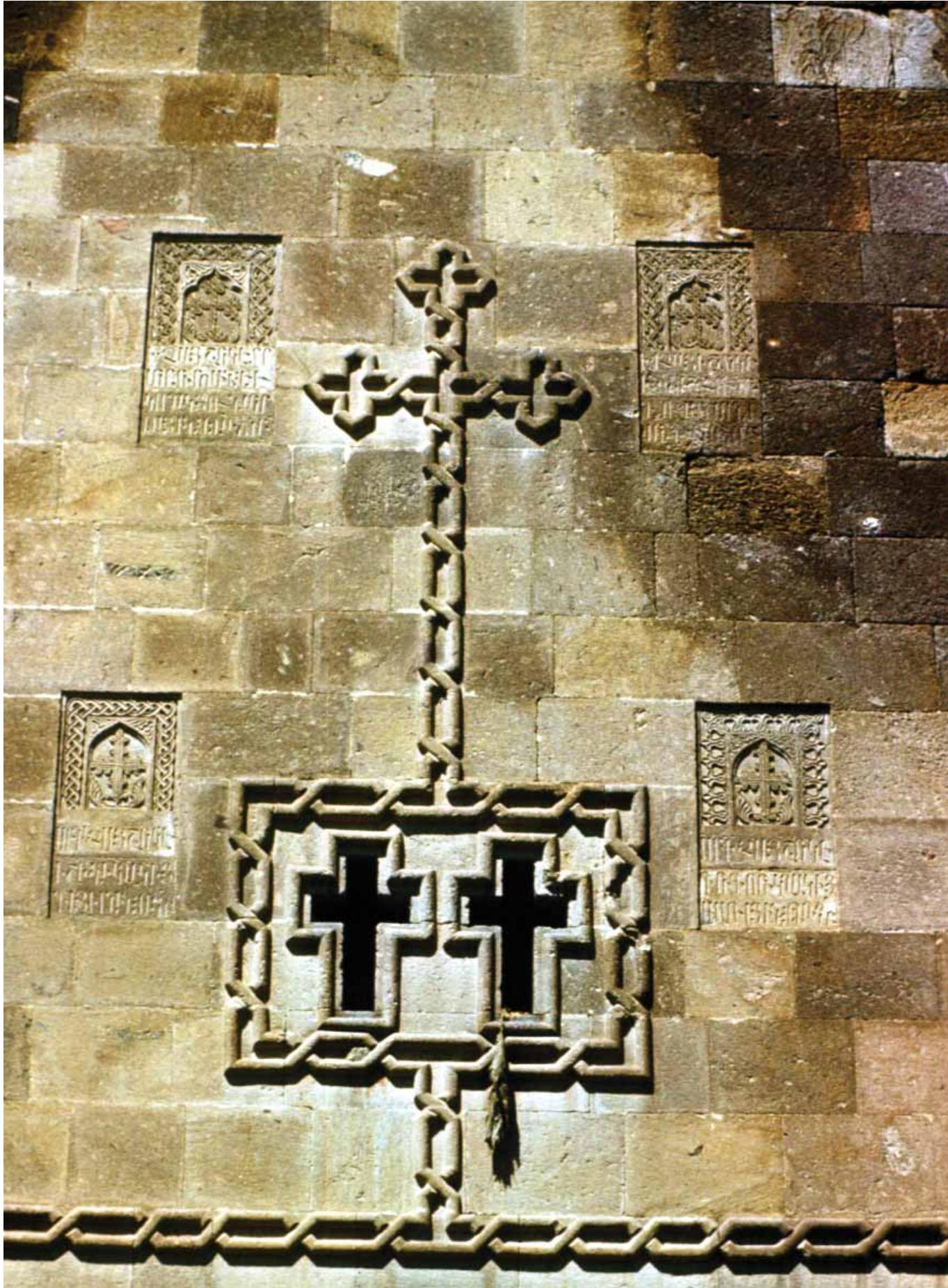
039°01'09.44"E, 45°54'19.68"N

Вид церкви с юго-запада (фот. — А. Варданяна, 1980-е гг.)

TSEGHNA VILLAGE, Ordubad District, Autonomous Republic of Nakhijevan. Sourb Astvatzatzin (Holy Virgin) Church (built in the 12th to 13th cents., rebuilt in the 17th century) as marked on the map (1976, scale: 1:50000) of the USSR General Military Headquarters; the site of the annihilated church (Google Earth, 2013)

The church from the south-west (photo by A. Vardanian, 1980s)



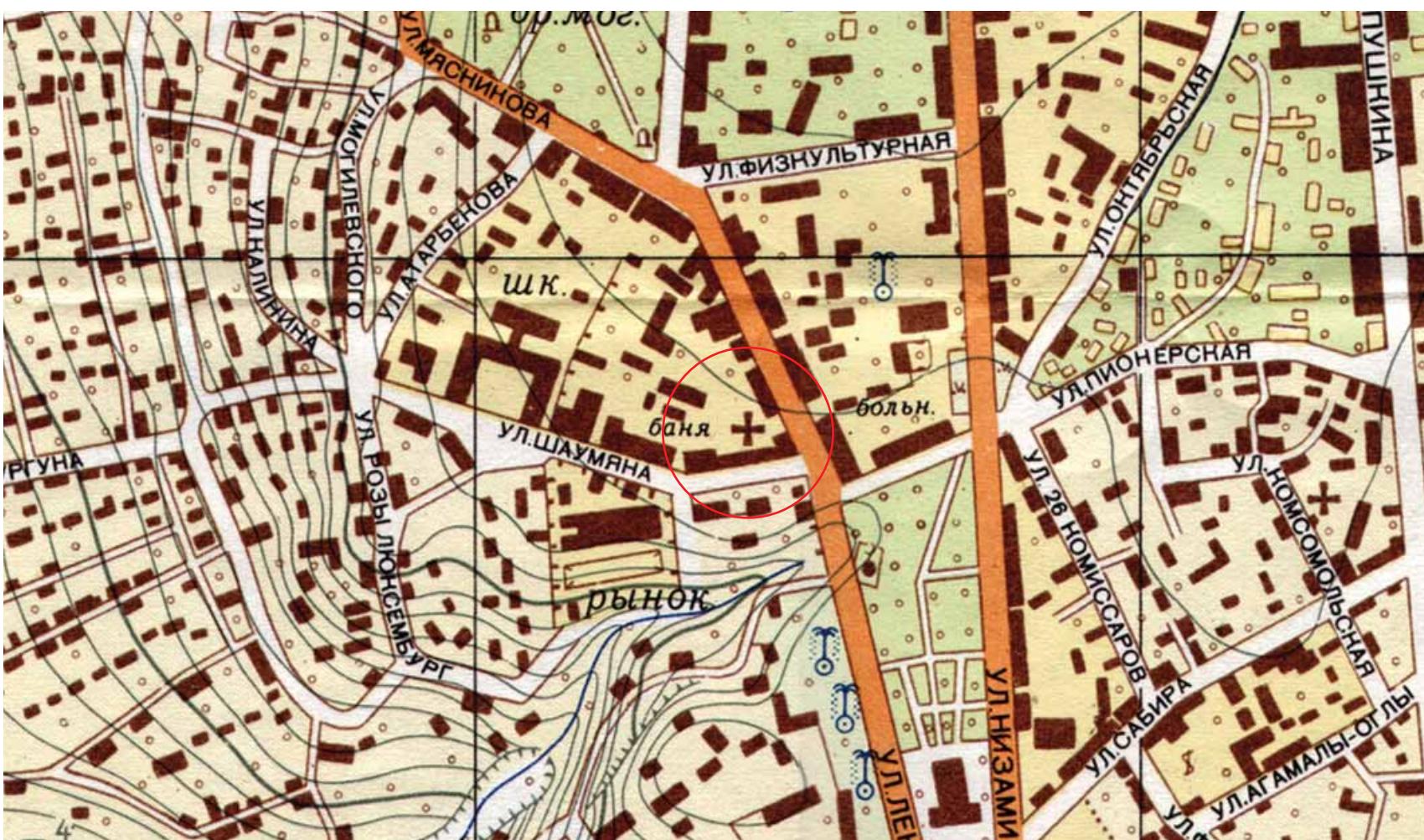


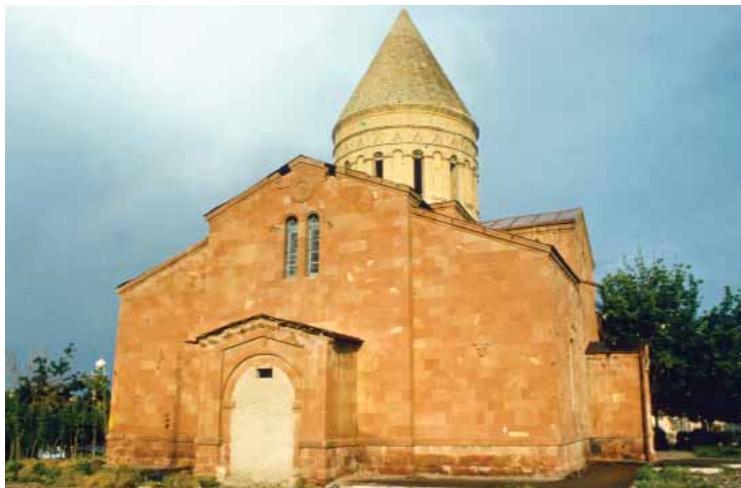
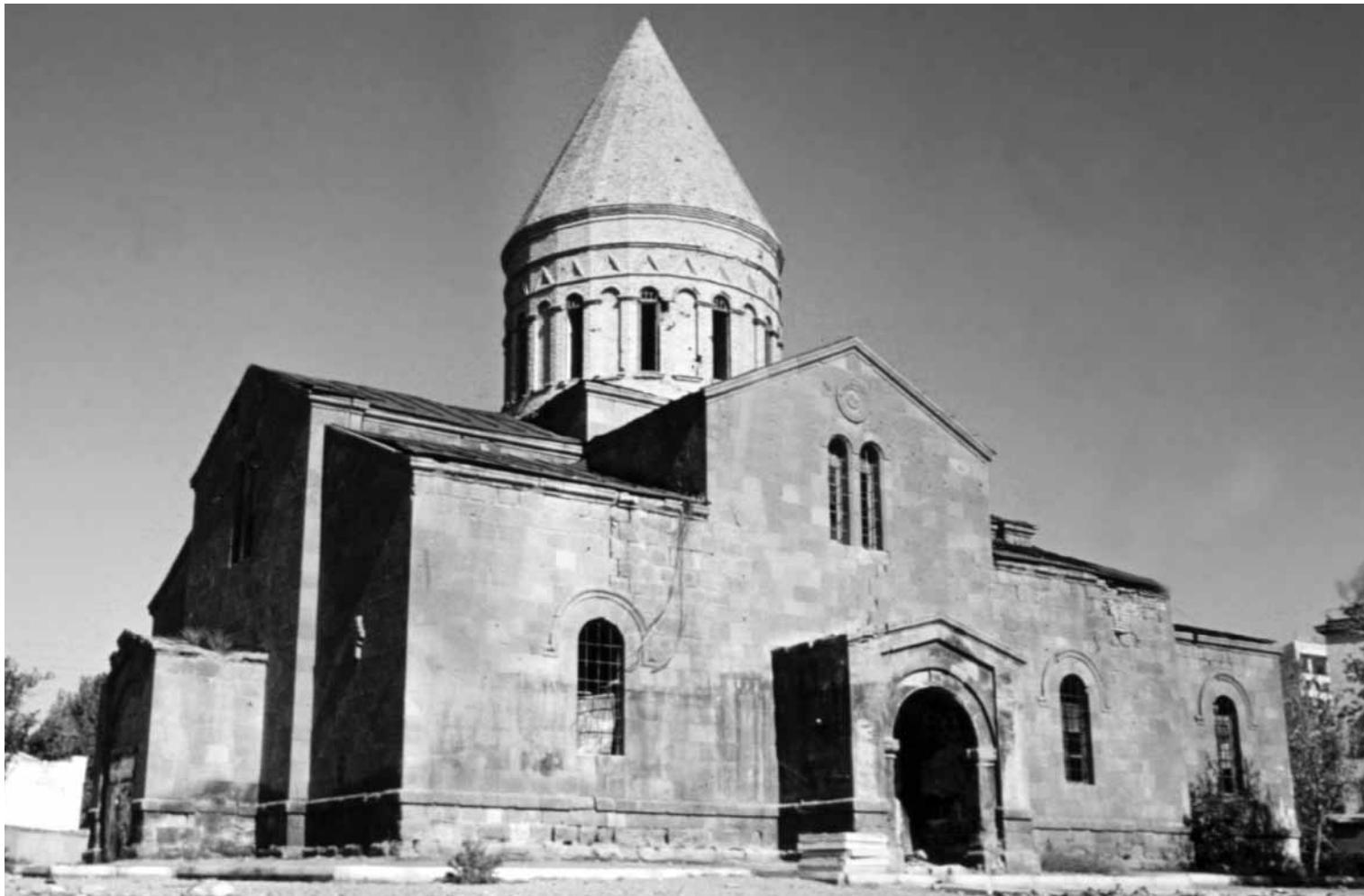
ԹՈՆՍ ԳՅՈՒՂ (Նախիջևանի Ի-Ֆ, Օրդուբադի շրջան)։ Մթ. Աստվածածին եկեղեցին հարավ-արևելքից և հյուսիս-արևելքից Հատվածներ 1990-ական թթ. վերջերին հիմնովին ոչնչացված եկեղեցուց (լուս.՝ Ա. Վարդանյանի, 1980-ական թթ.)

039°01'09.44"E, 45°54'19.68"N

СЕЛО ЦХНА (Ордубадский район, Нахичеванская АР). Вид церкви Сурб Аствацацин (Пресв. Богородицы) с юго-востока и северо-востока
Фрагменты церкви, полностью уничтоженной в конце 1990-х гг. (фот. — А. Варданяна, 1980-е гг.)

TSEGHNA VILLAGE, Ordubad District, Autonomous Republic of Nakhi-Jevan. Sourb Astvatzatzin (Holy Virgin) Church from the south-east and north-east
Partial views of the church (photos by A. Vardanian, 1980s) totally annihilated in the late 1990s



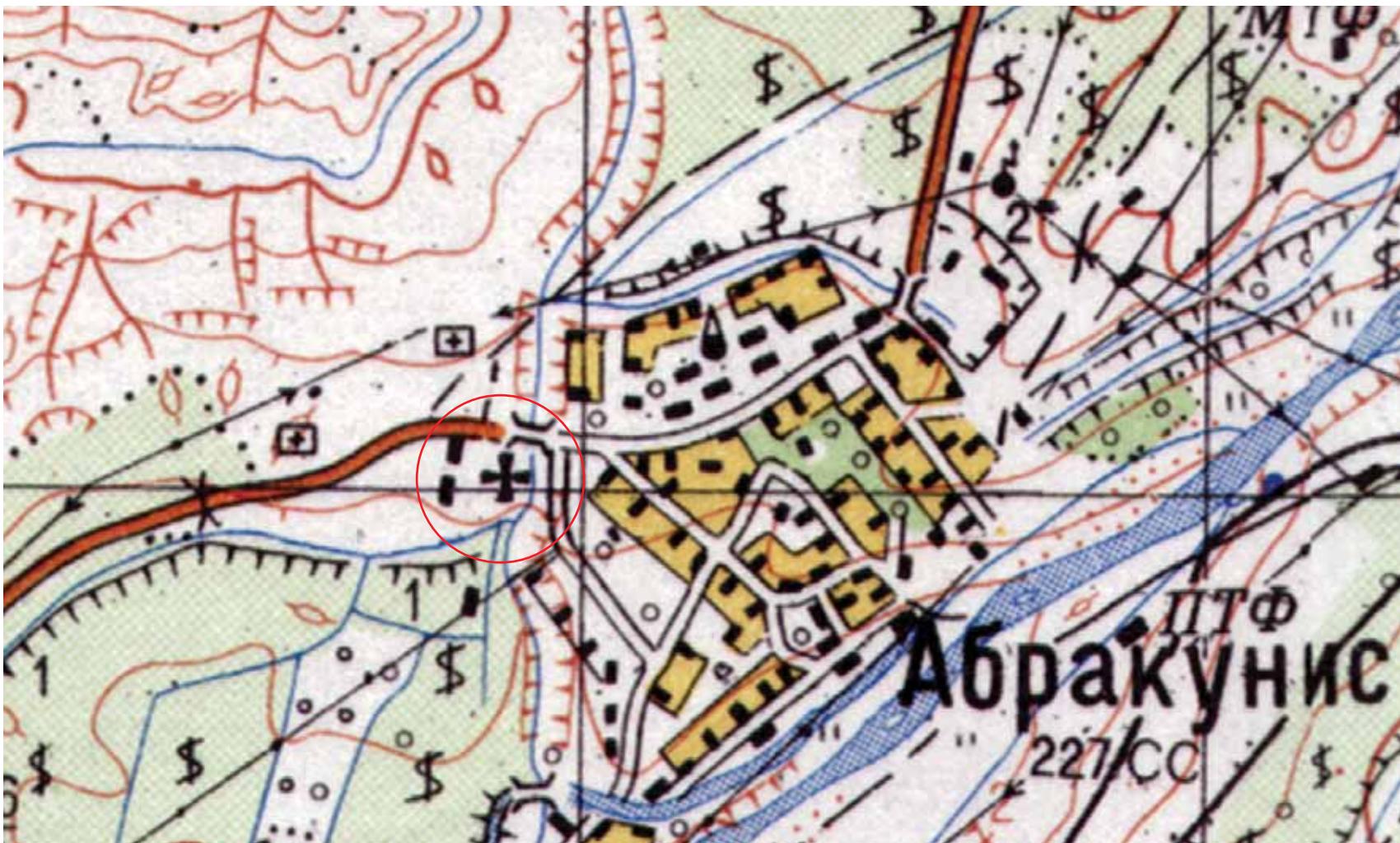


ՆԱԽԻՉԵՎԱՆ ՔԱՂԱՔ (Նախիջևանի Իշխանություն). Սր. Գևորգ Եկեղեցու (1869-1872 թթ.) տեղը ԽՍՀՄ գլխավոր զինվորական շտաբի 1:10000 մասշտաբի քարտեզի (1976 թ.) վրա և Google Earth-ի 2008 թ. տիեզերքից կատարված լուսանկարում, որտեղ Եկեղեցին այլևս գոյություն չունի (քանի որ են 1990-ական թթ. երկրորդ կեսին): Եկեղեցին հարավ-արևմուտքից, արևմուտքից և հյուսիս-արևմուտքից (լուս. Յ. Զաքարյանի, 1980-ական թթ.)

ГОРОД НАХИЧЕВАНЬ (Нахичеванская АР). Место церкви Сурб Геворг (Св. Георгия) (1869-1872 гг.) на карте (1:10000) Генштаба ВС СССР (1976 г.) и на снимке, сделанном Google Earth из космоса в 2008 г., на котором церковь более не существует (была разрушена во второй половине 1990-х гг.).
Вид церкви с юго-запада, запада и северо-запада (фот. — О. Закаряна, 1980-х гг.)

NAKHIJEVAN CITY, Autonomous Republic of Nakhijevan. St. Gevorg (George) Church (built in 1869 to 1872) as marked on the map (1976, scale: 1:10000) of the USSR General Military Headquarters; its site from space (Google Earth, 2008) after its total annihilation in the second half of the 1990s

The church from the south-west, west and north-west (photos by H. Zakarian, 1980s)





ԱԲՐԱԿՈՒՆԻՍ ԳՅՈՒՂ (Սախիջևանի ԻՉ, Զուլֆայի շրջան). գյուղի արևմտյան եզրին գտնվող Սբ. Կարապետ վանքի (հիմնվել է 1381 թ. և վերականգնվել 1648-1649 թթ.) տեղը ԽՍՀՄ գլխավոր զինվորական շտաբի 1:50000 մասշտաբի քարտեզի (1976 թ.) վրա և Google Earth-ի 2011 թ. տիեզերքից կատարված լուսանկարում ոչնչացումից հետո

СЕЛО АБРАКУНИС (Джульфинский район, Нахичеванская АР). Место монастыря Сурб Карапет (Св. Предтечи) (постр. в 1381 г., восстановлен в 1648-49 гг.), расположенного на западной окраине села, на карте (1:50000) Генштаба ВС СССР (1976 г.) и после уничтожения — на снимке, сделанном Google Earth из космоса в 2011 г.

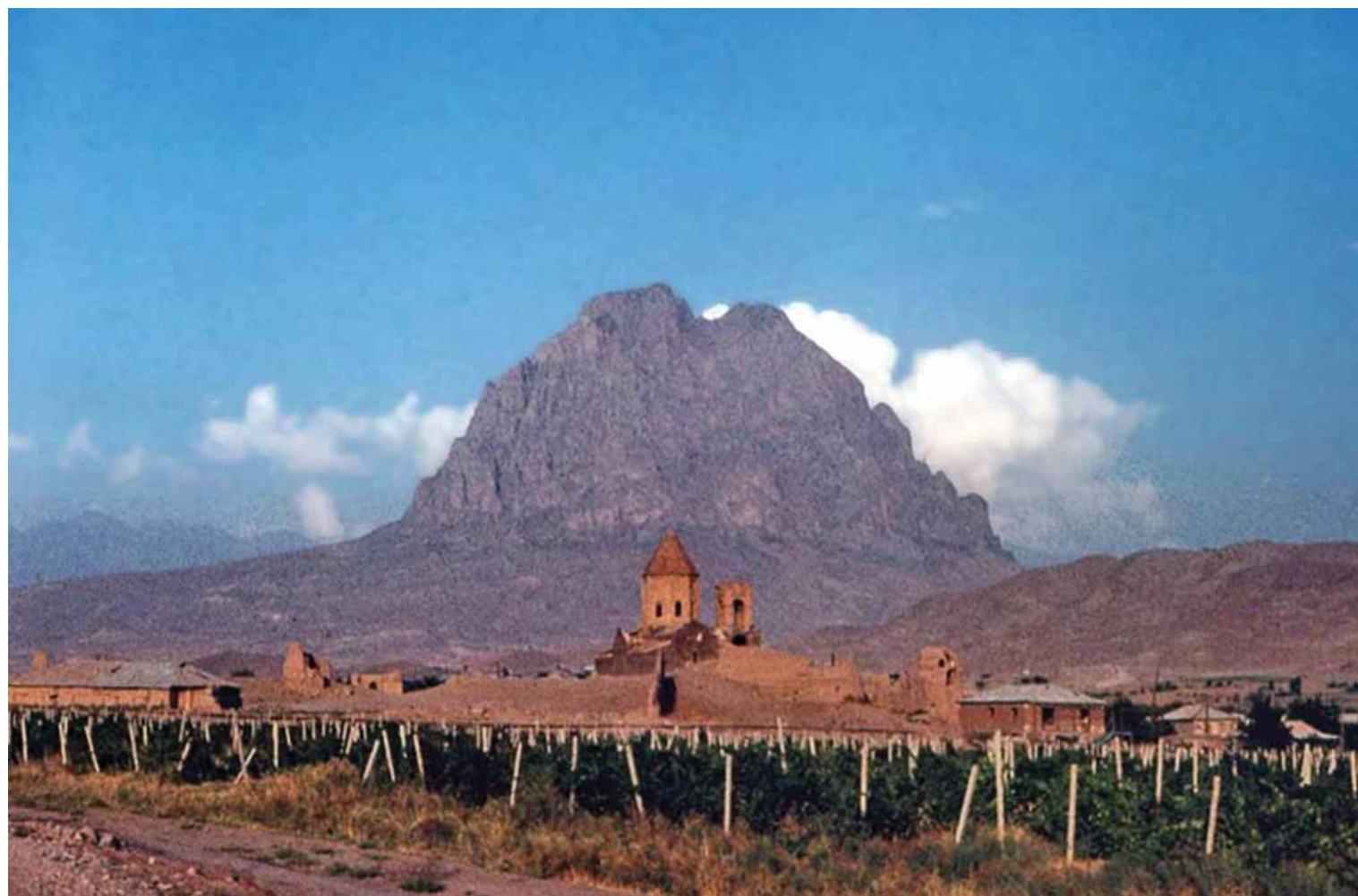
Վանքը հարավից (լուս.՝ Ա. Վարդանյանի, 1986 թ.)

Вид монастыря с юга (фот. — А. Варданяна, 1986 г.)

039°08'14.00"E, 45°37'58.71"N

ABRAKUNIS VILLAGE, Julfa District, Autonomous Republic of Nakhijevan. Sourb Karapet (Holy Precursor) Monastery (built in 1381; restored in 1648 to 1649), once located at the western edge of the village, as marked on the map (1976, scale: 1:50000) of the USSR General Military Headquarters; its site after its total annihilation (Google Earth, 2011)

The monastery from the south (photo by A. Vardanian, 1986)





Աբրակունիսի Սրբ. Կարապետ վանքը հյուսիս-արևմուտքից (լուս.՝ Ս. Բուլանովի, 1980-ական թթ.)

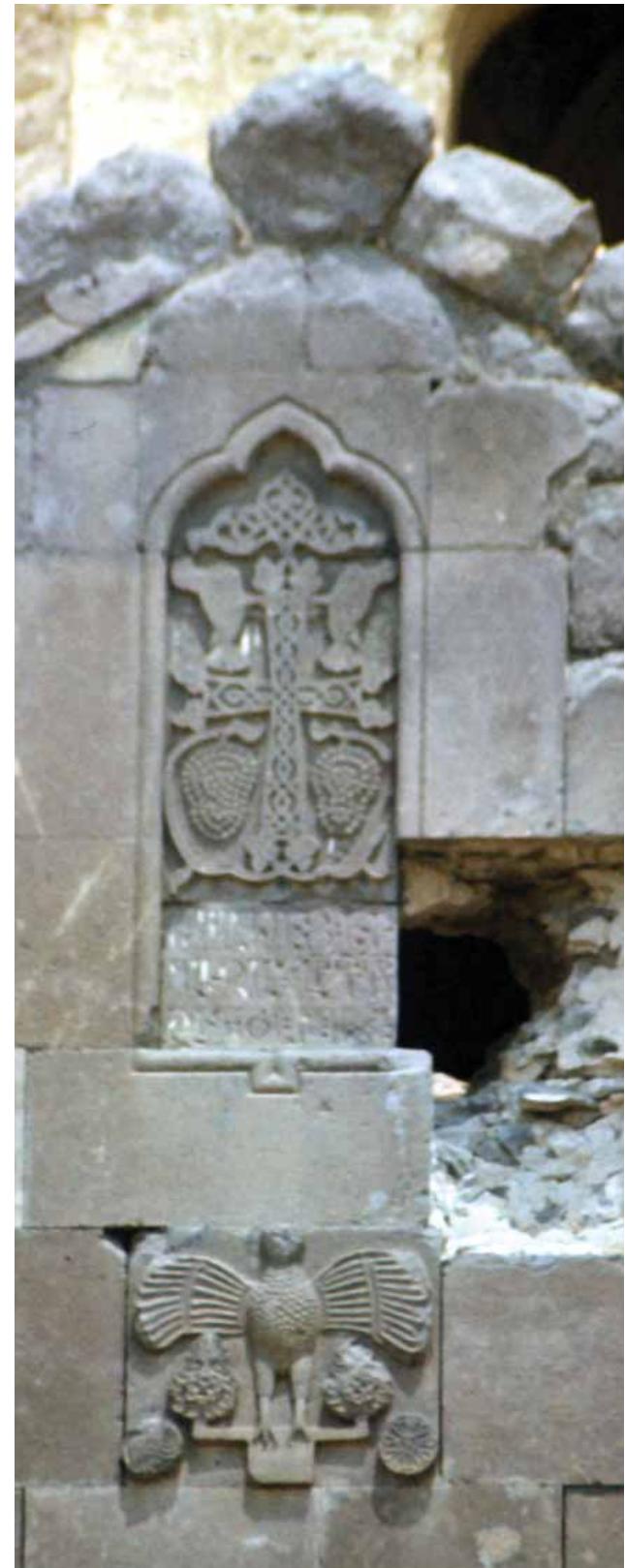
Վանքատեղին 1990-ական թթ. վերջերին կատարված հիմնահատակ ոչնչացումից հետո (լուս.՝ Ս. Սիմի, 2005 թ.)

Վանքը հարավ-արևմուտքից և դրվագ արևմտյան ճակատից (լուս.՝ Ա. Վարդանյանի, 1980-ական թթ.)

Вид монастыря Сурб Карапет (Св. Предтечи) в селе Абраунис с северо-запада (фот. — С. Буланова, 1980-е гг.)

Место монастыря после его полного уничтожения, осуществленного в конце 1990-х гг. (фот. — С. Сима, 2005 г.)

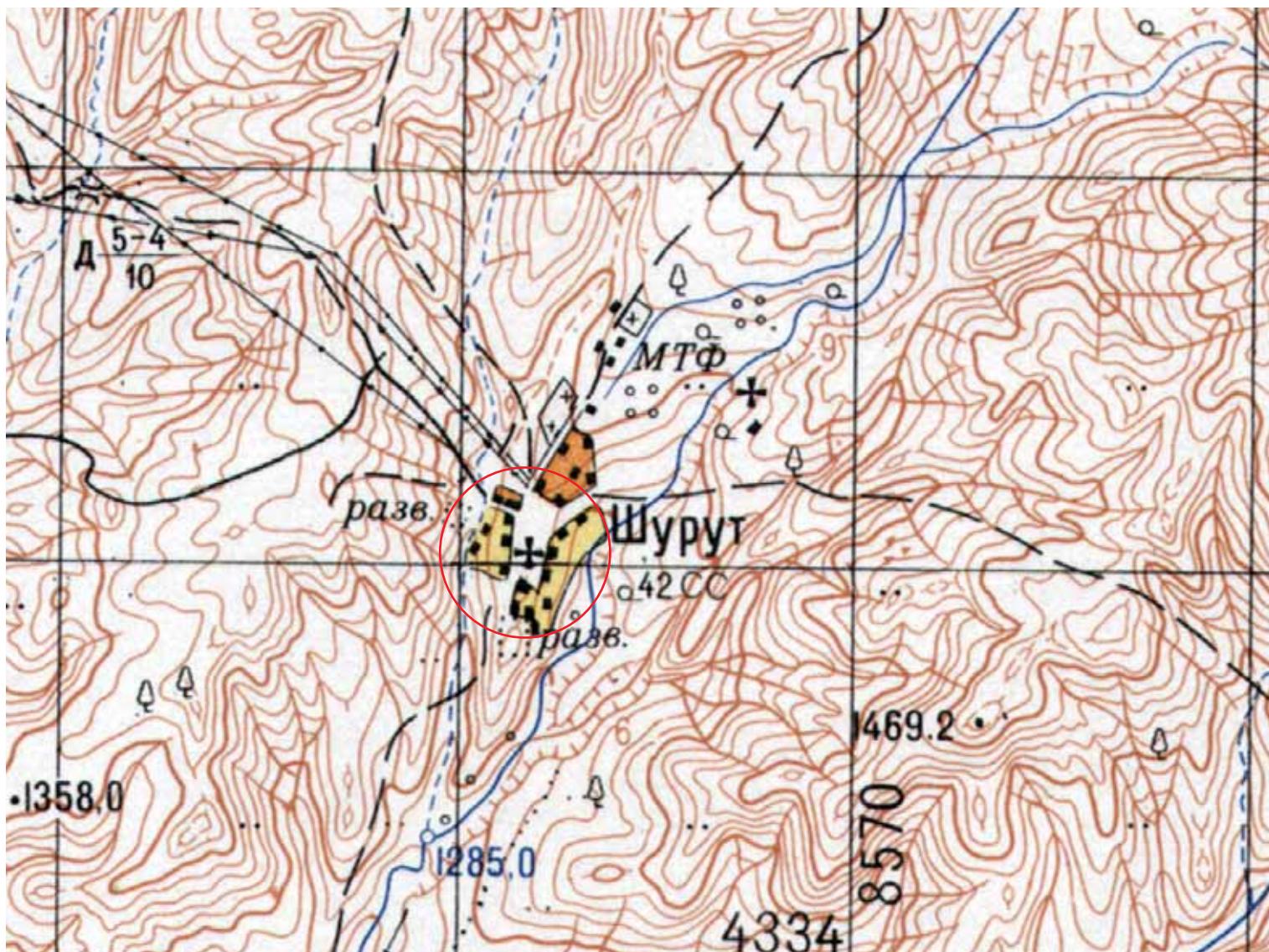
Вид монастыря с юго-запада и фрагмент западного фасада (фот. — А. Варданяна, 1980-е гг.)



Sourb Karapet (Holy Precursor) Monastery from the north-west (photo by S. Bulanov, 1980s)

The site of the monastery after its complete annihilation in the late 1990s (photo by S. Sim, 2005)

The monastery from the south-west; a partial view of its western facade (photos by A. Vardanian, 1980s)



ԾՈՌՈՅ ԳՅՈՒՂԻ (Նախիջևանի ԻՆ, Զուլֆայի շրջան). Ար. Հակոբ Վանքի (վկ�. 1642 թ.) տեղը ԽՄՊՍ գլխավոր զինվորական չտարբի 1:50000 մասշտաբի քարտեզի (1976 թ.) վրա Վանքը հարավ-արևմուտքից մինչև 1990-ական թթ. սկզբները (լուս.՝ Ալ. Թամանյանի մասնավոր հավաքածու, 1910-ական թթ.)

Վանքատեղին 1990-ական թթ. վերջերին կատարված հիմնահատակ ոչնչացումից հետո (լուս.՝ Ս. Սիմի, 2005 թ.)

СЕЛО ШОРОТ (Джульфинский район, Нахичеванская АР). Место монастыря Сурб Акоп (Св. Иакова) (реконстр. в 1642 г.) на карте (1:50000) Генштаба ВС СССР (1976 г.) Вид монастыря до начала 1990-х гг. с юго-запада (фот. — личная коллекция Ал. Таманяна, 1910-е гг.)

Место монастыря после полного уничтожения в конце 1990-х гг. (фот. — С. Сима, 2005 г.)

SHOROT VILLAGE, Julfa District, Autonomous Republic of Nakhijevan. St. Hakob (Jacob) Monastery (rebuilt in 1642) as marked on the map (1976, scale: 1:50000) of the USSR General Military Headquarters
The monastery from the south-west before the early 1990s (from Al. Tamanyan's private collection, 1910s)

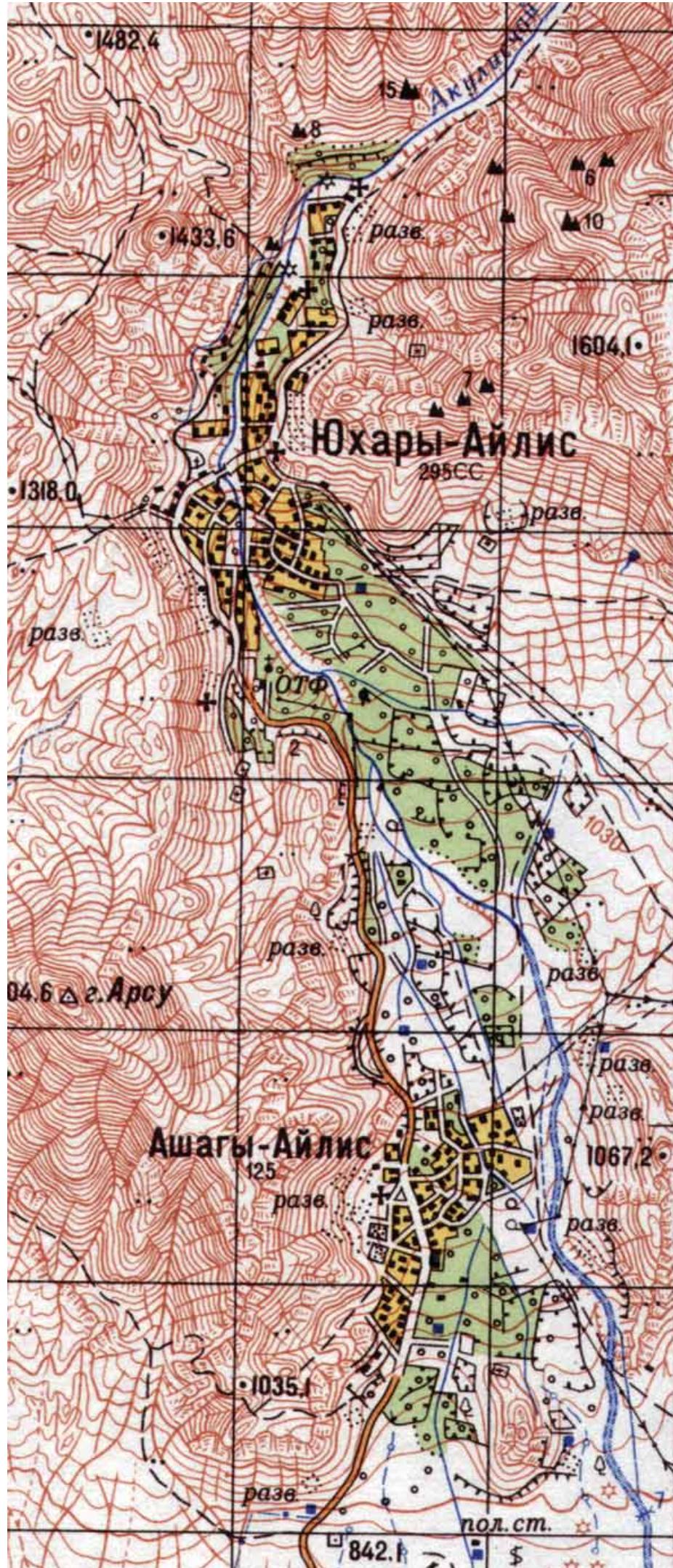
The site of the monastery after its complete annihilation in the late 1990s (photo by S. Sim, 2005)

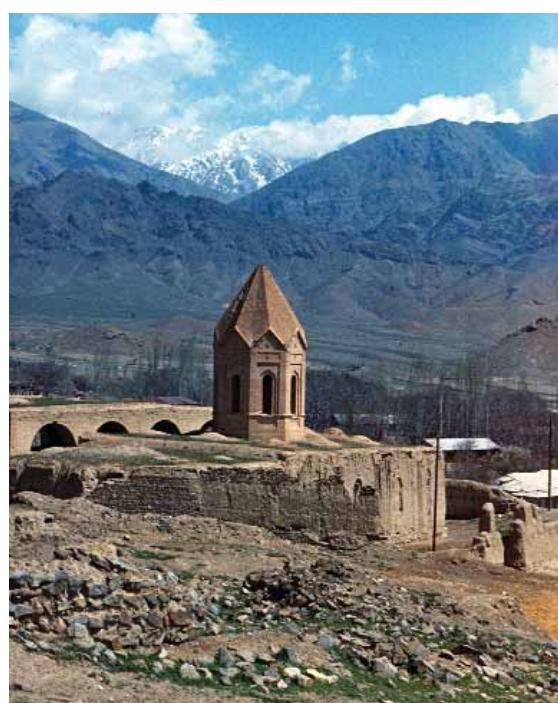
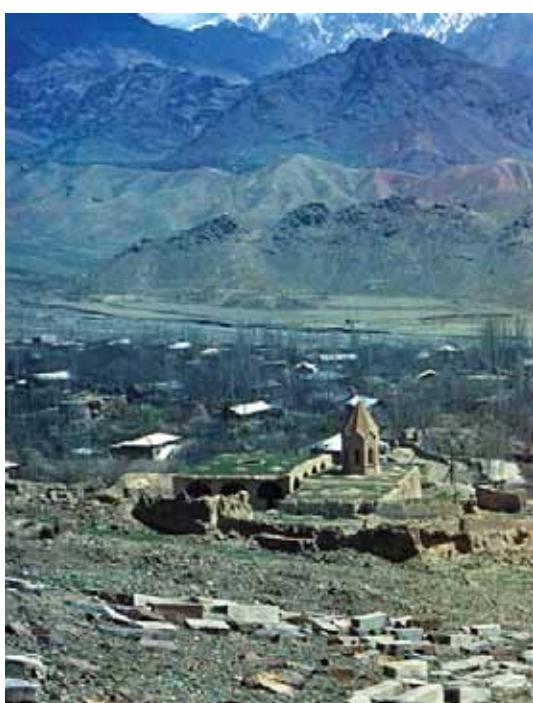


Հովհանք Ս. ՅԱԿՈԲ ԵԿԵՂԵՑԻԿ 297



039°08'55.44"E, 45°48'20.90"N





ԱԳՈՒԼԻՍ գՅՈՒՂ (Նախիջևանի ԻՂ, Օրդուբադի շրջան). շուրջ մեկ տասնյակ վանք ու եկեղեցի ունեցող երթեմնի զուտ հայաբնակ ծաղկուն գյուղաքաղաք Ագուլիսը (Վերին և Ներքին Թաղերով, այժմ՝ Յուխարի և Աշաղի Այլիս) ԽՄՀՍ գինվորական գլխավոր շտաբի 1:50000 մասշտաբի քարտեզի (1976 թ.) վրա և Google Earth-ի տիեզերքից կատարված լուսանկարում

СЕЛО АГУЛИС (Ордубадский район, Нахичеванская АР). Место некогда населенного лишь армянами цветущего поселка Агулис (с кварталами Верин (Верхний) и Неркин (Нижний), ныне — Юхари и Ашаги Айлис), в котором насчитывалось около одного десятка монастырей и церквей, на карте (1:50000) Генштаба ВС СССР (1976 г.) и на снимке, сделанном Google Earth из космоса.

Ներքին Ագուլիսի Ամառային կամ Սբ. Նշան և Սբ. Ստեփանոս եկեղեցները՝ իսպառ ոչնչացված 1990-ական թթ. Վերջերին (լուս.՝ Զ. Սարգսյանի, 1987 թ.)

Церкви Амарайин (Летняя) или Сурб Ншан (Святого Знамения) и Сурб Степанос (Св. Стефана), полностью уничтоженные в конце 1990-х гг. (фот. — З. Саргсяна, 1987 г.)

AGULIS VILLAGE, Ordubad District, Autonomous Republic of Nakhijevan. The once prosperous and purely Armenian-inhabited village town of Agulis (boasting around ten churches and monasteries), with its Upper and Lower Quarters (now: Youkhari Aylis and Ashaghi Aylis), as marked on the map (1976, scale: 1:50000) of the USSR General Military Headquarters; its site from space (Google Earth, 2011)

Amarayin (Summer) or Sourb Nshan (Holy Sign) and St. Stepanos (Stephen) Churches of Lower Agulis, both totally annihilated in the late 1990s (photos by Z. Sargissian, 1987)



ԱԳՈՒԼԻՍ ԳՅՈՒՂ (Խախիջևանի ԻՇ, Օրդուբադի շրջան). Վերին քաղի Ար. Հովհաննես Սկրտիչ եկեղեցու (Վրկո. ԺԵ դար) տեղը ԽՄՀՍ զինվորական գլխավոր շտարի 1:50000 մասշտարի քարտեզի (1976 թ.) վրա և 1990-ական թթ. վերջերին իսպառ ավերելուց հետո Google Earth-ի՝ 2011 թ. տիեզերքից կատարված լուսանկարում

СЕЛО АГУЛИС (Ордубадский район, Нахичеванская АР). Место церкви Сурб Ованнес Мкртич (Св. Иоанна Крестителя) (реконстр. в XVII в.) квартала Верин (Верхнего) на карте (1:50000) Генштаба ВС СССР (1976 г.) и после ее полного уничтожения в конце 1990-х гг. — на снимке, сделанном Google Earth из космоса в 2011 г.

Եկեղեցին հարավից և հատված ներքին ծավալներից (լուս.՝ Զ. Սարգսյանի, 1987 թ.)

Вид церкви с юга и фрагмент изнутри (фот. — З. Саргсяна, 1987 г.)

AGULIS VILLAGE, Ordubad District, Autonomous Republic of Nakhijevan. St. Hovhannes Mkrtich (John the Baptist) Church (rebuilt in the 17th century), Upper Agulis, as marked on the map (1976, scale: 1:50000) of the USSR General Military Headquarters; its site after its total annihilation in the late 1990s (Google Earth, 2011)

The church from the south; a partial view of its interior (photos by Z. Sargissian, 1987)

038°56'55.39"E, 45°58'40.87"N



ԱԳՈՒԼԻՍ գՅՈՒՂ (Նախիջևանի ԻՇ, Օրդուբադի շրջան). Վերին թաղի Մթ. Հակոբ հայրապետ եկեղեցու (վլկո. ժ. դեռ դար) տեղը ԽՍՀՄ զինվորական գլխավոր շտաբի 1:50000 մասշտաբի քարտեզի (1976 թ.) վրա և 1990-ական թթ. վերջերին հիմնահատակ ավերելուց հետո Google Earth-ի 2011 թ. տիեզերքից կատարված լուսանկարում

Եկեղեցին հյուսիս-արևմուտքից և հատված ներքին ծավալներից (լուս. Զ. Սարգսյանի, 1987 թ.)

038°56'57.86"E, 45°58'52.09"N

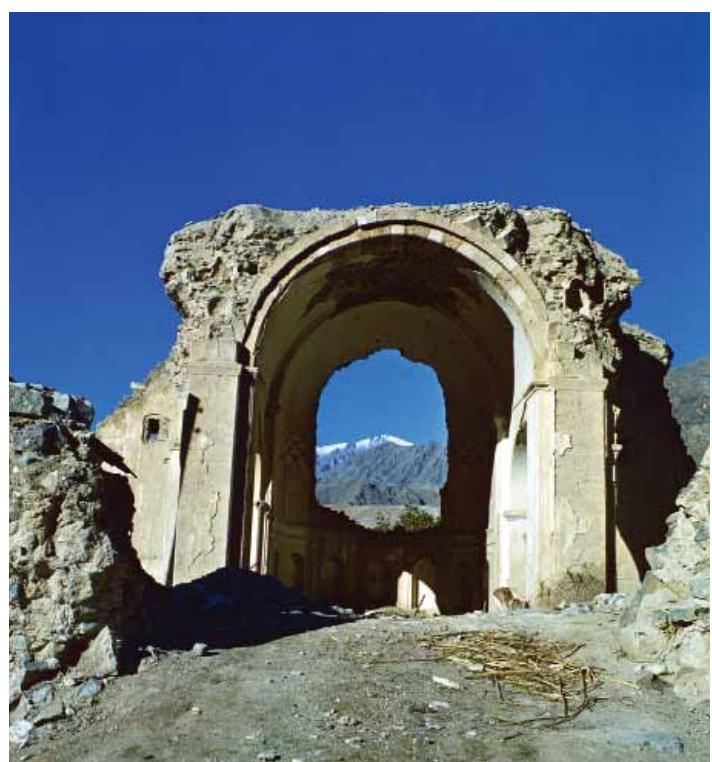
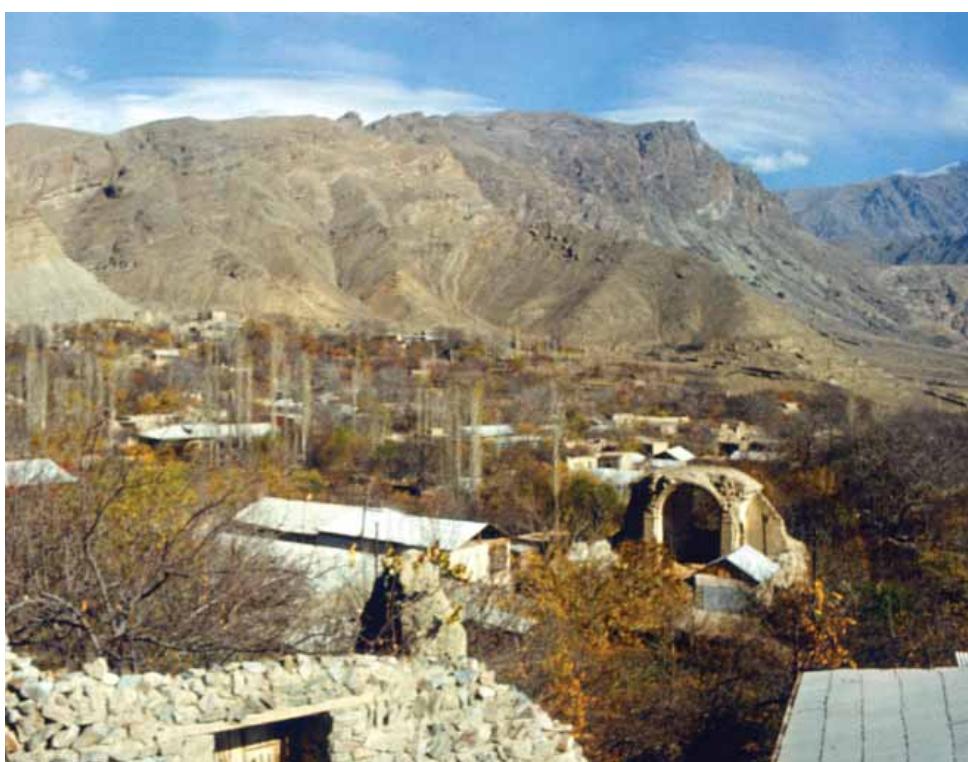
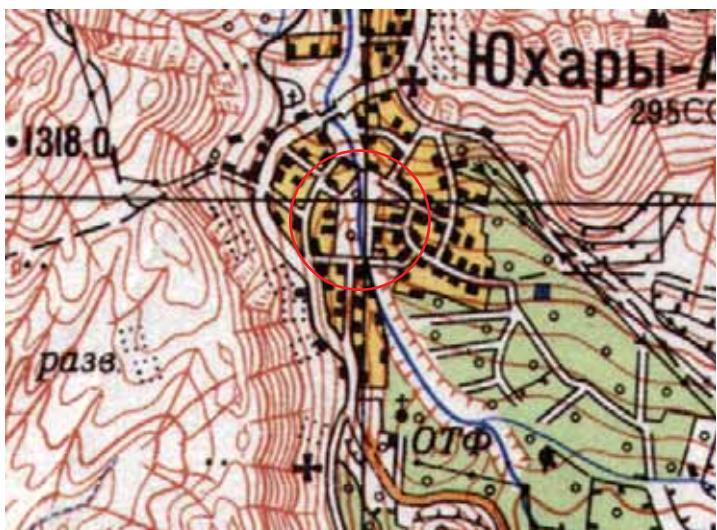
СЕЛО АГУЛИС (Ордубадский район, Нахичеванская АР). Место церкви Сурб Акоп Айрапет (Св. Иакова Низибийского) (реконстр. в XVII в.) квартала Верин (Верхнего) на карте (1:50000) Генштаба ВС СССР (1976 г.) и после ее полного уничтожения в конце 1990-х гг. — на снимке, сделанном Google Earth из космоса в 2011 г.

Вид церкви с северо-запада и фрагмент изнутри (фот. — З. Саргсяна, 1987 г.)

AGULIS VILLAGE, Ordubad District, Autonomous Republic of Nakhijevan. St. Hakob Hayrapet (Jacob of Nisibis) Church (rebuilt in the 17th century), Upper Agulis, as marked on the map (1976, scale: 1:50000) of the USSR General Military Headquarters; its site after its total annihilation in the late 1990s (Google Earth, 2011)

The church from the north-west; a partial view of its interior (photos by Z. Sargissian, 1987)





ԱԳՈՒԼԻՍ ԳՅՈՒՂ (Նախիջևանի Իշ, Օրդուբադի շրջան). Վերին թաղի Մթ. Շմավոնը կառուցվել է 1990-ական թվականներին (1990 թ.) և 2000-ական թվականներին (2000 թ.) ավելի ուշ ավելի աշխատավոր պահանջման պատճենում հետո Google Earth-ի 2011 թ. տվյալներով կատարված լուսանկարում

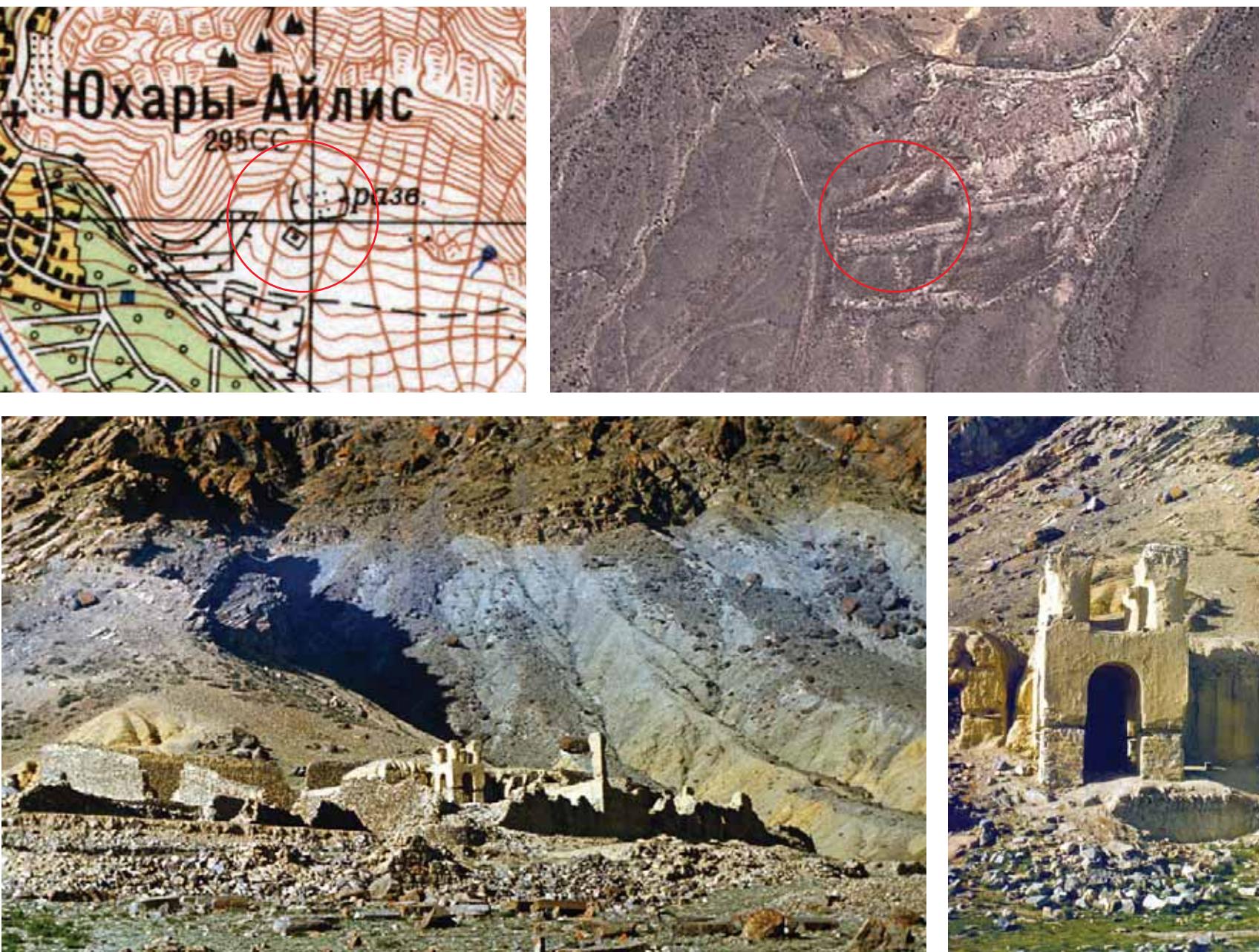
СЕЛО АГУЛИС (Ордубадский район, Нахичеванская АР). Место церкви Сурб Шмавон (Св. Симона) (реконстр. в XVII в.) квартала Верин (Верхнего) на карте (1:50000) Генштаба ВС СССР (1976 г.) и после ее полного уничтожения в конце 1990-х гг. — на снимке, сделанном Google Earth из космоса в 2011 г.

AGULIS VILLAGE, Ordubad District, Autonomous Republic of Nakhijevan. St. Shmavon (Simon Cananeus) Church (rebuilt in the 17th century), Upper Agulis, as marked on the map (1976, scale: 1:50000) of the USSR General Military Headquarters; its site after its total annihilation in the late 1990s (Google Earth, 2011)

Եկեղեցին հարավից (1930 թ.), հարավ-արևմուտքից և արևմուտքից (լուս.՝ Զ. Սարգսյանի, 1987 թ.)

Բարձրակայացած եկեղեցին հարավից (1930 թ.), յուղա-ձափական և արևմուտքից (լուս.՝ Զ. Սարգսյանի, 1987 թ.)

The church from the south (photo 1930), south-west and west (photos by Z. Sargissian, 1987)



ԱԳՈՒԼԻՍ ԳՅՈՒՂ (Նախիջևանի ԻՇ, Օրդուբադի շրջան). Վերին քաղի Սրբության մաս անապատի (վրկը. ժԵ դար) տեղը ԽՄՀՄ զինվորական գլխավոր շտարի 1:50000 մասշտարի քարտեզի (1976 թ.) վրա և 1990-ական թթ. վերջերին հիմնահատակ ավերելուց հետո Google Earth-ի 2011 թ. տիեզերքից կատարված լուսանկարում

СЕЛО АГУЛИС (Ордубадский район, Нахичеванская АР). Место скита Сурб Аствацацин Мец Анапат (Большой Скит Святой Богородицы) (реконстр. в XVII в.) квартала Верин (Верхнего) на карте (1:50000) Генштаба ВС СССР (1976 г.) и после ее полного уничтожения в конце 1990-х гг. — на снимке, сделанном Google Earth из космоса в 2011 г.

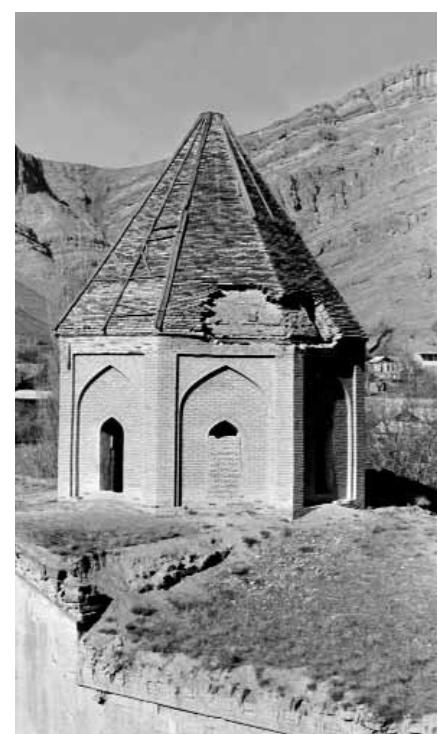
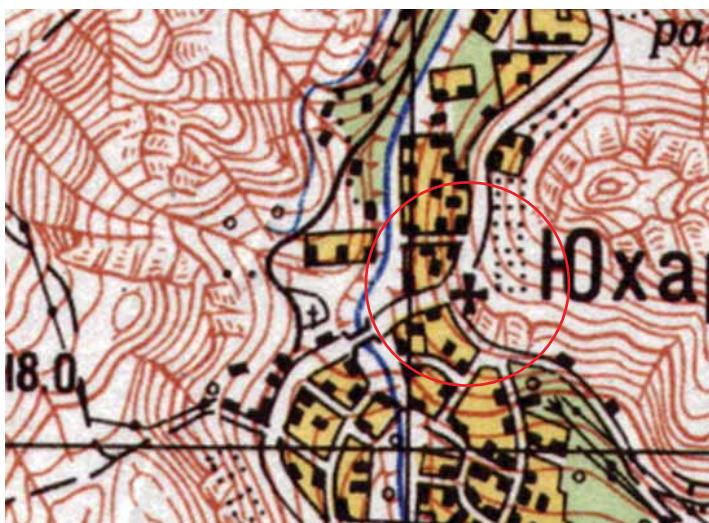
AGULIS VILLAGE, Ordubad District, Autonomous Republic of Nakhijevan. Sourb Astvatzatzin (Holy Virgin) Great Cloister (rebuilt in the 17th century), Upper Agulis, as marked on the map (1976, scale: 1:50000) of the USSR General Military Headquarters; its site after its total annihilation in the late 1990s (Google Earth, 2011)

Դամալիրի մնացորդները հարավ-արևմուտքից, զանգակատունը հարավից (լուս. Զ. Սարգսյանի, 1987 թ.)

Остатки монастырского комплекса с юго-запада, вид колокольни с юга (фот. — З. Саргсяна, 1987 г.)

The remnants of the cloister from the south-west; its belfry from the south (photos by Z. Sargissian, 1987)

038°57'17.72"E, 45°59'29.96"N



ԱԳՈՒԼԻՍ գՅՈՒՂ (Նախիջևանի ԻՇ, Օրդուբադի շրջան). Վերին թաղի Ար. Քրիստովի եկեղեցու (Վլկո. 1671-1675 թթ.) տեղը ԽՍՀՄ զինվորական գլխավոր շտաբի 1:50000 մասշտաբի քարտեզի (1976 թ.) վրա և 1990-ական թթ. վերջերին հողին հավասարեցնելուց հետո Google Earth-ի 2011 թ. տիեզերքից կատարված լուսանկարում

Եկեղեցին արևոտքից, հարավից և թմբուկը հարավ-արևելքից (լուս.՝ Զ. Սարգսյանի, 1987 թ.)

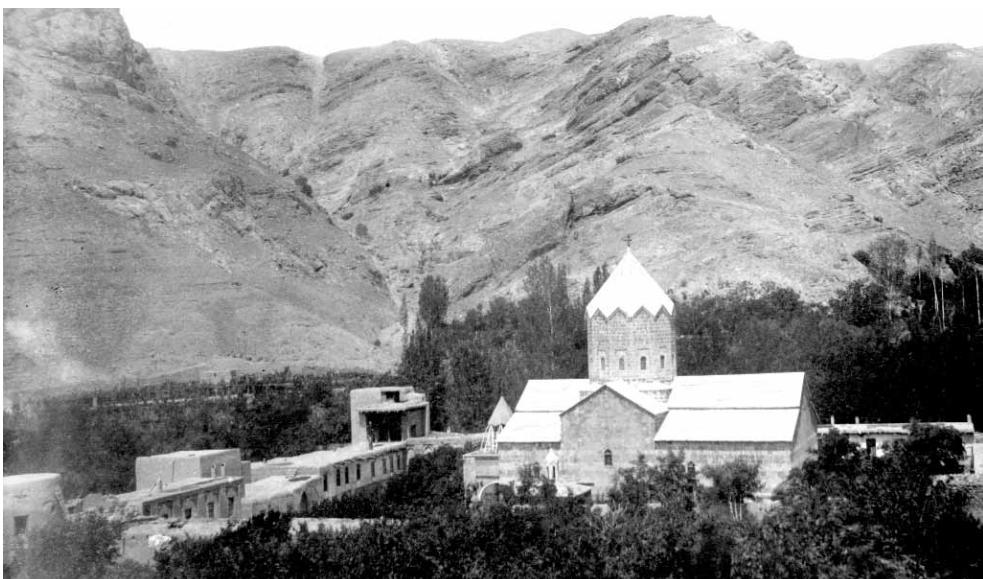
038°57'26.83"E, 45°58'51.43"N

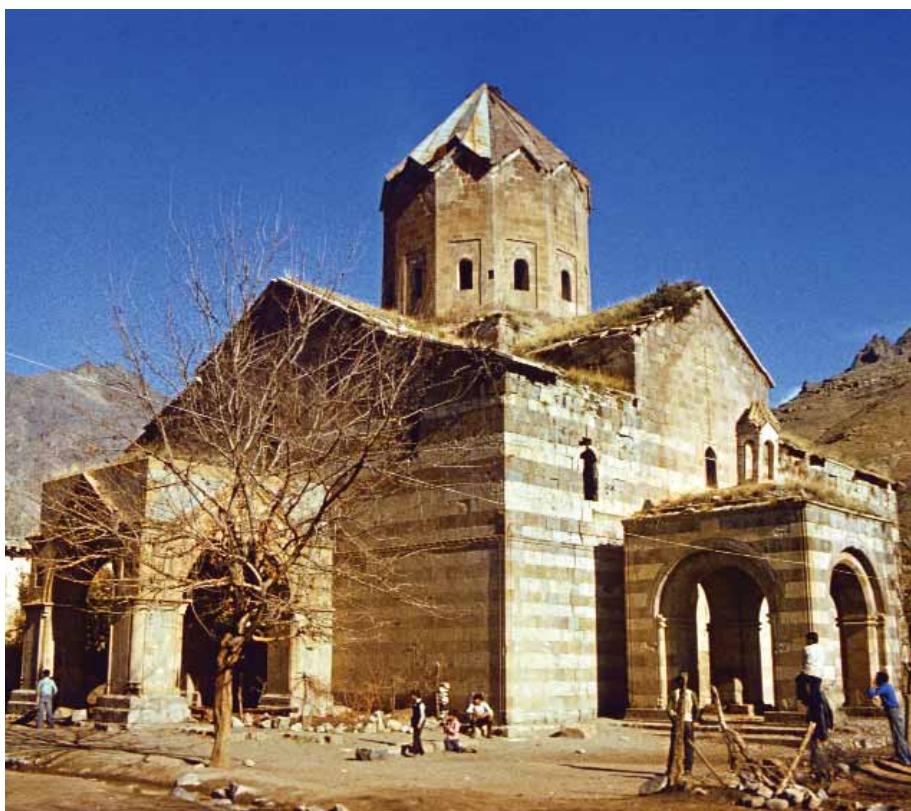
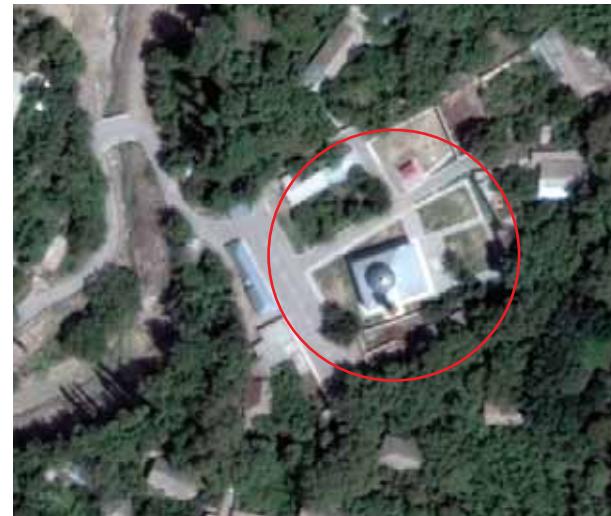
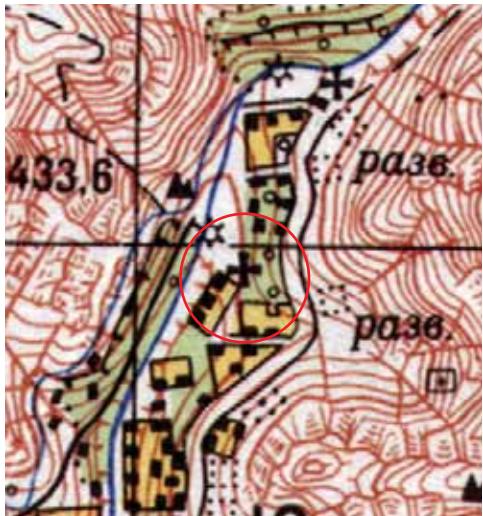
СЕЛО АГУЛИС (Ордубадский район, Нахичеванская АР). Место церкви Сурб Кристапор (Св. Христофора) (реконстр. в 1671-1675 гг.) квартала Верин (Верхнего) на карте (1:50000) Генштаба ВС СССР (1976 г.) и после ее полного уничтожения в конце 1990-х гг. — на снимке, сделанном Google Earth из космоса в 2011 г.

Вид церкви с запада, юга и вид барабана с юго-востока (фот. — З. Саргсяна, 1987 г.)

AGULIS VILLAGE, Ordubad District, Autonomous Republic of Nakijevan. St. Christapor (Christopher) Church (rebuilt in 1671 to 1675), Upper Agulis, as marked on the map (1976, scale: 1:50000) of the USSR General Military Headquarters; its site after its total annihilation in the late 1990s (Google Earth, 2011)

The church from the west and south; its tambour from the south-east (photos by Z. Sargissian, 1987)





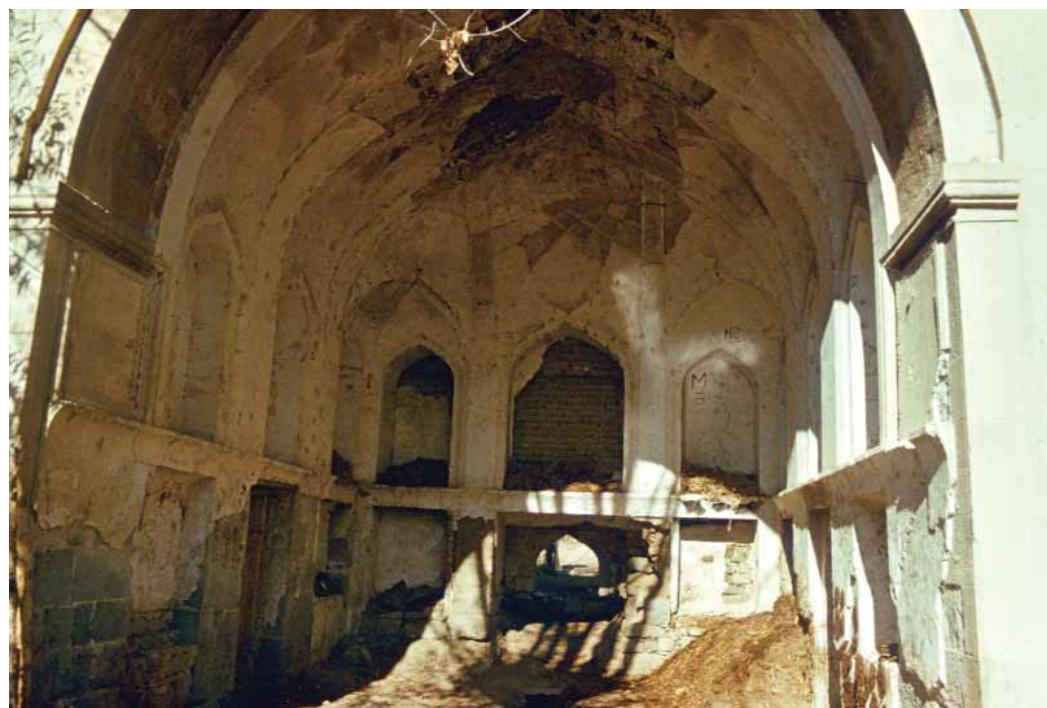
ԱԳՈՒԼԻՍ ՎՅՈՒԴ (Նախիջևանի ԻՇ, Օրդուբադի շրջան). Վերին թաղի Սր. Թուվմա առաքյալ վանքը (Վրկո. ժԵ դար) արևմտադիր, հարավ-արևելադիր և հարավից (լուս.՝ 1900-1910-ական թթ.) վանքի տեղը ԽՄՀՄ գինվորական գլխավոր շտաբի 1:50000 մասշտաբի քարտեզի (1976 թ.) վրա և 1990-ական թթ. վերջերին հիմնահատակ ավերելուց հետո Google Earth-ի 2011 և 2016 թթ. տիեզերքից կատարված լուսանկարներում: Վերջին նկարից երևում է, որ վանքի տեղում արդեն մզկիթ են կառուցել:

Եկեղեցին հարավ-արևմուտքից և հատված որմնանկարազարդ բմբուկից (լուս.՝ Զ. Սարգսյանի, 1987 թ.)

СЕЛО АГУЛИС (Ордубадский район, Нахичеванская АР). Вид монастыря апостола Сурб Товма (Св. Фомы) (реконстр. в XVII в.) квартала Верин (Верхнего) с запада, юго-востока и юга (фот. — 1900-1910-х гг.) Место монастыря на карте (1:50000) Генштаба ВС СССР (1976 г.) и после ее полного уничтожения в конце 1990-х гг. — на снимках, сделанных Google Earth из космоса в 2011 и 2016 гг. На последнем снимке очевидно, что на месте монастыря уже построена мечеть.

Вид церкви с юго-запада и фрагмент барабана, разрисованного фресками (фот. — З. Саргсяна, 1987 г.)

AGULIS VILLAGE, Ordubad District, Autonomous Republic of Nakhijevan. St. Tovma Arakyal (Thomas the Apostle) Monastery (rebuilt in the 17th century), Upper Agulis, from the west, south-east and south (photos 1900s to 1910s). The monastery as marked on the map (1976, scale: 1:50000) of the USSR General Military Headquarters; its site after its total annihilation in the late 1990s (Google Earth, 2011, 2016). As seen in the photo above (on the right), a mosque has been built in its site. The monastic church from the south-west; a partial view of its tambour which was adorned with frescoes (photos by Z. Sargissian, 1987)

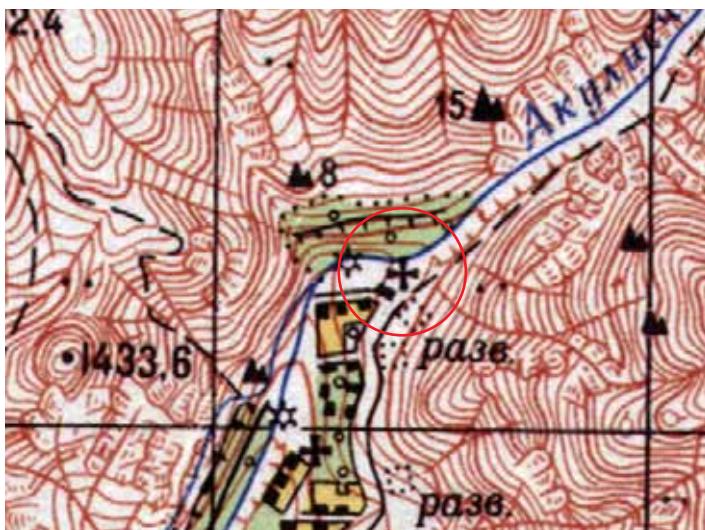


Ագուլիսի Վերին թաղի Սբ. Թովմա առաքյալ վանքի շրջապարսպի մեջ գտնվող բաց խորանը

Открытый алтарь, расположенный внутри ограды монастыря апостола Сурб Товма (Св. Фомы) квартала Верин (Верхнего) Агулиса

The open sanctuary within the ramparts of the monastery of St. Tovma Arakyal (Thomas the Apostle), Upper Agulis

038°57'46.37"E, 45°58'56.65"N



ԱԳՈՒԼԻՍ գՅՈՒՂ (Նախիջևանի ԻՇ, Օրդուբադի շրջան). Վերին թաղի Մը. Ստեփանոս եկեղեցու (ԺԲ-ԺԳ դր., վրկո. Ժ դար) տեղը ԽՄՀՄ զինվորական գլխավոր շտաբի 1:50000 մասշտարի քարտեզի (1976 թ.) վրա և 1990-ական թթ. վերջերին հողին հավասարեցնելուց հետո Google Earth-ի՝ 2011 թ. տիեզերքից կատարված լուսանկարում

Եկեղեցին հարավից և հարավ-արևելքից (լուս.՝ Զ. Սարգսյանի, 1987 թ.)

038°58'00.40"E, 45°59'04.73"N

СЕЛО АГУЛИС (Ордубадский район, Нахичеванская АР). Место церкви Сурб Степанос (Св. Стефана) квартала Верин (Верхнего) (реконстр. в XVII в.) на карте (1:50000) Генштаба ВС СССР (1976 г.) и после ее полного уничтожения в конце 1990-х гг. — на снимке, сделанном Google Earth из космоса в 2011 г.

Вид церкви с юга и юго-востока (фот. — З. Саргсяна, 1987 г.)

AGULIS VILLAGE, Ordubad District, Autonomous Republic of Nakhijevan. St. Stepanos (Stephen) Church (rebuilt in the 17th century), Upper Agulis, as marked on the map (1976, scale: 1:50000) of the USSR General Military Headquarters; its site after its total annihilation in the late 1990s (Google Earth, 2011)

The church from the south and south-east (photos by Z. Sargissian, 1987)



ԶՈՒՄ ԳՅՈՒՂԻ (այժմ՝ Գյուլիստան, Նախիջևանի ԻՀ, Զուլֆայի շրջան). գյուղի հարավարևմտյան եզրին մինչև առնվազն 2003 թ. պահպանվում էր Սրբ Գևորգ կիսավեր եկեղեցին (1851 թ.), որի հատակածը, շրջապարփով հանդերձ, հստակ տեսանելի էր Google Earth-ի 2003 թ. տիեզերքից կատարված լուսանկարում, մինչդեռ արդեն 2008 թ. լուսանկարում եկեղեցին այլևս գոյություն չուներ (հետևաբար հիմնահատակ ավերումը տեղի է ունեցել 2003-2008 թթ. միջակայրում):

СЕЛО ДЖУГА (ныне — Гюлистан, Джульфинский район, Нахичеванская АР). Как минимум до 2003 г. на юго-западной окраине села стояла полуразрушенная церковь Сурб Геворг (Св. Георгия) (1851 г.), контуры фундамента и ограды которой отчетливо были видны на снимке, сделанном Google Earth из космоса в 2003 г. Тем временем, на снимке 2008 г. церковь более не существовала (следовательно, полное уничтожение ее произошло в период между 2003-2008 гг.).

JUGHA (now: Gyulistan) VILLAGE, Julfa District, Autonomous Republic of Nakhijevan. Until at least 2003, the semi-ruined church of St. Gevorg (George), dating from 1851, was preserved at the south-western edge of the village: the contours of its foundations and its enclosure are clearly discernible in a Google Earth photo of 2003. Another photograph taken from space in 2008 shows only the devastated site of the church, which suggests that it was levelled to the ground between 2003 and 2008.

Եկեղեցին հարավից և հարավ-արևելքից (լուս. Զ. Սարգսյանի, 1987 թ.)

Вид церкви с юга и юго-востока (фот. — З. Саргсяна, 1987 г.)

The church from the south and south-east (photos by Z. Sargissian, 1987)

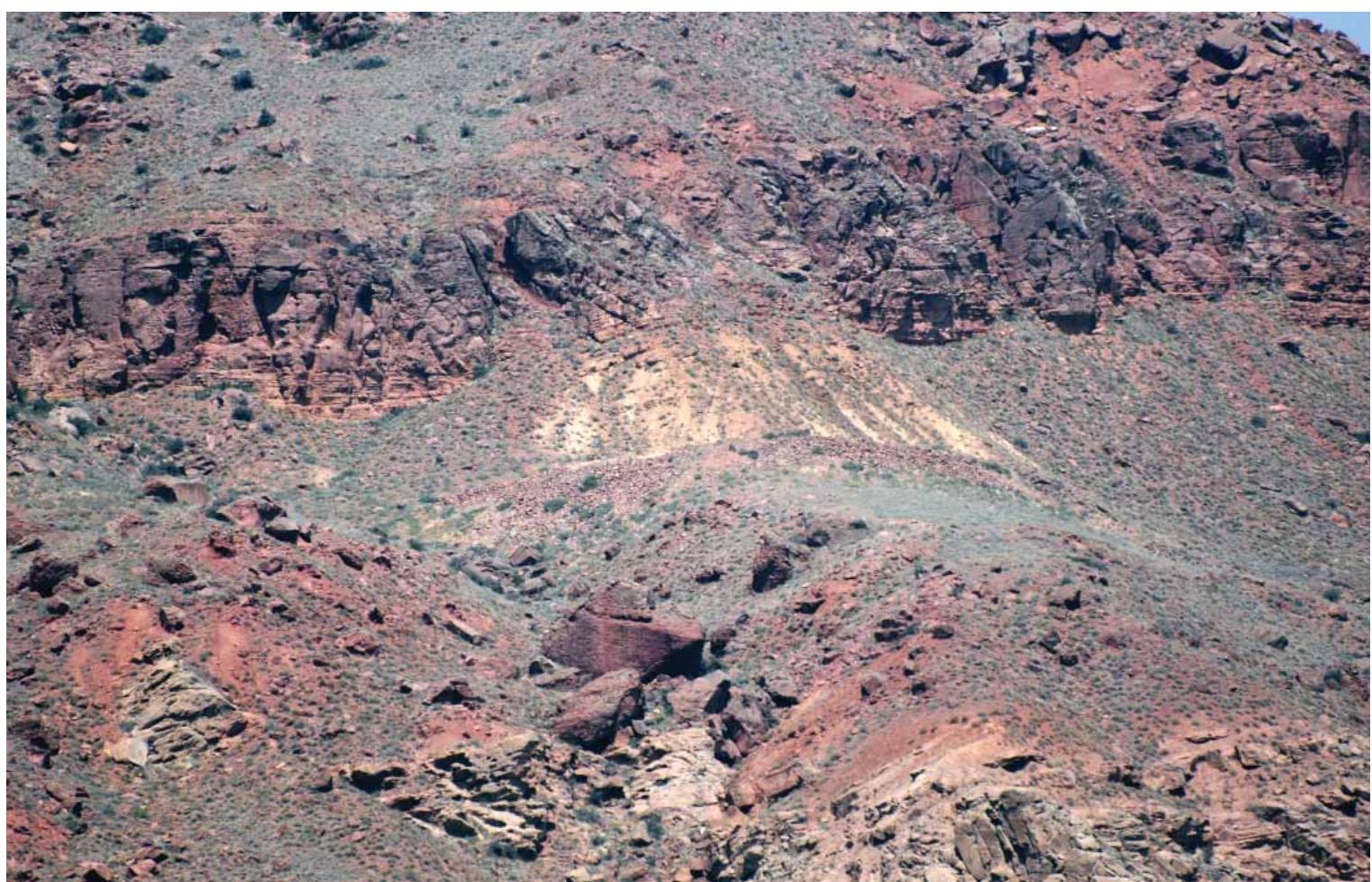
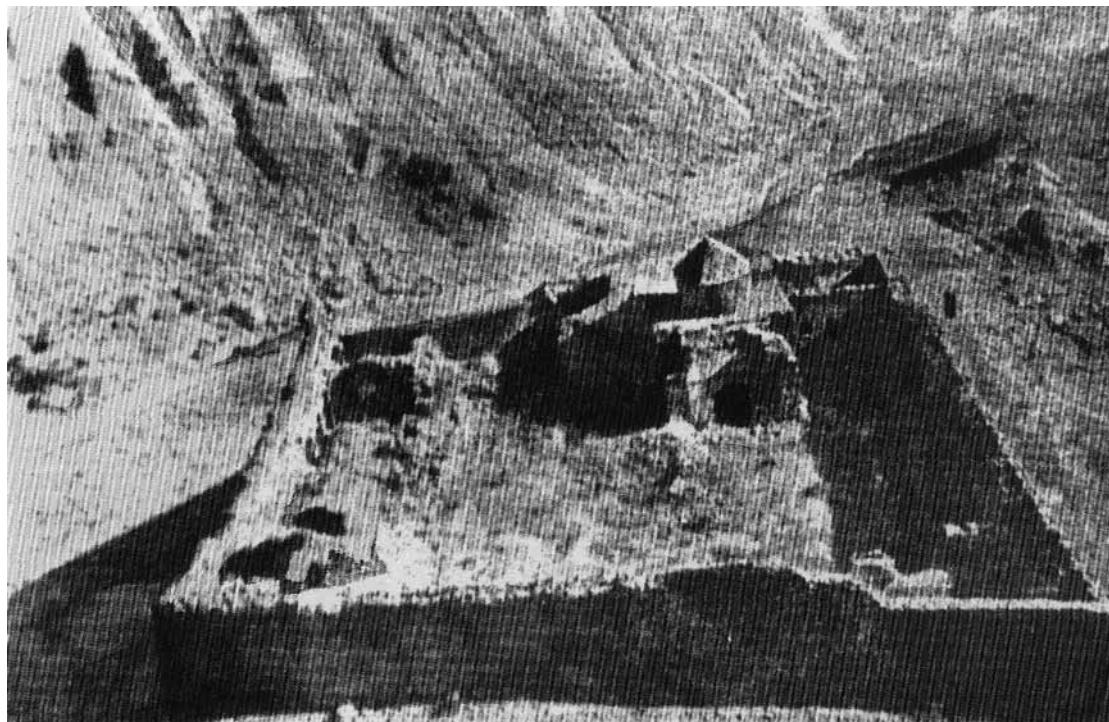
038°58'48.94"E, 45°35'04.03"N



ԶՈՒՂԱ ԳՅՈՒՂ (այժմ՝ Գյուլիստան, Նախիջևանի ԻՇ, Զուլֆայի շրջան). գյուղի արևմտյան եզրին՝ Սբ. Գևորգ եկեղեցուց հյուսիսի, մինչև առնվազն 2003 թ. պահպանվում էր ավելի քան երեք հազար գերեզմանական հուշարձան պարունակող հայոց գերեզմանոցը, որն ադրբեյջանցի վանդալները երկրի երեսից վերացրին Սբ. Գևորգ եկեղեցին ոչնչացնելու հետ մեկտեղ 2003-2008 թթ. (լուս.՝ Զ. Սարգսյանի, 1987 թ.):

СЕЛО ДЖУГА (ныне — Гюлистан, Джульфинский район, Нахичеванская АР). Как минимум до 2003 г. на западной окраине села было расположено армянское кладбище с 3000 могильными памятниками. Оно было стерто с лица земли азербайджанскими вандалами одновременно с церковью Сурб Геворг (Св. Георгия) в период между 2003-2008 гг. (фот. — З. Саргсяна, 1987 г.).

JUGHA (now: Gyulistan) VILLAGE, Julfa District, Autonomous Republic of Nakhijevan. Until at least 2003, an Armenian cemetery of more than 3,000 tombstones was preserved at the western edge of the village, north of St. Gevorg (George) Church. Most probably, the Azerbaijani vandals annihilated it parallel with the destruction of the church, in 2003 to 2008 (photos by Z. Sargissian, 1987).



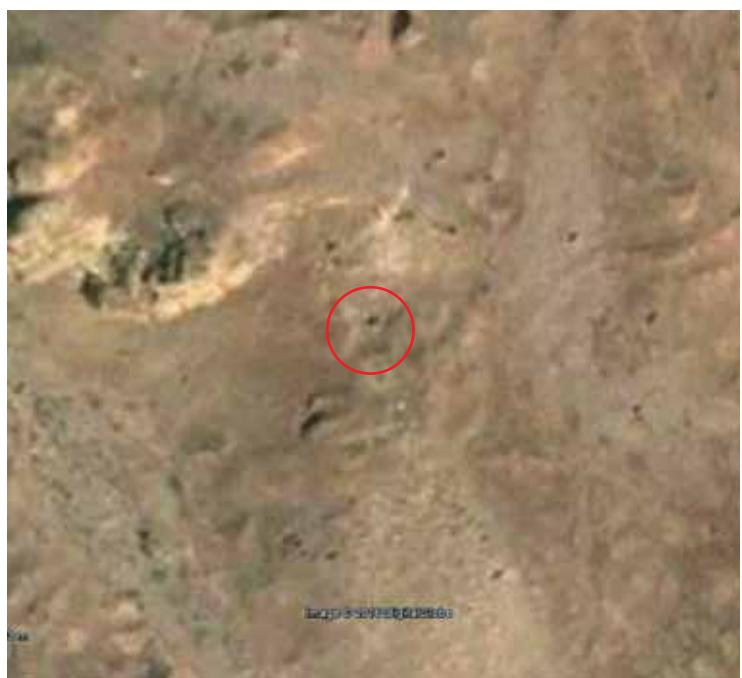
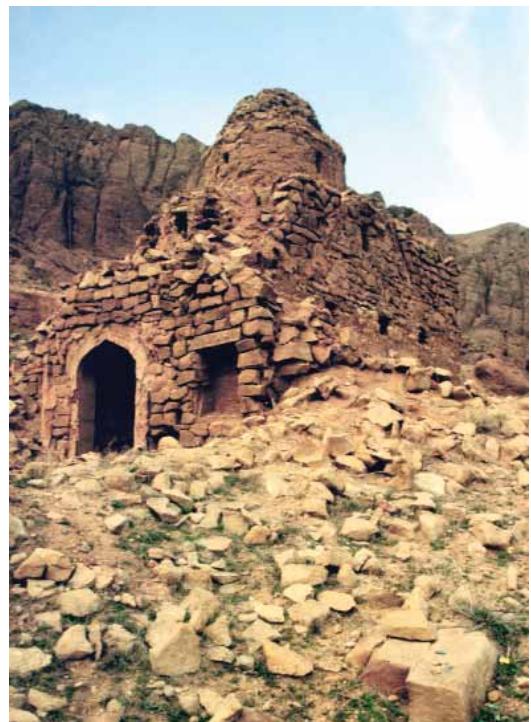


ԶՈՒՂԱ ՔԱՂԱՔԱՏԵՂԻ (Նախիջևանի Իշ, Զուկֆայի շրջան). Զուղա (այժմ՝ Գյուլիստան) գյուղից հազիվ 1 կմ արևմուտք՝ Արաքս գետի ձախ ափին էր տարածվում մինչև 1604 թ. Ծահ Արասի իրականացրած բռնագաղթը շուրջ 50000 շնչով զուտ հայաբնակ երբեմնի Զուղա քաղաքը: Վերջինից գրեթե 2 կմ արևմուտք գտնվում էր քաղաքամերձ պաշտամունքային կենտրոններից մեկը՝ Ամենափրկիչ վանքը (Թ-Ժ դդ.): Աղրբեջանական ելուգակներն այս վանքը քանդել են կամ 1990-ական թթ. Վերջերին, կամ 2000-ական թթ. սկզբներին: Դամենայն դեպս, արդեն 2003 թ. վանքի հետքերը հազիվ էին նշանարվում (տես Google Earth-ի՝ 2003 թ. տիեզերքից կատարված լուսանկարը): Վերջին մնացորդները ջանադրաբար անհետացվել են նաև հետագա տարիներին: Դա է փաստում 2016 թ.՝ դարձյալ տիեզերքից կատարված լուսանկարը:

038°58'38.85"E, 45°32'51.09"N

ГОРОДИЩЕ ДЖУГА (Джульфинский район, Нахичеванская АР). На расстоянии едва 1 км от села Джуга (ныне — Гюлистан) — на левом берегу реки Аракс, до выселения 1604 г., осуществленного Шах-Аббасом, расстился некогда населенный лишь армянами город Джуга с населением около 50000 душ. На расстоянии почти 2 км на запад от последнего располагался один из культовых пригородных центров — монастырь Аменапркич (Св. Христа Всеспасителя) (IX-X вв.). Азербайджанские разбойники разрушили этот храм либо в конце 1990-х гг, либо в начале 2000-х гг. Тем не менее, уже в 2003 г. остатки монастыря едва были заметны (см. снимок, сделанный Google Earth из космоса в 2003 г.), и были основательно уничтожены в течение последующих лет. Об этом свидетельствует снимок, сделанный из космоса в 2016 г.

JUGHA CITY SITE, Julfa District, Autonomous Republic of Nakchivan. Jugha, located on the left bank of the river Arax, hardly a kilometre west of the village of the same name (now: Gyulistan), was a purely Armenian-inhabited city with a population of about 50,000 prior to the deportation organised by Shah Abbas in 1604. Sourb Amenaprkich (Holy Saviour) Monastery (9th to 10th centuries), situated about 2 km west of the city, fell prey to the Azerbaijani vandals, sharing the fate of the other monuments of the region. Its remnants can hardly be discerned in a Google Earth photo of 2003, which suggests that it was levelled to the ground either in the late 1990s or in the early 2000s. Another Google Earth photo (2016) shows the site as absolutely devastated, without a single vestige of the monastery left.



Զուղա քաղաքատեղիի գրեթե կենտրոնում հարավահայաց լեռնակեշին էր գտնվում բուն անունը մոռացված և Պոմբլոզի ժամ անվանք հայտնի գմբեթավոր մի եկեղեցի (ԺԲ-ԺԳ դդ., Վրկո. ԺԶ դար, լուս.՝ Զ. Սարգսյանի, 1987 թ.): 1990-ական թթ. Վերջերին կամ 2000-ական թթ. սկզբներին աղբեջանցի ելուզակներն այս եկեղեցին նույնապես հիմնահատակ քանդել են: Դա է վկայում Google Earth-ի՝ 2003 թ. տիեզերքից կատարված լուսանկարը:

Почти в центре городища Джуга, у подножия горы, смотрящего на юг, была расположена купольная церковь (постр. в XII-XIII вв., реконстр. в XVI в.) с забытым изначальным названием, известная ныне как церковь Помблоза (фот. — З. Саргсяна, 1987 г.). Она также была основательно разрушена в конце 1990-х, либо в начале 2000-х гг. азербайджанскими бандами. Об этом свидетельствует снимок, сделанный Google Earth из космоса в 2003 г.

Pomblozi Zham (original name consigned to oblivion), a domed church (erected in the 12th to 13th centuries, rebuilt in the 16th century) once standing at the south-facing foot of a mountain, almost in the heart of Jugha City Site (photos by Z. Sargissian, 1987)

The Azerbaijanian vandals levelled it to the ground either in the late 1990s or in the early 2000s: this is proved by a Google Earth photo of 2003 which shows the site without any vestiges of the monument.

Պոմբլոզի ժամն ամբողջությամբ քանդված 2002 թ. (լուս.՝ Հ. Բազեի) և քարհանքի վերածված եկեղեցատեղին 2016 թ. (լուս.՝ Ա. Հակոբյանի)

Полностью разрушенная церковь Помблоза в 2002 г. (фот. — Г. Базе) и место церкви, превращенное в каменоломню в 2016 г. (фот. — А. Акопяна)

The remnants of Pomblozi Zham (photo by Hrair Baze, 2002); its site as reduced to a “quarry” (photo by A. Hakobian, 2016)







038°58'25.83"E, 45°33'53.45"N

149

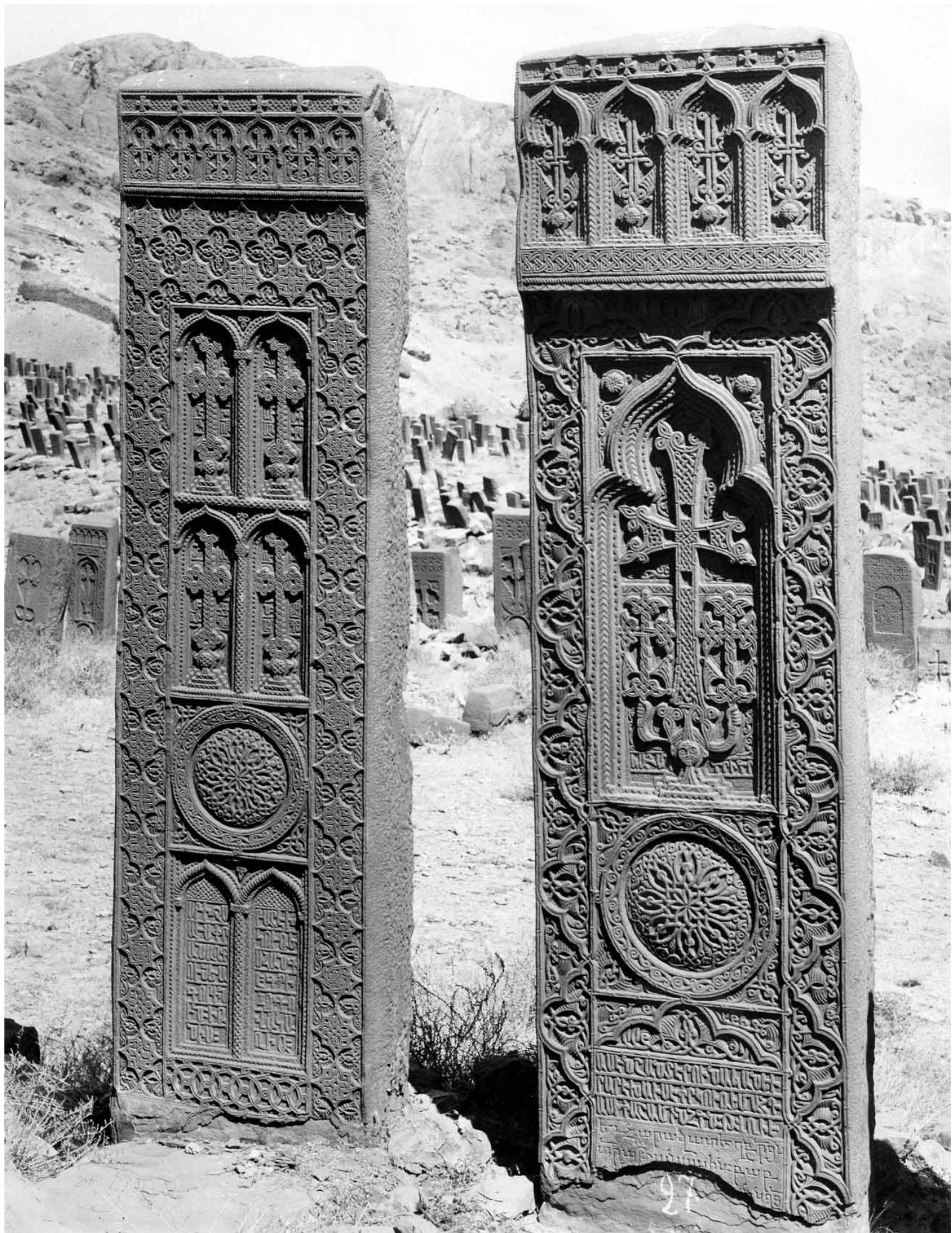


ԶՈՒՐԱ ՔԱՂՎԱՏԵՐԻ
(Նախիջևանի ԻՇ, Զուլ-
ֆայի շրջան). հատված-
ներ Զուղայի հայկա-
կան աշխարհահոչակ
գերեզմանոցից (լուս.
Ա. Վրույրի, 1915 թ.)

ГОРОДИЩЕ ДЖУГА
(Джульфинский
район, Нахичеван-
ская АР). Фрагмен-
ты всемирно извест-
ного армянского
кладбища Джуга
(фот. — А. Вруйра,
1915 г.)

JUGHA CITY SITE, Julfa
District, Autonomous Re-
public of Nakijevan.
Partial views of the re-
nowned Armenian ce-
metery of Jugha (photos
by A. Vruyr, 1915)





038°05'25.83"E, 45°33'53.45"N



ԶՈՒՂԱ ՔԱՂՎԱՍԵՂԻ (Նախիջևանի ԻՀ, Զուլֆայի շրջան). Խաչքար (1578 թ.) Զուլֆայի հայկական աշխարհահեռչակ գերեզմանոցում (լուս.՝ Ս. Հասրաթյանի, 1987 թ.).

ГОРОДИЩЕ ДЖУГА (Джульфинский район, Нахичеванская АР). Хачкар (1578 г.) на всемирно известном армянском кладбище Джуги (фот. — М. Асратяна, 1987 г.)

JUGHA CITY SITE, Julfa District, Autonomous Republic of Nakhijevan. A cross-stone (1578) in the renowned Armenian cemetery of Jugha (photo by M. Hasratian, 1987)

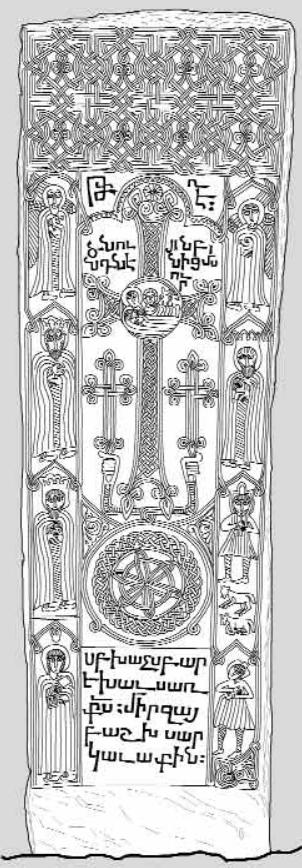
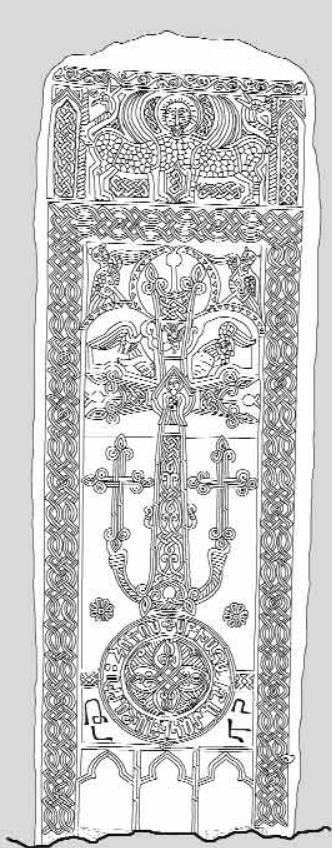
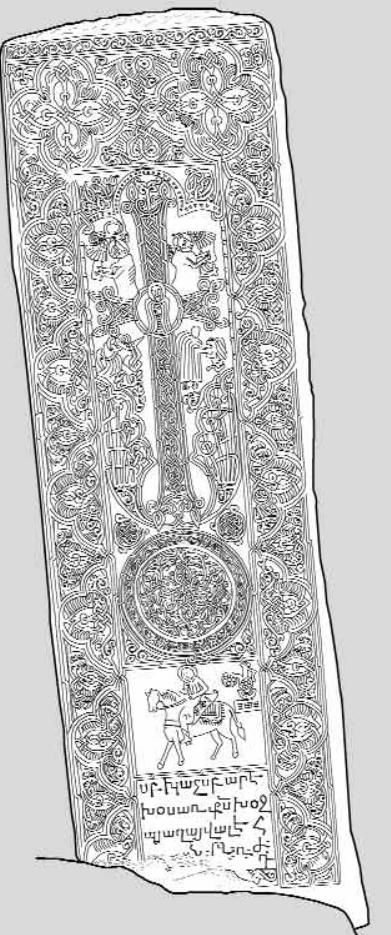
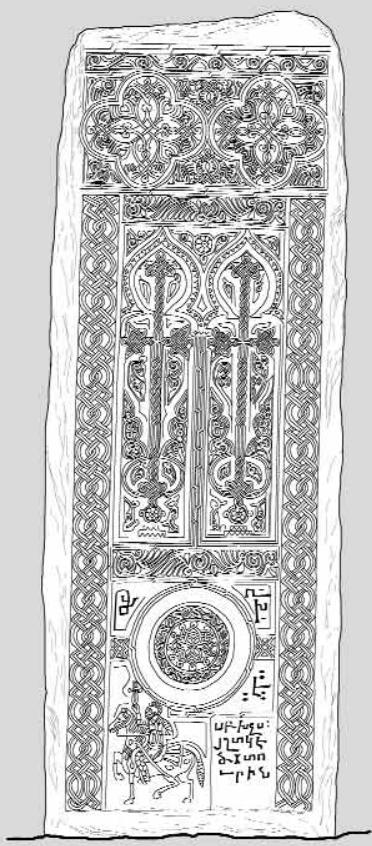
ԶՈՒՄ ՔԱՂՔԱՏԵՐԻ (Նախիջևանի Ի-Յ, Զուլֆայի շրջան). Խաչքար (1572 թ.) Զուլֆայի հայկական աշխարհահոչակ գերեզմանոցում (լուս.՝ Ս. Հասրաթյանի, 1987 թ.).

ГОРОДИЩЕ ДЖУГА (Джульфинский район, Нахичеванская АР). Хачкар (1572 г.) на всемирно известном армянском кладбище Джуги (фот. — М. Асратяна, 1987 г.)

JUGHA CITY SITE, Julfa District, Autonomous Republic of Nakhijevan. A cross-stone (1572) in the renowned Armenian cemetery of Jugha (photo by M. Hasratian, 1987)

038°58'25.83"E, 45°33'53.45"N







ԶՈՒՂԱ ՔԱՂԱՔԱՏԵՐԻ (Նախիջևանի ԻՇ, Զուլֆայի շրջան). գրչանկարային նմուշներ Զուղայի գերեզմանոցի խաչքարերից (գրք.՝ Ս. Կարապետյանի) և խոյատապահներ (լուս.՝ Մ. Հասրաթյանի, 1987 թ.)

ГОРОДИЩЕ ДЖУГА (Джульфинский район, Нахичеванская АР). Образцы рукописных копий хачкаров армянского кладбища Джуги (зарисовки — С. Карапетяна) и надгробия в виде овна (фот. — М. Асратяна, 1987 г.)

JUGHA CITY SITE, Julfa District, Autonomous Republic of Nakhljevan. Tracings of several cross-stones from Jugha Cemetery (by S. Karapetian); ram-shaped tombstones from the cemetery (photos by M. Hasratian, 1987)



Դեռևս խորհրդային տարիներին զերեզմանոցի շատ խաչքարեր աղբթեշանցիները տապալել և խորանարդիկների վերածելով՝ գործածել են որպես շինանյութ (լուս.՝ Զ. Սարգսյանի, 1987 թ.)

Еще в советские годы азербайджанцы порушили множество хачкаров кладбища и, раздробив их на куски, использовали в качестве стройматериала (фот. — З. Саргсяна, 1987 г.)

The Azerbaijanians started the destruction of the cemetery as early as the Soviet years, overthrowing many cross-stones and breaking them to pieces to use them as building material (photos by Z. Sargissian, 1987)



038°58'25.83"E, 45°33'53.45"N



Դեռևս խորհրդային տարիներին աղբյուղանցիները գերեզմանոցի շատ խաչքարեր տապալել և խորանարդիկների վերածելով՝ գործածել են որպես շինանյութ (լուս.՝ Զ. Սարգսյանի, 1987 թ.):

Еще в советские годы азербайджанцы порушили множество хачкаров кладбища и, раздробив их на куски, использовали в качестве стройматериала (фот. — З. Саргсяна, 1987 г.).

The Azerbaijanians started the destruction of the cemetery as early as the Soviet years, overthrowing many cross-stones and breaking them to pieces to use them as building material (photos by Z. Sargissian, 1987)



038°58'25.83"E, 45°33'53.45"N



Գերեզմանոցի՝ բուլդոզերներով
ոչնչացման սկիզբը 1998 թ. (լուս.՝ Ա.
Պետրոսյանի) և բոլոր խաչքարերը
տապալված վիճակում 2002 թ.
(լուս.՝ Հ. Բազեի)

Процесс уничтожения кладбища буль-
дозерами в 1998 г. (фот. — А. Пет-
росяна) и все хачкары кладбища в
поваленном состоянии в 2002 г.
(фот. — Г. Базе)

The cemetery in process of destruc-
tion with bulldozers (photo by A.
Petrossian, 1998); all the cross-
stones of the cemetery as thrown
down (photo by Hrair Baze, 2002)



Աղբեջանական բանակի մասնակցությամբ գերեզմանոցի բոլոր խաչքարերը խճազանգվածի վերածելու պահը 2005 թ. դեկտեմբերի 15-ին (լուս.՝ Ա. Գևորգյանի)

038°58'25.83"E, 45°33'53.45"N

Момент превращения всех хачкаров кладбища в груду щебня с участием азербайджанской армии 15-ого декабря 2005 г. (фот. — А. Геворкяна)

Servicemen from the Azerbaijani army crumbling the cross-stones into rubble (photos by A. Gevorgian, 15 December 2005)



Աղբեջանական բանակի նախակցությամբ գերեզմանոցի բոլոր խաչքարերը խճազանգվածի վերածելու և կտորտանքները երկարգծի արաքսահայաց կողմը թափելու պահերը 2005 թ. դեկտեմբերի 15-ին (լուս.՝ Ա. Գևօրգյանի)

Фрагменты превращения всех хачкаров кладбища в груду щебня и выбрасывания ее в сторону железной дороги по направлению к реке Аракс 15-ого декабря 2005 г. с участием азербайджанской армии (фот. — А. Геворкяна)

The fallen cross-stones of the cemetery as being crumbled into rubble and loaded onto lorries to be discharged on the Arax-facing side of the railway (photos by A. Gevorgian, 15 December 2005)

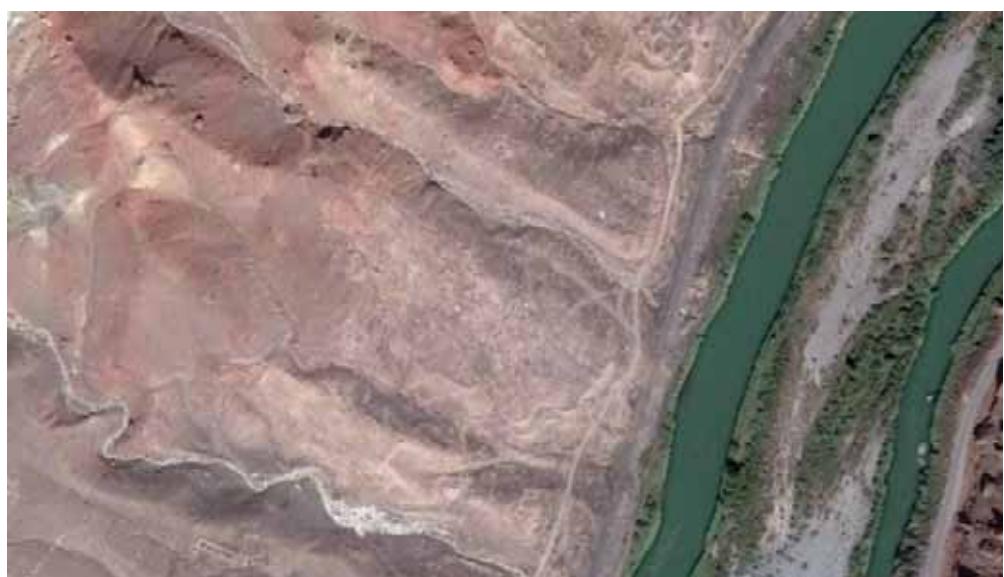
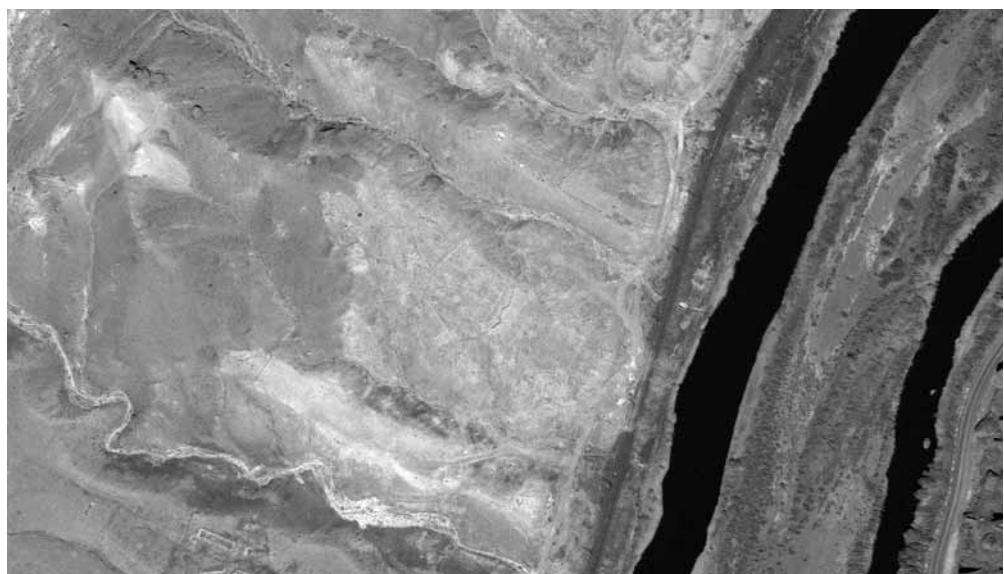


Զուլայի գերեզմանոցը 1976 թ.
(լուս.՝ Ա. Գևորգյանի) և երբեմնի գե-
րեզմանոցի տարածքում տեղակայ-
ված հրաձգարանը 2006 թ. (լուս.
հեղ.՝ անհայտ)

038°58'25.83"E, 45°33'53.45"N

Кладбище Джуги в 1976 г. (фот. —
А. Геворкяна) и стрельбище, распо-
ложенное на территории, некогда
занимаемой кладбищем, в 2006 г.
(автор фот. неизвестен)

The cemetery of Jugha (photo by A.
Gevorgian, 1976) and the shooting-
ground stationed in its site (unknown
photographer, 2006)



Ոչնչացված գերեզմանողի տարածքն ըստ Google Earth-ի՝ 2003, 2008 և 2012 թթ. հրաշարակած լուսանկարների

Տerritorya уничтоженного кладбища согласно снимкам, опубликованным Google Earth в 2003, 2008, 2012 гг.

The site of the annihilated cemetery (Google Earth 2003, 2008 & 2012)

ԶՈՒՂԱ ՔԱՂԱՔԱՏԵՂԻ (Նախիջևանի ԻՀ, Ջուլֆայի շրջան). քաղաքատեղի դեմ հանդիման՝ Արաքս գետի աջ՝ իրանական ափին է գտնվուն երբեմնի քաղաքի արվարձանային Հովվի եկեղեցին (լուս.՝ Ա. Ղախմազյանի, 1972 թ.), որը, ի հեճուկս արդրեօնական վանդալների, իրանական իշխանությունների նախաձեռնությամբ ամրողությամբ վերականգնվել է 2015 թ. (լուս.՝ Ա. Ղակորյանի, 2015 թ.):

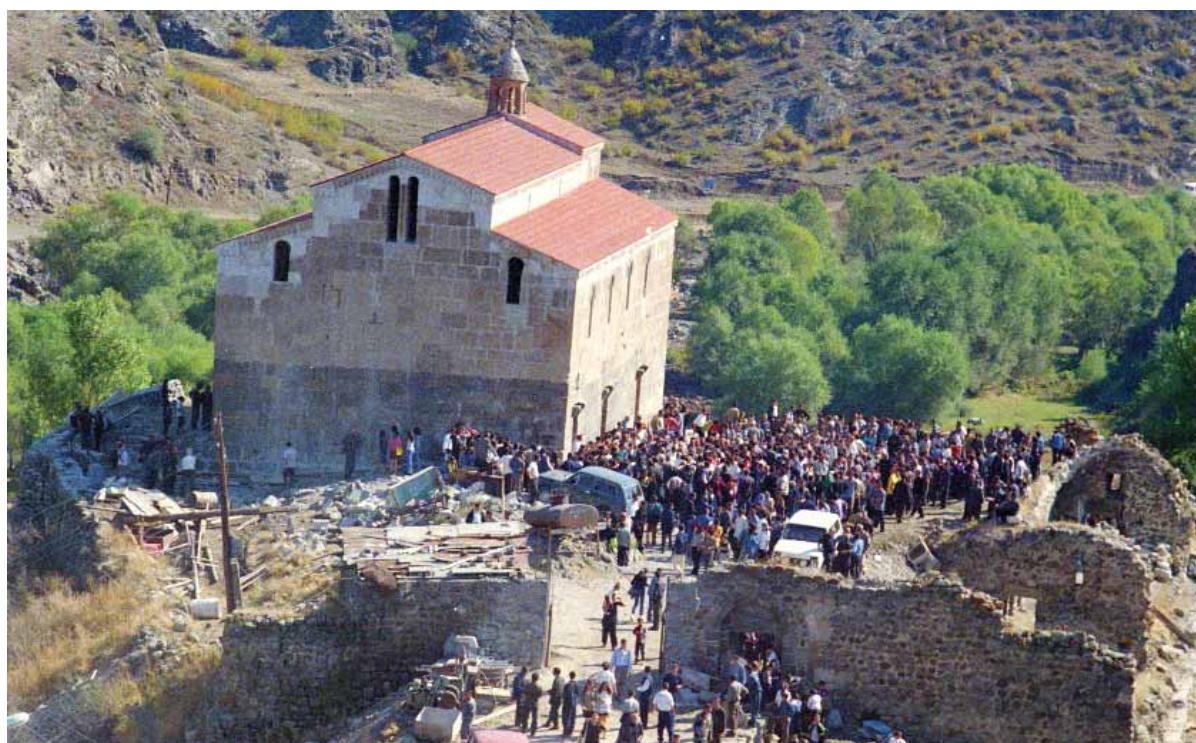
ГОРОДИЩЕ ДЖУГА (Джульфинский район, Нахичеванская АР). Напротив городища, на правом берегу реки Аракс, на иранском побережье расположена некогда городская, ныне — пригородная церковь Овви (фот. — А. Ахназаряна, 1972 г.), которая вопреки азербайджанской стороне была полностью восстановлена в 2015 г. по инициативе иранских властей (фот. — А. Акопяна, 2015 г.).

JUGHA CITY SITE, Julfa District, Autonomous Republic of Nakhijevan. One of the suburb churches of Jugha, Hovvi, standing opposite the city site, on the right (Iranian) bank of the river Arax (photo by A. Hakhnazarian, 1972); the church as thoroughly restored (photo by A. Hakobian, 2015)

In striking contrast to the Azerbaijani side, the Iranian authorities themselves initiated the restoration of the monument.



038°58'31.38"E, 45°34'22.04"N



ԾԻԾԵՈՆԱՎԱՆ ԳՅՈՒՂ (Արցախ, Քաշաբաղի շրջան)։ Ծիծեռնավանքը (Զ-Է դդ.) հյուսիս-արևելքից 1998 թ. (լուս.՝ Ս. Կարապետյանի) և վերականգնումից հետո բացման հանդեսին՝ 2003 թ. (լուս.՝ Ա. Խանջյանի)

СЕЛО ЦИЦЕРНАВАН (Кашатагский район, Арцах). Вид монастыря Цицернаванк (VI-VII вв.) с северо-востока в 1988 г. (фот. — С. Карапетяна) и после восстановления — в 2003 г. — во время церемонии открытия (фот. — А. Ханджяна)

TZITZERNAVAN VILLAGE, Kashatagh District, Republic of Artsakh (Nagorno Karabakh). Tzitzernavank Monastery (6th to 7th cents.) from the north-east (photo by S. Karapetian, 1998); a scene from the re-opening ceremony of the monastery following its restoration (photo by A. Khanjian, 2003)

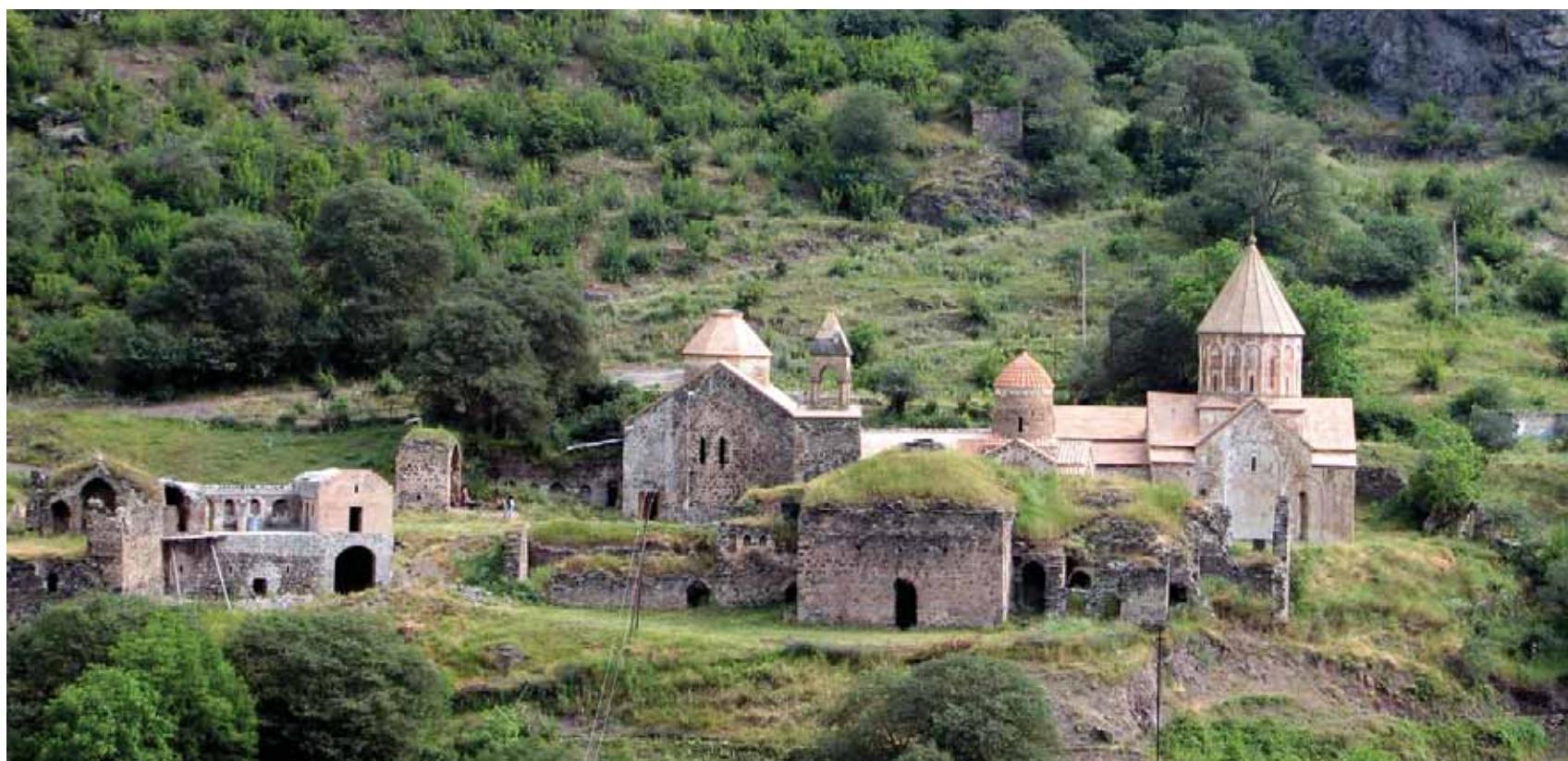


Ծիծեռնավանքը (Զ-Է դդ.) հարավ-
արևելքից 1998 և 2008 թթ. (լուս.՝ Ս.
Կարապետյանի)

039°38'39.76"E, 46°24'28.44"N

Вид монастыря Цицернаванк с
юго-востока в 1998 и 2008 гг. (фот. —
С. Карапетяна)

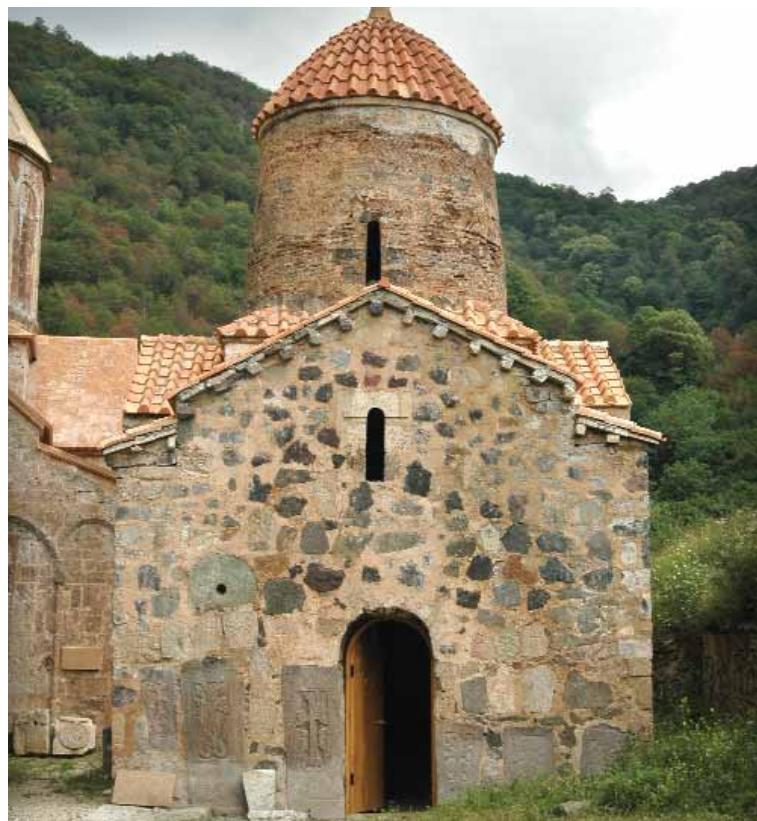
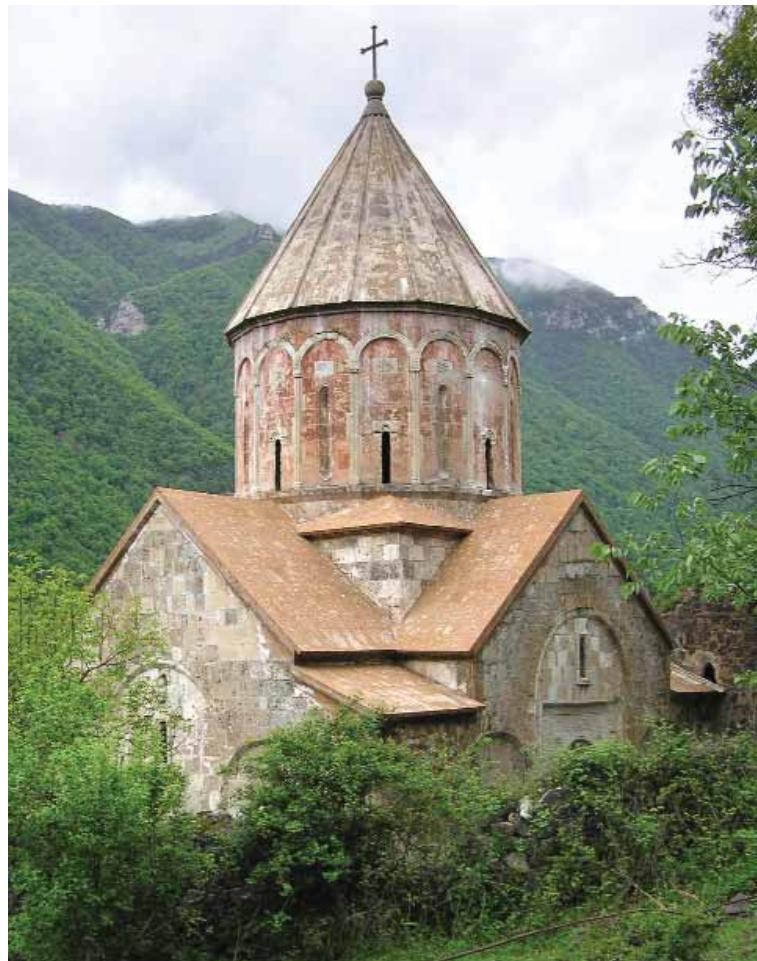
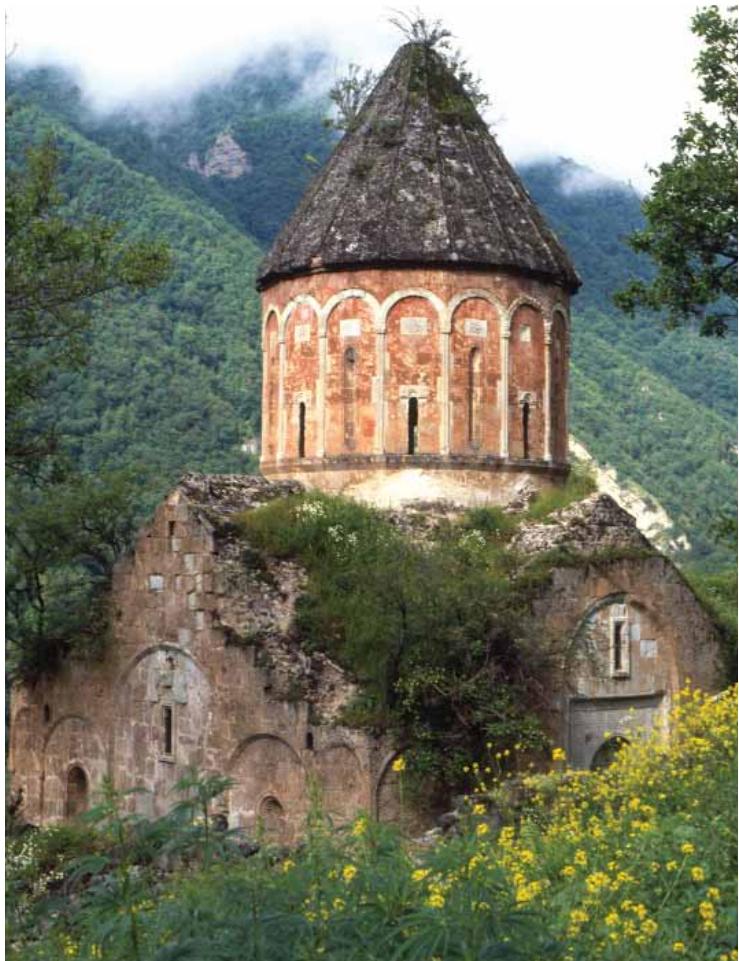
Tzitzernavank Monastery (6th to 7th
cents.) from the south-east in 1998
and 2008 (photos by S. Karapetian)



ԴԱԴԻՎԱՆՔ ԳՅՈՒՂ (Արցախ,
Քարվաճառի շրջան)։ Դադի
վանական համալիրը (ԺԳ-ԺԷ
դդ.) հարավից 1994 թ. (լուս.՝ Ս.
Կարապետյանի) և մասնակի
վերականգնումից հետո՝ 2011
թ. (լուս.՝ Ս. Այվազյանի)

СЕЛО ДАДИВАНК (Карвачарский
район, Арцах). Вид монастырь-
ского комплекса Дадиванк (XIII-
XVII вв.) с юга в 1994 г. (фот. — С. Ка-
рапетяна) и после частичных вос-
становительных работ — в 2011 г.
(фот. — С. Айвазяна)

DADIVANK VILLAGE, Karvajar District,
Republic of Artsakh (Nagorno Karabakh).
The monastic complex of Dad (13th to
17th cents.) from the south (photo by S.
Karapetian, 1994); the monastery after its
partial restoration (photo by S. Ayvazian,
2011)



Դադի վանքի Կաթողիկե եկեղեցին (1214 թ.) հյուսիս-արևելքից 1993 և 2003 թթ., գմրեթավոր փոքր եկեղեցին արևմուտքից 1993 և 2007 թթ. (լուս.՝ Ս. Կարապետյանի և Ս. Այվազյանի)

Вид церкви Катогике (1214 г.) монастыря Дадиванк с северо-востока в 1993 и 2003 гг., маленькая купольная церковь с запада в 1993 и 2007 гг. (фот. — С. Карапетяна и С. Айвазяна)

The main domed church (Katoghike, 1214) of the monastery of Dad from the north-east in 1993 and 2003; the smaller domed church of the monastery from the west as of 1993 and 2007 (photos by S. Karapetian & S. Ayvazian)



Դադի վանքի Կաթողիկե եկեղեցու որմնանկարները վերականգնման աշխատանքներից հետո (լուս.՝ Ս. Կարապետյան, 2015 թ.)

Фрески церкви Катогике монастыря Дадиванк после восстановительных работ (фот. — С. Карапетяна, 2015 г.)

The frescoes of the main domed church (Katoghike) of the monastery of Dad after their restoration (photos by S. Karapetian, 2015)



ՏԻԳՐԱՆԱԿԵՐՏ քաղաքացւեղի (Արցախ, Ասկերանի շրջան)։ հատվածներ հնագետ Յ. Պետրոսյանի գլխավորությամբ տարեցտարի բացահայտվող Տիգրանակերտ քաղաքի շրջապարհապներից (լուս.՝ Ս. Կարապետյանի, 2008 թ.)

ГОРОДИЩЕ ТИГРАНАКЕРТ (Аскеранский район, Арцах). Фрагменты городских стен Тигранакерта, из года в год выявляющихся в ходе археологических раскопок, осуществляемых экспедицией во главе с археологом Г. Петросяном (фот. — С. Карапетяна, 2008 г.)

TIGRANAKERT CITY SITE, Askeran District, Republic of Artsakh (Nagorno Karabakh). Partial views of the unearthed ramparts of the city, the excavations of which are still underway under archaeologist H. Petrossian's supervision (photos by S. Karapetian, 2008)



ԱՂՐԵՑԱՆ ՔԱՂԱՔՎՐԹՈՒԹՅՈՒՆԻՉ ԴՈՒՐՈ

АЗЕРБАЙДЖАН ВНЕ ЦИВИЛИЗАЦИИ

AZERBAIJAN OUT OF CIVILIZATION

ՆԱԽԱԳԻԾ՝
ՍԱՄՎԵԼ ԿԱՐԱՊԵՏՅԱՆԻ

ԲԱՐՏԱՐԱՊԵՏ
ԽՄԲԱԳԻՐՆԵՐ
ԽՄԲԱԳԻՐ ԵՒ ՍՈԲԱԳՐԻՉ
ՈՌԻՍԵՐԵՆԻ ԹԱՌՊԱՄՆԻՉ
ՈՌԻՍԵՐԵՆԻ ՍՐԲԱԳՐԻՉ
ԱՆԳԼԵՐԵՆԻ ԹԱՌՊԱՄՆԻՉ
ՀԱՍԱԿԱՐԳԱՅԻՆ ԶԵՎԱԿՈՐՈՂ

ԱՇՈՏ ՀԱԿՈԲՅԱՆ
ԷՄՄԱ ԱԲՐԱԱՄՅԱՆ, ՐԱՖՖԻ ԿՈՐՏՈՇՅԱՆ
ՀԱՍՄԻԿ ՕՂԱՆԵՍՅԱՆ
ԱՆԱԻՏ ԱՐՈՒՅՆՅԱՆ
ԼՈՍԻ ԱՎԵՏԻՍՅԱՆ
ԳԱՅՆԵ ՄՈՎՍԻՍՅԱՆ
ԱՐՄԵՆ ԳԵՎՈՐԳՅԱՆ

ԱՎТОՐ ՊՐՕԵԿՏԱ
САМВЕԼ ԿԱՐԱՊԵՏՅԱՆ

ԱՐХԻТЕԿՏՈՐ **ԱՇՈՏ ԱԿՈՊՅԱՆ**
РЕДАКТОՐЫ **ԷՄՄԱ ԱԲՐԱԱՄՅԱՆ, ՐԱՖՖԻ ԿՈՐՏՈՇՅԱՆ**
РЕДАКТОՐ И КОРРЕКТОՐ АРМЯНСКОГО ТЕКСТА **ՀԱՍՄԻԿ ՕՂԱՆԵՍՅԱՆ**
ПЕРЕВОД НА РУССКИЙ **ԱՆԱԻՏ ԱՐՈՒՅՆՅԱՆ**
КОРРЕКТОՐ РУССКОГО ТЕКСТА **ԼՈՍԻ ԱՎԵՏԻՍՅԱՆ**
ПЕРЕВОД НА АНГЛИЙСКИЙ И КОРРЕКТУРА **ԳԱՅՆԵ ՄՈՎՍԻՍՅԱՆ**
КОМПЬЮТЕРНЫЙ ДИЗАЙН **ԱՐՄԵՆ ԳԵՎՈՐԳՅԱՆ**

PROJECT BY
SAMVEL KARAPETIAN

ARCHITECT **ASHOT HAKOBIAN**
EDITORS **EMMA ABRAHAMIAN, RAFFI KORTOSHIAN**
EDITING AND
PROOF-READING OF THE ARMENIAN TEXT BY **HASMIK HOVHANNISSIAN**
TRANSLATION INTO RUSSIAN BY **ANAHIT HARUTIUNIAN**
PROOF-READING OF THE RUSSIAN TEXT BY **LUCY AVETISSIAN**
TRANSLATION INTO ENGLISH AND
PROOF-READING BY **GAYANE MOVSISSIAN**
COMPUTER DESIGN BY **ARMEN GEVORGIAN**

Տպագրվել է
НАПЕЧАТАНО
PUBLISHED **«ԲՅՈՒՐԱԿՆ» ՏՊԱՐԱՆՈՒ
В ТИПОГРАФИИ «БЮРАКН»
IN BYURAKN PUBLISHING-HOUSE**

ԵՐԵՎԱՆ
ЕРЕВАН
YEREVAN
2017



ՀԱՅԿԱԿԱՆ ԲԱՐՏԱՐԱՐՔԵՑՈՒԹՅՈՒՆՆ ՈՒՍՈՒՄՆԱԽՈՌ ՀԻՄԱԳՐԻ
ФОНД ПО ИЗУЧЕНИЮ АРМЯНСКОЙ АРХИТЕКТУРЫ
RESEARCH ON ARMENIAN ARCHITECTURE

2017

www.armenianarchitecture.am, www.raa.am, [✉ raayer@sci.am](mailto:raayer@sci.am)